सेंसेक्स	81,596.63
निफ्टी	24,813.45
सोना	97,420
चांदी	1,00,000
डॉलर	85.60

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 22 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 236
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

59 सांसदों की टीम 33 देशों में जाकर पाकिस्तान के आंतकी चेहरे को करेगी बेनकाब

पाक की पोल खोलने निकली टीम इंडिया

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद और पाकिस्तान का आंतकी चेहरा दुनिया को बताने के लिए देश के 59 सांसदों को 33 देश भेजा जा रहा है। 59 सांसद 7 सर्वदलीय टीमों (डेलिगेशन) में बंटे हैं।

बुधवार को दो डेलिगेशन रवाना होने हैं, जिसमें कुल 17 सांसद हैं। जेडीयू सांसद संजय झा की अगुआई वाला पहला डेलिगेशन विदेश रवाना हो गया है, जबकि शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाला डेलिगेशन रात 9 बजे रवाना होगा। 7 टीमों के साथ 8 पूर्व राजनयिक भी शामिल है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को सांसदों को इस पहल के बारे में ब्रीफिंग दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ऑपरेशन सिंदूर का बैकग्राउंड और डिप्लोमैटिक एवं सैन्य कार्रवाई के पांच बड़े संदेश इन 33 देशों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

सभी सांसदों को बताएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकी गुटों और उनके ढांचों के खिलाफ था। आतंकी अड्?डों को नपी-तुली कार्रवाई में निशाना बनाया गया। पाक सेना ने आतंकी गुटों पर हुए हमले को खुद के खिलाफ हमला मानकर पलटवार किया।

पाक आतंक का समर्थक

इतना ही नहीं सभी सांसद कुछ सबूत लेकर जा रहे हैं, जिसमें वे बताएंगे कि पहलगाम हमले में पाक समर्थित आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की भूमिका थी। इसके पहले हुए हमलों का भी पूरा चिट्?ठा सांसद ले जा रहे हैं।

भारत जिम्मेदार और संयमित

सांसदों को बताया गया हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने सैन्य कार्रवाई में भी जिम्मेदारी और संयम का परिचय दिया। यह सुनिश्चित किया कि पाक के किसी निर्दोष नागरिक की जान न जाए। पाक ने कार्रवाई रोकने का जब आग्रह किया, तब भारत ने तत्परता से पाक का आग्रह स्वीकारा किया।

आतंक के खिलाफ विश्व एकजुट

सांसद देशों से आतंकवाद के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने और इससे निपटने के लिए सहयोग व समर्थन भी मांग करने वाले है। अपील होगी कि भारत-पाक के विवाद को आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के तौर पर देखें।

पाक को लेकर हमारी नीति

सभी सांसद अपने दौरे के दौरान संबंधित देश को बताएंगे कि पाक के खिलाफ भारत ने अपना बदला हुआ दृष्टिकोण उजागर किया है। भारत सीमा पार से पैदा होने वाले खतरे को लेकर उदासीन रहने के बजाए प्रो-सक्रिय रवैया अपनाएगा और आतंकी हमलावरों को पहले ही निष्क्रय करेगा।

केंद्र सरकार के निर्णय की कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने तारीफ की

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने मीडिया से बात करते हुए, कहा, यह एक अच्छा प्रयास है और सरकार दुनिया को जागरूक करना चाहती है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' क्यों हुआ। भारत किस तरह से आतंकवाद से ग्रसित है और हमने ऑपरेशन के जरिए, सिर्फ आतंकियों को निशाना बनाया। ये प्रतिनिधिमंडल विदेश जाकर भारत का पक्ष रखेगा और मुझे लगता है कि इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा सवाल है कि कश्मीरी पंडितों को जिस तरीके से कश्मीर में आतंकित करके बाहर निकाला गया, इस पर चर्चा क्यों नहीं होती? यहां सिर्फ 'ऑपरेशन सिंदूर' की बात होती है, मगर जब तक कश्मीरी पंडितों को उनके घर वापस नहीं भेजा जाएगा, तब तक वहां ऐसा ही होता रहेगा।

खास खबर

कन्नड़ लेखिका बानू मुश्ताक की लघु कहानी हार्ट लैंप को मिला बुकर अवॉर्ड

नई दिल्ली। कन्नड़ लेखिका बानू मुश्ताक की लघु कहानी हार्ट लैंप को अंतर्राष्ट्रीय बुकर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उनकी इस किताब का अंग्रेजी अनुवाद दीपा भस्थी ने किया है। बानू की हार्ट लैंप अब लंदन के मशहूर जीबीपी 50,000 में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली पहली कन्नड़ किताब बन गई है। बुकर पुरस्कार मिलने से खुशी जाहिर करते हुए बानू ने कहा कि यह एक ही आकाश को रोशन करने वाले हजारों जुगनू जैसा है...पूरी तरह से शानदार और सामूहिक है।

कर्नाटक की मशहूर कन्नड़ लेखिका, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता 77 साल की बानू मुश्ताक अपने महिला केंद्रित साहित्य के लिए जानी जाती हैं। हार्ट लैंप के पहले भी उनकी कई रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। इतना ही नहीं वह कई बार कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार भी जीत चुकी हैं। बानू को लेखिका के अलावा महिला अधिकारों की वकालत करने और भेदभाव पर सवाल उठाने के उनके कानूनी काम के लिए, जाना जाता है।

अमृतपाल सिंह पर तीसरी बार एनएसए

चंडीगढ़। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह पर तीसरी बार लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। इसके लिए परिवार की ओर से तैयारियां कर ली गई हैं। परिवार का तर्क है कि साजिश के तहत अमृतपाल सिंह को जेल से बाहर नहीं आने दिया जा रहा है। अमृतपाल सिंह की बढ़ती लोकप्रियता से सभी पार्टियां चिंतित हैं। उनके सभी साथियों से एनएसए हटा लिया गया है। इन सभी को पिछले महिने ही पंजाब लाया गया था। साथ ही अब उन पर कानूनी मामले भी चल रहे हैं।

अंबाला डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

अंबाला। हरियाणा के अंबाला डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद डीसी ऑफिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह धमकी सुबह आधिकारिक ईमेल के द्वारा मिली थी। वहीं, पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है। डीसी अंबाला ने बताया कि बुधवार सुबह डिप्टी कमिश्नर अंबाला के आधिकारिक ईमेल पर मेल आया जिसमें अंबाला के डीसी ऑफिस को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद डीसी की ओर से मामले में पुलिस को शिकायत दी गई। इस दौरान पुलिस टीम के साथ बम निरोधक दस्ता भी डीसी ऑफिस पहुंचा और जांच की। लेकिन उन्हें ऐसा कोई सामान नहीं मिला जिससे शक हो सके।

भाजपा विधायक ने किया सरेंडर

झालावाड़। राजस्थान के अंता (बारां) से भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा ने आज ट्रायल कोर्ट में सरेंडर किया। मीणा को 20 साल पुराने केस में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचे विधायक नारा लगाने पर अपने ही समर्थकों पर भड़क गए। इसके बाद गुस्से कोर्ट के अंदर चले गए। यहां से उन्हें अकलेरा (झालावाड़) जेल में भेज दिया गया है। दरअसल, 7 मई को कंवरलाल की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया था। उन्हें दो सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने के आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद ट्रायल कोर्ट ने 9 मई को गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

पाकिस्तान कर रहा दुनियां को गुमराह

बलूचिस्तान स्कूल बस विस्फोट के आरोपों को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। बलूचिस्तान के खुज़दार शहर में हुए दर्दनाक स्कूल बस विस्फोट को लेकर पाकिस्तान द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों को भारत सरकार ने सिरे से खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद और राजनीति प्रेरित बताया है। भारत ने साफ किया कि यह पाकिस्तान की एक और नाकाम कोशिश है दुनिया को गुमराह करने की।

इस संबंध में विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि इस प्रकार के आरोप पाकिस्तान की उस रणनीति का हिस्सा हैं, जिसमें वह अपनी आंतरिक विफलताओं और आतंकवाद समर्थक छवि से ध्यान भटकाने के लिए भारत पर उंगली उठाता है।

दरअसल, बुधवार सुबह बलूचिस्तान के खुज़दार शहर में आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्रों को ले जा रही बस को एक संदिग्ध आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी से टक्कर मार दी थी, जिससे जोरदार धमाका हुआ। इस हमले में पांच लोगों की जान चली गई, जिनमें तीन बच्चे शामिल थे, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत खुज़दार में हुए इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे को लेकर पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को सिरे से खारिज करता है। भारत इस हमले में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। लेकिन पाकिस्तान की यह आदत बन चुकी है कि वह अपनी आतंकवाद समर्थक नीति और आंतरिक अव्यवस्थाओं से ध्यान हटाने के लिए बार-बार भारत पर झूठे आरोप लगाता है। उन्होंने आगे कहा, कि दुनिया को गुमराह करने का यह प्रयास पहले की तरह इस बार भी नाकाम होगा।

पाकिस्तान ने कहा- भारत की संलिप्तता की जांच चल रही

गौरतलब है कि पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने दावा किया है कि इस हमले में किसी विदेशी हाथ विशेषकर भारत की कथित संलिप्तता की जांच की जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने भारत पर इस प्रकार के आरोप लगाए हैं। भारत पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है।

उधर, अंतराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान पर बार-बार यह आरोप लगता रहा है कि वह सीमा पार आतंकवाद को संरक्षण देता है और आतंकी संगठनों को अपने राज्यतंत्र से समर्थन प्रदान करता है।

कोलकाता के आसमान में संदिग्ध ड्रोन के मंडराने से हड़कंप

ममता सरकार से केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

कोलकाता। कोलकाता के आसमान में 8-10 संदिग्ध ड्रोन के मंडराने से हड़कंप मच गया। ये संदिग्ध ड्रोन हेस्टिंग्स, विद्यासागर सेतु, फोर्ट विलियम और पार्क सर्कस जैसे संवेदनशील इलाकों के ऊपर दिखाई दिए।

मामले की गंभीरता को देखकर कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस जासूसी सहित हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है। पुलिस अधिकारी ने बताया, इन ड्रोन जैसे ऑब्जेक्ट्स को सबसे पहले हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने देखा। ये संदिग्ध ड्रोन दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला की दिशा से आते हुए दिखाई दिए। ये हेस्टिंग्स क्षेत्र, सेकेंड हुगली ब्रिज (विद्यासागर सेतु) और फोर्ट विलियम (सेना के पूर्वी कमांड मुख्यालय) के ऊपर मंडराते दिखाई दिए। इसके बाद इन्हें पार्क सर्कस इलाके में भी देखा गया, जिसके बाद ये गायब हो गए।

राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना पर केंद्र सरकार ने भी रिपोर्ट तलब की है। मामले को लेकर रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी किया है। पूर्वी कमांड ने कहा, हमें मीडिया से कुछ जानकारी मिली है कि आसमान में ड्रोन गतिविधि देखी गई है। हम इस जानकारी की सत्यता की जांच कर रहे हैं।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार दूसरे दिन सुनवाई, केंद्र बोला

सरकारी जमीन पर किसी का हक नहीं

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हो रही है। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो वक्फ बाय यूजर के आधार पर ही क्यों न हो।

सॉलिसिटर जनरल मेहता के मुताबिक अगर कोई जमीन सरकारी है तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वह उसे वापस ले ले, भले ही उसे वक्फ घोषित कर दिया गया हो। किसी भी प्रभावित पक्ष ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया। किसी ने भी ये नहीं कहा कि संसद के पास इस कानून को पारित करने का अधिकार नहीं है। सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, इस पर कोई विवाद नहीं है, लेकिन वक्फ इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। जब तक यह साबित न हो जाए, बाकी तर्क विफल हो जाते हैं।

सिर्फ 5 याचिकाओं पर सुनवाई हो रही

वक्फ कानून के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच सुनवाई कर रही है। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल पैरवी कर रहे हैं। मेहता ने कहा था, सुनवाई उन तीन मुद्दों पर हो, जिन पर जवाब दाखिल किए हैं। नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सिर्फ 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई कर रहा है। इसमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल है।

हमने बिना सोचे-समझे बिल नहीं बनाया

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जहां मंत्रालय ने एक बिल बनाया और बिना सोच-विचार के वोटिंग कर दी गई हो। कुछ याचिकाकर्ता पूरे मुस्लिम समुदाय की ओर से नहीं बोल सकते। आपके पास जो याचिकाएं आई हैं, वे ऐसे लोगों ने दायर की हैं जो सीधे इस कानून से प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसी ने यह नहीं कहा कि संसद को यह कानून बनाने का अधिकार नहीं था।

लोक गायिका नेहा राठौर पर एफआईआर दर्ज

वाराणसी,। लोक गायिका नेहा राठौर जो हमेशा बीजेपी और सरकार पर गाने के अंदाज में तंज कसती रहती हैं अब उनके खिलाफ वाराणसी में एफआईआर दर्ज की गई है। हाल ही में नेहा राठौर ने पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर काशी में नेहा के खिलाफ लोगों में आक्रोश है। गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ हिंदू संगठनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक लोगों का कहना है कि नेहा राठौर के अनर्गल बयान से देश के लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं। नेहा के वीडियो पाकिस्तान की मीडिया और टेलीविजन पर लगातार चलाए जा रहे हैं, जिससे काशी के लोगों में गुस्सा है।

65 साल के आरोपी को जमानत दे, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दुख होता है इस तरह के मामलों के लिए यहां आना पड़ता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आपसी लेनदेन के धोखाधड़ी के मामले में 65 साल के आरोपी को जमानत देकर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मामलों में भी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट तक आना पड़ता हैं।

दरअसल, हाईकोर्ट ने आरोपी राधेश्याम शर्मा की जमानत याचिका को खारिज किया था। इसके बाद आरोपी शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। इस पर सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय एस ओका और उज्जवल भुयान की अदालत ने कहा कि आरोपी पर जो आरोप है, उनका ट्रायल मजिस्ट्रेट कोर्ट को करना है।

इस मामले में चार्जशीट पेश हो चुकी हैं। आरोपी बीते 7 महीने से जेल में बंद हैं। वह 65 साल का बुजुर्ग हैं और 50 प्रतिशत दृष्टिबाधित हैं। लेकिन, दुख इसबात का हैं कि इस तरह के मामलों में भी जमानत लेने के लिए, सुप्रीम कोर्ट तक आना पड़ता हैं।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि आरोपी के खिलाफ परिवादी ने प्लॉट की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। आरोपी 1 अक्टूबर 2024 से जेल में हैं। मामले में चालान भी पेश हो चुका हैं। लेकिन, राजस्थान हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत नहीं दी। इसके बाद हमने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख और अर्नब गोस्वामी पर एफआईआर

-झूठी जानकारी फैलाने का आरोप

बेंगलुरु। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और रिपब्लिक टीवी के जर्नलिस्ट अर्नब गोस्वामी के खिलाफ कांग्रेस ने एफआईआर की है। दोनों पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप है।

अमित मालवीय ने 17 मई को एक्स पर अर्नब गोस्वामी एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो बता रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी का तुर्किये में रजिस्टर्ड ऑफिस है। मालवीय ने लिखा- राहुल गांधी को बताना चाहिए कि ऐसा करने की जरूरत क्यों पड़ी। यह हैरान और समझ से बाहर का मामला है। देश को इसका सच जानने का हक है। इसी वीडियो को लेकर शिकायत में कहा गया है कि ऐसा सोची-समझी रणनीति के तहत देश की जनता को गुमराह और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के लिए किया गया है। यह लोगों की भावनाओं को भड़काने, देश की सुरक्षा और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है।

भारत सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को 24 घंटे में भारत छोड़ने के आदेश दिए

नई दिल्ली। भारत सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अवांछित घोषित कर 24 घंटे में भारत छोड़ने के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान उच्चायोग को इससे जुड़ा आपत्तिपत्र भी सौंपा गया। उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और स्थिति का दुरुपयोग न करें। बता दें कि अवांछित घोषित करना वह स्थिति होती है जिसमें उसे तुरंत देश से निकल जाने के लिए कहा जाता है। कूटनीतिक स्तर पर यह बहुत गंभीर प्रतिक्रिया मानी जाती है। भारत ने ये कदम ऐसे समय में उठाया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

इससे पहले 13 मई को भी भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप काम नहीं करने की वजह से निष्कासित कर दिया था। अधिकारी को भारत छोड़ने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया था।

पूजा को जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

सब कुछ खो दिया है, अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी

नई दिल्ली। विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अग्रिम जमानत दी। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने पूजा को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूजा ने कौन सा बड़ा अपराध किया। वह कोई ड्रग माफिया या आतंकवादी नहीं है। उन पर हत्या (धारा 302) का आरोप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपके पास कोई सिस्टम या सॉफ्टवेयर होना चाहिए, जिससे इस तरह की जांच समय पर हो। पूजा ने सब कुछ खो दिया है, अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले ही जमानत देनी चाहिए थी। दिल्ली पुलिस के वकील ने जमानत का विरोध कर कहा कि पूजा जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं।

नौसेना को फटकार सुप्रीम कोर्ट ने कहा

अपना अहंकार त्याग दें और महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन दें

नई दिल्ली,। सुप्रीम कोर्ट ने नौसेना को उसकी एक महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन नहीं देने के लिए जमकर फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने नेवी अधिकारियों से कहा, आप बहुत हुआ है, वे अपना अहंकार त्याग दें और अपने तौर-तरीके सुधारें।

दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच 2007 बैच की शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी सीमा चौधरी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्हें कोर्ट के आदेश के बावजूद स्थायी कमीशन नहीं मिला था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने अधिकारियों से पूछा कि क्या संबंधित अधिकारी सोचते हैं कि वे अदालत के आदेशों को दबा सकते हैं। आप किस तरह की अनुशासित फौज हैं। हम आपको महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन देने के लिए एक हफ्ता का समय देते हैं, गर्मी की छुट्टियों के बाद मामले की जानकारी कोर्ट को दें।

दरअसल सीमा चौधरी को 6 अगस्त 2007 को भारतीय नौसेना की जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) ब्रांच में एसएससी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 2009 में लेफ्टिनेंट और 2012 में लेफ्टिनेंट कमांडर पद पर प्रमोट किया गया। 2016 और 2018 में दो-दो साल का सेवा विस्तार मिला था। 5 अगस्त 2020 को उन्हें बताया गया था कि 5 अगस्त 2021 से उनकी सेवा समाप्त मानी जाएगी। इस आदेश के खिलाफ सीमा सुप्रीम कोर्ट पहुंची, उन्होंने अपील की थी कि उन्हें स्थायी कमीशन नहीं मिला, जबकि वे सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं। 26 फरवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने सीमा चौधरी की रिव्यू याचिका पर फैसला देकर कहा था कि उनका मामला स्टैंडअलोन बेसिस पर देखा जाना चाहिए।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली से श्रीनगर जा रहा था विमान, अगला हिस्सा टूटा; सभी यात्री सुरक्षित

श्रीनगर। नई दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की एक उड़ान में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब खराब मौसम के कारण उड़ान बीच हवा में हिचकोले खाने लगी। हालांकि, पायलट ने सूझबूझ से स्थिति को नियंत्रित किया और श्रीनगर हवाई अड्डे पर सुरक्षित आपात लैंडिंग की। इस उड़ान में 220 से ज्यादा यात्री सवार थे।

भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई2142 को ओलावृष्टि के कारण टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। टर्बुलेंस का मतलब हलचल से है। इस स्थिति में उड़ान हिचकोले खाने लगती है और ऐसे में कई बार उड़ान अपनी ऊंचाई से कुछ फीट नीचे भी आ जाती है। उन्होंने बताया कि पायलट ने श्रीनगर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को आपात स्थिति की सूचना दी और विमान शाम 6.30 बजे श्रीनगर में सुरक्षित उतर गया। चालक दल के साथ-साथ उड़ान में सवार सभी 227 यात्री सुरक्षित हैं।

उधर, एयरलाइन ने विमान को एओजी घोषित कर दिया है। एओजी यानी एयरक्राफ्ट ऑन ग्राउंड का मतलब ऐसे विमान से है जो तकनीकी समस्याओं के कारण उड़ान भरने में असमर्थ है।

अधूरी नाली और अधूरे नाला निर्माण को लेकर वार्डवासी पहुंचे नगर पालिका सांसद को सुनाई अपनी व्यथा

कहा नहीं सुन रहा पार्षद ,नहीं सुन रही नगर पालिका, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। शहर के वार्ड क्रमांक 13 सागौन वन के रहवासियों ने नगर पालिका पहुंचकर अपनी व्यथा बालाघाट सिवनी सांसद को सुनाई , पहले वार्ड की समस्या को लेकर वार्डवासी दूरभाष पर ही पार्षद और नगर पालिका में बैठे जिम्मेदारों से चर्चा कर लेते थे, किंतु वार्ड क्रमांक 13 सागौन वन के वार्ड वासियों की समस्या इतनी अधिक बढ़ गई कि उन्हें घर से निकल कर नगर पालिका आना पड़ा, समस्या सिर्फ मूलभूत सुविधाओं को लेकर ही है वार्ड वासियों का कहना है कि उनकी ज्यादा बड़ी मांगे नहीं है । वह सिर्फ पानी की निकासी के लिए, पक्की नाली और नाले का निर्माण की मांग कर रहे हैं , आज वार्ड में पक्की नाली नहीं होने के कारण उन्हें घरों से निकलने वाले गंदे पानी के लिए समस्या आ रही है, उन्होंने अपनी व्यथा सांसद को बताई और समस्या जल्द से जल्द निराकरण करने की मांग की है।

आपको बता दे कि नगर पालिका, नागरिकों की समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही है, गर्मी में, वार्ड के नागरिक पेयजल की आपूर्ति से तो जूझ ही रहे है, वहीं गत मंगलवार को आधा घंटे की तेज बारिश से ही पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जलभराव जैसे हालत पैदा हो गए। जिससे परेशान, नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 सागौन वन के रहवासियों ने बुधवार को नगरपालिका पहुंचे और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान, वार्डवासियों ने सांसद भारती पारधी को भी अपनी समस्या बताई। जिस पर सांसद ने भरोसा दिलाया है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेकर नगरपालिका को समस्या निराकरण करने के लिए निर्देशित किया जाएगा। सागौन वन के रहवासियों की समस्या यह है कि यहां बारिश और अन्य पानी के निकासी के लिए बने नाला को बंद कर दिया गया है, रहवासी नाला खोलने कह रहे है, रहवासी बताते है कि, पानी निकासी के लिए जो नाली भी बनाई जा रही थी, वह अधूरी है। जिसके कारण, पानी की निकासी नहीं हो पा रही है और पानी रहवासी क्षेत्र में जमा हो रहा है। जिससे बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। स्थिति पेयजल को लेकर भी है, लेकिन हर बार की तरह, इस बार भी पेयजल सप्लाई के जिम्मेदारों का कहना है कि फ्लो नहीं होने के कारण दिक्कत हो रही है और जल्द ही उसे दुरूस्त कर दिया जाएगा।

यह समस्या दो सालों से बनी हुई है – रजनी पटेल

रहवासी रजनी पटेल बताती है कि नाला बंद होने और नाली का अधूरा निर्माण होने से मंगलवार को हुई बारिश के कारण, घर के आसपास जलभराव हो गया था। जिससे खासी परेशानी उठानी पड़ी। उन्होंने बताया कि यह समस्या आज की नहीं है यह समस्या दो सालों से बनी हुई है। जिसका निराकरण आज तक नहीं किया गया है पानी भर जाने के कारण उनके घरों में जहरीले जीव जंतु भी आ रहे हैं जिससे छोटे बच्चों को नुकसान हो सकता है वार्ड पार्षद को भी उन्होंने इस बात की समस्या बताई थी उन्होंने भी आकर देख कर चले गए लेकिन समस्या जैसी की वैसी आज बनी हुई है उन्होंने कहा कि नल और नाले के अधूरे निर्माण के कारण आज समस्या और बढ़ते जा रही है ।

ना तो पार्षद सुन रहा है और ना ही नगर पालिका– अनिता पारधी

महिला अनिता पारधी बताती है कि नई पाईप लाईन का कनेक्शन लिया है, लेकिन, पानी नहीं आ रहा है। नाला बंद है और नाली को अधूरा छो ? दिया गया है। ना तो पार्षद सुन रहा है और ना ही नगरपालिका, तो जाए तो जाए कहां। उन्होंने यह भी बताया कि आज वह अपनी समस्या को लेकर वार्ड पार्षद के साथ–साथ नगर पालिका की जिम्मेदारों को भी बता रहे हैं लेकिन कोई भी उनकी समस्या को सुन नहीं रहा है ऐसी स्थिति में वह कैसा करें इस बात की उन्हें चिंता सता रही है क्योंकि आज उनकी सुनवाई कहीं भी नहीं हो रही है उन्होंने कहा कि आगामी समय में बरसात का समय आने वाला है और यदि नाले को खुला नहीं गया तो वार्ड में जल भराव जैसे हालात बन जाएंगे इसलिए वह नगर पालिका से एक ही मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द वार्ड के बंद नाले को खोल दिया जाए।

अधूरे निर्माण के कारण आज नालियों में पानी भर गया है – विमला

वार्ड नंबर 13 से पहुंची विमला सेंडे बताती है कि वार्ड में 5 से 6 नालियां बनी है और वह अधूरे निर्माण के कारण आज नालियों में पानी भर गया है । पानी की निकासी नहीं हो रही है और वार्ड का नाला भी इतना बड़ा है कि उसमें यदि छोटे बच्चे गिर जाए तो कोई भी बड़ा हादसा वार्ड में हो सकता है। जबकि नगर पालिका द्वारा कहा जा रहा था कि वार्ड में नाले और नालियों के कार्य के लिए मशीन भेजी जाएगी , लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित शिकायत के साथ–साथ स्वयं वार्डवासियों के साथ नगर पालिका में जा कर भी शिकायत लिखवाई है। लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन ही दिया गया था की काम हो जायेगां लेकिन अभी तक कोई भी नगर पालिका का संबंधित वार्ड में नहीं पहुंचा ,उनका मानना है कि यदि स्थिति ऐसी ही रही तो वार्ड में कोई भी बड़ी घटना बरसात के समय पानी भरने की वजह से हो सकती है ।

बिजली विभाग ने लांच किया विद्युत मित्र एप

एप्प के माध्यम से विद्युत चोरी की सूचना देकर पायी जा सकती है 50 हजार तक कि इनामी राशि

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा विद्युत मित्र एप लांच किया गया है। जिसे कि गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। अधीक्षण अभियंता श्री दीपक कुमार उइके ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि इस विद्युत मित्र एप के अनेक फायदे हैं। विद्युत मित्र एप के माध्यम से हो रही, विद्युत चोरी की सूचना देकर 50 हजार रुपये तक ईनाम प्राप्त किया जा सकता है। जो कि उनके खाते में सीधे प्राप्त होगा जिसमें विद्युत की चोरी की सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जायेगा। श्री उइके ने बताया है कि विद्युत चोरी की शिकायतें कॉल सेन्टर 1912 पर करने पर विद्युत एप की सहायता से शिकायत की स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही उपभोक्ता विद्युत मित्र एप की सहायता से गुगल मैप पर अपने पास स्थित संपूर्ण विद्युत कनेक्शनों की जानकारी एवं उसका संपूर्ण विवरण भी देख सकते हैं। इस एप के माध्यम से विद्युत उपयोगकर्ता का कनेक्शन है अथवा नहीं है, यह भी देखा जा सकता है। कनेक्शन नहीं पाये जाने पर उसकी सूचना विद्युत मित्र एप की सहायता से दी जा सकती है।

कार्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा जिला बालाघाट (म. प्र.)

रोगी कल्याण समिति – लालबर्रा

नीलामी सूचना

समस्त कृषक एवं ग्रामीणों को सूचित किया जाता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा को दानदाता स्व. श्रीमती कस्तूराबाई जैन पति स्व. श्री बृजलाल जैन द्वारा ग्राम बकोड़ा में कृषि भूमि (12.09 एकड़) दान की गई है जिसमें धान, तुअर, लखोड़ी, अलसी एवं चना की खेती की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में उक्त कृषि भूमि पर कृषि कार्य हेतु नीलामी की कार्यवाही दिनांक 28.05.2025 दिन बुधवार को प्रात: 11 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के सभा कक्ष में किया जाना है।

अत: कृषि कार्य हेतु बोली लगाने के इ'छुक व्यक्ति निर्धारित समय पर बोली स्थल पर उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते हैं। नीलामी बोली से संबंधित नियम एवं शर्तों में समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

डॉ. ऋत्विक पटेल
खंड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)।

कार्यालय ग्राम पंचायत अमोली जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

क्रमांक /क्यू दिनांक 21.05.2025

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत अमोली में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा, पंच परमेश्वर, पांचवां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, स्वकराधान मद, स्व%छ भारत अभियान, विधायक–सांसद निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 22/05/2025 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत अमोली में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

सामग्री– सीमेंट, लोहा, गिट्टी, सीमेंट पाइप, लोहा पाइप, टीन, मिट्टी, मुरम, रेत, ईट, मिक्कर मशीन, वाइब्रेटर मशीन, पॉलीथीन, थर्माकॉल, रोलर, वॉशबेसिन नल सहित, पेंटिंग कार्य, गट्टू (पेपर ब्लॉक), नल जल योजना हेतु पाइप, टीव्ही, टाईल्स, कुर्सी, टेबल, स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री, वाटर हारवेस्टिंग से संबंधित सामग्री, एसीसी एस्बेस्टस चादर (छत), पी.वी.सी पाइप 10 फीट, एंगल नट बोल्ट सहित, सेंट्रिंग, तार, खीला, आईल, पेंट, दरी, आलमारी, कूलर, लैपटाप, कम्प्युटर सामग्री, टंकी, स्टेशनरी क्रय, नल–जल संधारण की सामग्री, पौधा क्रय, पंडाल व्यवस्था, मिष्ठान, जेसीबी मशीन, ट्रेक्टर ट्राली, परिवहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं।

श्रीमती सुखवन समनपुरे–सरपंच, अफसर कुरैशी–उपसरपंच, राजेश मेश्राम– सचिव,राजेश पंचेश्वर–रोजगार सहायक एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत अमोली (लालबर्रा)।

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर में समर कैंप का समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर में समर कैम्प का बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद बैहर की पूर्व पार्षद सुश्री कीर्ति शुक्ला जी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में मां सरस्वती की पूजा अर्चन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समर कैंप का आयोजन 1 से 21 मई तक किया गया था, जिसमें छात्राओं को विभिन्न कौशलों में निपुण कराने के लिए शैक्षणिक और पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया गया था। समर कैंप की थीम रही भावनाओं की समझ आत्मविश्वास की राह, कला कौशल और कारोबार, फिट फॉर लाइफ और आज के सपने कल की उड़ान।

गतिविधियों और पुरस्कार का विवरण

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ चित्रकला, नृत्य कला, कविता और कहानी लेखन, क्ले आर्ट, कंप्यूटर शिक्षण, योग और ध्यान, और विभिन्न प्रकार के खेलकूद का प्रशिक्षण दिया गया। समापन कार्यक्रम में नृत्य, गीत और नाटक की रंगारंग प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर छात्राओं को उनके उत्साह और प्रतिभा के लिए अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

16 वर्षीय लड़की की सांप के काटने से मौत

मलाजखंड थाने के ग्राम बाहकल की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बाहकल में एक 16 वर्षीय लड़की महिमा पिता जगत कावरे की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। बीती रात यह घटना उस समय हुई जब यह लड़की अपनी दो बहन के साथ में अपने घर में नीचे सो रही थी। मलाजखंड पुलिस ने इस लड़की का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जगत कावरे बाहकल निवासी खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी और आठ बेटियां हैं। जिनमे गरिमा कावरे छोटी थी। जगत कावरे की पांच बेटियों की शादी हो चुकी है।। गरिमा ने इस वर्ष कक्षा दसवीं की परीक्षा दी थी और वह इस परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुकी थी। 20 मई की रात्रि में गरिमा ने अपने परिवार के साथ खाना खाई और अपने दो बहनों के साथ घर के अंदर नीचे सो गई थी। रात्रि 2:00 बजे करीब किसी जहरीले सांप ने गरिमा के गले में काट दिया था ।जिससे उसे चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो चुकी थी। गरिमा को परिवार के लोगों ने तुरंत बिरसा के अस्पताल ले गए किंतु डॉक्टर ने। गरिमा कोई मृत घोषित कर दिए ।गरिमा की अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। 21 मई को मलाजखंड पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक रतन सोनवाने ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर मृतिका गरिमा का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

आवश्यकता है
- वार्ड ब्वॉय - 01 पद
- नर्स - 01 पद

वेतन-योग्यतानुसार
सेठिया ऑई केयर एंड पैथोलॉजी
हनुमान चौक, बालाघाट

श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में प्रवेश के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अन्तर्गत श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश के लिए जनपद पंचायत बालाघाट के सभाकक्ष में 20 मई को आईटीआई में प्रवेश संबंधी प्रचार–प्रसार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमे श्रमोदय आईटीआई से प्रशिक्षण अधिकारी प्रवीण तिवारी एवं श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक सुनील यादव, वंदना उइके एवं योजनान्तर्गत पंजिकृत निर्माण श्रमिक उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि पंजीकृत श्रमिकों एवं आश्रितो के लिए श्रमोदय आईटीआई मुंगलिया छाप निलबड भोपाल में संचालित की जा रही है। जिसमें कक्षा आठवी एवं दसवी से उत्तीण श्रमिकों एवं उनके आश्रितो के लिए संचालित ट्रेड 1–फैसन डिजाइनिंग एवं टेक्नालॉजी 2– इन्टीरियर डिजाइन एवं डेकोरेशन 3 आईओटी टेक्नीशियन 4– वेल्डर (1–4 एक वर्षीय पाठ्यकम है) एवं 5 एडवांस सीएनसी मशीनिंग टेक्नीशियन मेकाट्रानिक्स 6– इलेक्ट्रीशियन 7– सिविल इंजिनियरिंग असिस्टेन्ट (5–7 दो वर्षीय पाठ्यकम) है। प्रवेश प्रक्रिया कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी एवं नये सत्र के लिए आवेदक www.dsd.mp.gov.in के माध्यम से 31 मई 2025 तक आवेदन कर सकते है।

5 सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री एमबी ओझा ने जिले की 5 सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किये है। उन्होंने प्राथमिक शिवशक्ति मछुआ सहकारी समिति मर्या. लालपुर के लिए उप अंकेक्षक हर्षित भलावी, तिलपेवाड़ा के लिए उप अकेंक्षक दिनेश सलामें,नगरवाड़ा के लिए वनपाल रोशनलाल पडवार,सावरझोड़ी के लिए उप वनक्षेत्रपाल नरेंद्र कुमार बंसोड़, लामता के लिए वनपाल विजय कुमार को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री ओझा द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार प्रारंभिक 5 समितियों में सदस्यता सूची प्रकाशित करने की तारीख 28 मई, प्रकाशित सदस्यता सूची पर आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तारीख 4 जून, सदस्यता सूची पर प्राप्त आपत्तियों के निराकरण की तारीख की 5 जून, अंतिम सदस्यता सूची के प्रकाशन की तारीख 5 जून, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरुद्ध अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने की तारीख 9 से 11 जून, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरुद्ध अपील प्राप्त होने की स्थिति में अपील के निराकरण की अंतिम तारीख 18 जून, राज्य सहकारी निर्वाचन अधिकारी को अंतिम सूची प्राप्त करने की तारीख 23 जून को सम्पन्न किया जाएगा।

पीएम श्री बालाघाट में समर कैम्प का हुआ समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री कन्या महाविद्यालय बालाघाट में मंगलवार को ग्रीष्मकालीन समर कैंप समारोह का समापन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यकम बतौर मुख्य अतिथि सभापति शिक्षा समिति श्री उज्जवल आमाडारे नगर पालिका नपा बालाघाट तथा प्राचार्य श्री एस के तूरकर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। साथ ही उपस्थित विद्यार्थियों को ग्रीष्म अवकाश में भिन्न भिन्न कलाएं जो कैंप में सीखी गई उनकी पुनरावृत्ति करने के निर्देश दिए गए। समर कैंप प्रभारी श्रीमति सीमा धुआरे द्वारा सभी गतिविधियों की प्रदर्शनी दिखाई गई। साथ ही सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पारितोषिक भेंट दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ शिक्षिका गायत्री पटले द्वारा किया गया। इस दौरान संस्था के शिक्षकों में श्रीमती रजनी चौहान, पी पिछोडे, विनय मिश्रा, अशोक गुप्ता तथा प्रशिक्षक प्रज्ञा हरिनखेड़े, चेतना पारधी आदि उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन की बैठक 23 मई को होगी आयोजित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए पूर्व तैयारियों के संबंध में 23 मई को आपदा प्रबंधन की बैठक कलेक्ट्रेड कार्यालय के सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में विभागवार चैकलिस्ट पर आवश्यक कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण करने तथा अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी के संबंध में चर्चा की जाएगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क./0003/ड–154/वर्ष 2025–26
साकिन:– निमदेवाडा प.ह.नं.. 26
रा.नि.म. माटे तहसील किरनापुर

समाचार–पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामचन्द्र पिता महारू जाति मरार निवासी ग्राम निमदेवाडा तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपने पिताजी चम्हारू पिता छोटी की मृत्यु दिनांक 25/08/2001 को मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात् पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 22/05/2025 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेंगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तह.किरनापुर जिला बालाघाट(म.प्र.)

विक्रय/किराये से देना है

श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है
-संपर्क-
8817024586, 9201340520

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है, 25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हम अपनी जान दे देंगे लेकिन विस्थापित नहीं होंगे?

ग्राम छोटी कुम्हारी के ग्रामीणों को सता रह विस्थापन का डर, एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर सौपा ज्ञापन , आवास टोला से विस्थापित नहीं किए जाने की लगाई गुहार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम छोटी कुम्हारी के ग्रामीणों को अब विस्थापन का डर सताने लगा है।शायद यही वजह है कि ग्राम छोटी कुम्हारी वार्ड नंबर 20 आवास टोला के ग्रामीण इन दिनों विस्थापन के डर से शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए मजबूर है। बताया जा रहा है कि पिछले 20-30 वर्षो से 30 से अधिक परिवार आवास टोला पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में मकान व झोपड़ी बनाकर निवास कर रहे हैं। लेकिन जिस जमीन पर उन्होंने अपने मकान व झोपड़ी बनाई हैं वह भूमि चारागाह की भूमि है। जहां गांव में चारागाह की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग को लेकर गांव के ही कुछ ग्रामीणों ने प्रशासन व सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी। जिनकी शिकायत के आधार पर पटवारी द्वारा गांव पहुंचकर चारागाह की भूमि का नापझौक किया गया है।इस दौरान पटवारी ने जो पंचनामा बनाया है उसमें चारागाह की भूमि पर कुछ लोगों के मकान होना उल्लेखित किया है। जिसके बाद से ही ग्रामीणों को उक्त भूमि से बेदखली का डर सताने लगा है।जहां ग्रामीण इतने अधिक खौफजदा है कि बिना किसी नोटिस या बिना बेदखली के आदेश के ही एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीण गुरुवार को तहसील कार्यालय पहुंच गए और उन्होंने आवासटोला चारागाह की भूमि पर बनाए गए मकानो व झोपड़ीयों को न हटाए जाने की मांग कि। जहां अपनी इस मांग को लेकर उन्होंने तहसीलदार को एक ज्ञापन भी सौपा है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए वे उक्त भूमि को छोड़कर कहीं और विस्थापित नहीं होंगे। उन्होंने प्रशासन द्वारा जबरदस्ती उन्हें कहीं और विस्थापित करने पर, आत्महत्या की भी चेतावनी दी है।

सड़क बिजली पानी सब चीज की सुविधा दिए, अब कही और जाकर कैसे बस जाए

ग्रामीणों का आरोप है चारागाह भूमि के अलावा उनके पास कोई दूसरी भूमि नही है।उक्त भूमि पर वे वर्षो से मकान व झोपड़े बनाकर निवास कर रहे है।उन्होंने मकान बनाने में अपना पूरा पैसा लगा दिया है।इसके अलावा पंचायत द्वारा वहां पक्की सड़क, नलजल योजना के तहत पानी, की व्यवस्था बनाई गई है।वही विघुत सुविधा भी बनाई गई।अब बरसात के पूर्व ऐनवक्त पर हमें मकान खाली करने कहा जा रहा है।हम कही और जाकर नही बसेंगे।

विस्थापन के लिए जगह भी नही दिए

ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी मैडम उनके गांव में आई थी। जगह का सीमांकन किया है पंचनामा भी बनाया गया है। जिसमें हमारे नाम का उल्लेख है । जिस जगह पर हमारे मकान बने हैं उस जगह को चारागाह की भूमि बताया जा रहा है। जबकि हम पिछले कई वर्षों से पट्टे की मांग कर रहे हैं। लेकिन हमें पट्टे देने की बजाय वहां से बेदखल करने का काम किया जा रहा है। कभी बोलते हैं कि यहां से हटो तालाब के तरफ जाकर मकान बनाओ, कभी बोलते हैं कि कहीं और जाकर मकान बना लो। लेकिन हम यहां से कहीं जाना नहीं चाहते। जबकि प्रशासन द्वारा विस्थापन के लिए भी हमें दूसरी जगह नहीं दी गई है और ना ही विस्थापन के लिए जगह चिन्हाकित कि गई है। ऐसे में हम यह भूमि छोड़कर कहां जाए यह चिंता सता रही है। हमारी मांग है कि हमे सर्व सुविधा युक्त इस भूमि से विस्थापित ना किया जाए और जिस जगह पर जो बसे है उन्हें उस जगह का पट्टा जारी किया जाए। ताकि हमें भी प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके।

मद परिवर्तन कर घोषित की जाए आबादी भूमि

ग्रामीणों का आरोप है कि वे लोग जिस जगह पर रह रहे हैं। वहां सड़क, बिजली ,पानी, नाली सभी प्रकार की सुविधा है। वे 25- 30 वर्षो से उक्त स्थान पर मकान व झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं। ऐसे में उन्हें उक्त स्थान से बेदखल किया जाना गलत है। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस भूमि पर रहने के लिए उन्होंने झोपड़ी व मकान बनाए हैं वह जमीन छोटे जंगल व चारागाह की भूमि है। उक्त भूमि का मद परिवर्तन कर उस भूमि को आबादी भूमि घोषित कर उन्हें उसके पट्टे दिए जाने चाहिए।ताकि ग्रामीण उक्त स्थान पर अपनी जिंदगी गुजर बसर कर सके वहीं उन्हें कोई दूसरा हटाने ना आए।

चाहे कुछ भी हो जाए हम यह जगह छोड़कर कहीं और नहीं जाएंगे- सुनीता

ग्रामीणों के साथ तहसील कार्यालय पहुंची ग्राम छोटी कुम्हारी आवास टोला निवासी बुजुर्ग महिला सुनीता बाई ने बताया कि अभी बारिश लगने वाली है और अधिकारी लोग मकान तोड़ने की बात कह रहे हैं। जब हम यहां मकान बना रहे थे।तब किसी ने नहीं रोका ,खाली भूमि थी तो मकान बना लिए आज छोटे-छोटे बाल बच्चों को लेकर हम कहां जाएंगे। हमारे पास कोई दूसरी जमीन भी नहीं है। चाहे कुछ भी हो जाए हम यह जगह छोड़कर कहीं और नहीं जाएंगे।

तो अपनी जीवन लीला समाप्त कर देंगे लेकिन भूमि नहीं छोड़ेंगे- कृष्णा

वहीं ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण छोटी कुम्हारी आवास टोला वार्ड नं 20 निवासी कृष्णा पाटिल ने बताया कि हमारे जिस स्थान पर मकान बने हैं उसे हटाने की जानकारी पटवारी मैडम से मिली है। जिससे हम सभी घबरा गए हैं। समझ नहीं आ रहा है कि हमें एकाएक कैसे हटाने की बात कही जा रही यही।पटवारी मैडम ने कहा है कि चारागाह की जगह है जहां बनाए गए मकान की शिकायत किसी के द्वारा की गई है।हम 25-30 वर्षो से इस भूमि पर मकान बनाकर रह रहे हैं शासन की योजना के तहत सड़क बिजली पानी नाली सभी प्रकार की सुविधा है लेकिन चारागाह की भूमि होने के चलते हमें हटाने की बात कही जा रही है । जबकि गांव में चरागाह के लिए पर्याप्त भूमि है ।अभी तक हमें ना तो पंचायत से और ना ही प्रशासनिक अधिकारी से कोई नोटिस आया है लेकिन पटवारी मैडम ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायत लगी है इसीलिए पंचनामा बनाया जा रहा है। इसके बदले में हमें जगह भी नहीं दी गई है। बोल रहे हैं कि तालाब के पास जगह है वहां जाकर मकान बना लो।लेकिन वहां पर जगह भी नहीं है, वहीं सड़क बिजली पानी नाली जैसी सुविधा भी नहीं है। इसीलिए हमारी मांग है कि हमें न हटाया जाए और हम यहां से हटना भी नहीं चाहते। यदि प्रशासन हमे जबरदस्ती बेदखल करेगा, तो हम अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेंगे।

भ्रम में जी रहे है ग्रामीण- अहिरवार

वहीं इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि किसी भी ग्रामीण को शासकीय भूमि से बेदखल नहीं किया जा रहा है।सीएम हेल्पलाइन में शिकायत लगी थी की चरागाह की भूमि पर कुछ लोगों ने कब्जा कर मकान बना लिए हैं उसी की जांच करने के लिए पटवारी ने पंचनामा बनाया है। जिसकी जानकारी शासन को भेजी जा रही है। एकाएक किसी को बेदखल नहीं किया जा सकता। ना ही उन्हें तहसील कार्यालय से किसी प्रकार का नोटिस भेजा गया है। फिर भी ग्रामीण भ्रम में जी रहे हैं और वह उक्त भूमि से न हटाए जाने की मांग कर रहे हैं। वही ज्ञापन में उन्होंने उक्त भूमि का पट्टा दिए जाने की मांग की है।लेकिन उक्त भूमि चारागाह की भूमि है और जब तक उस भूमि का मद परिवर्तन कर आबादी भूमि घोषित नहीं की जाती, तब तक पट्टे की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाएगी हमने ग्रामीणों से कहा है कि वह पंचायत से प्रस्ताव बना कर लाएं ,कोई किसी को उक्त भूमि से बेदखल नहीं कर रहा है यह ग्रामीणों का सिर्फ एक भ्रम है कि उन्हें उक्त भूमि से हटाया जा रहा है।

कोतवाली पुलिस ने दी जुआ फड़ पर दबिश

6 जुआरी गिरफ्तार-21100 रुपये, तास पत्ते जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।कोतवाली पुलिस ने नगर के वार्ड नंबर 13 बूढ़ी में जुआ के फड़ में छापा मार कार्यवाही करते हुए, वहा 6 जुआरियों को जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किये। जिनके पास से ताश के 52 पत्तों के अलावा 21100, रुपए जप्त किए हैं। सभी जुआरी बालाघाट नगर के ही। निवासी हैं जिनके विरुद्ध 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। कोतवाली पुलिस के मुताबिक 20 मई की रात्रि नगर ग्रस्त की जा रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि नगर की वार्ड नंबर 13 बूढ़ी में शिवराज पाटिल के निर्माणाधीन मकान के पास लाइट के उजाले में कुछ लोगों के द्वारा ताश के पत्तों पर रूपयो का दांव लगाकर हारजीत का जुआ खेला जा रहा है। मुखबिर द्वारा दी गई इस सूचना के आधार पर नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने अपने टीम के साथ नगर के वार्ड नंबर 13 शिवराज पाटिल के निर्माण दिन मकान के पास घेराबंदी कर जुआ के फंड में छापामार कार्रवाई की । यहां पर 6 जुआरी जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ाये। मौके से ताश के 52 पत्तों के अलावा 21100 जप्त किया गया है गिरफ्तार जुआरी जिनमे तौकीर खान 25 वर्ष वार्ड नंबर 9 नवाब नगर बालाघाट, शुभम बोरिकर 36 वर्ष वार्ड नंबर 13 बूढ़ी बालाघाट, कमल मंगलानी 25 वर्ष वार्ड नंबर 15 गौली मोहल्ला बालाघाट, अजय सिंहासने 24 वर्ष वार्ड नंबर 20 राम गली बालाघाट, राजा बाहेश्वर 26 वर्ष वार्ड नंबर 12 बूढ़ी और रामकिशोर मेहरबान 31 वर्ष वार्ड नंबर 1 बूढ़ी बालाघाट निवासी है। जिनके विरुद्ध13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत, सहायक उप निरीक्षक राजू सिंह दाहिया, प्रधान आरक्षक राजा बाबू शुक्ला, आरक्षक हेमंत बसेने, आरक्षक प्रियांक श्रीवास, आरक्षक कमल यदुवंशी, आरक्षक कमल कुमार धुर्वे सहित कोतवाली के अन्य पुलिस कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

पेयजल समस्या के साथ ही विद्युत का जिले में बढ़ा लोड

45 प्रतिशत जिले में किसानों ने लगाई अधिक रबी, अन्य जिलों की तुलना में बालाघाट जिले में हुई सबसे अधिक बिजली की खपत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। इस बार जिले में पेयजल समस्या के साथ-साथ बिजली की खपत भी अधिक हुई है । विभाग का मानना है कि बीते 5 से 6 वर्षों की तुलना यदि की जाए तो इस वर्ष डेढ़ गुना बिजली जिले में अधिक खर्च हुई है । जिसका प्रमुख कारण जिले में रबी की फसल लगाया जाना है। इस विषय को लेकर हमने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि जिले में प्रतिवर्ष रबी की फसल 30 से 40 प्रतिशत बढ़ती है और इस बार जिले के किसानों ने 45 प्रतिशत रबी की फसल अधिक लगाई थी। जिस वजह से पानी की समस्या के साथ-साथ जिले में विद्युत की समस्या भी उत्पन्न हो रही है। जबकि प्रतिवर्ष विद्युत की क्षमता जिले को उतनी ही मिल रही है। लेकिन रबी की फसल प्रतिवर्ष बढ़ाने की वजह से अब धीरे-धीरे ऊर्जा समस्या भी उत्पन्न हो रही है और ऐसा ना हो कि आने वाले वर्षों में पानी की समस्या के साथ-साथ जिले में ऊर्जा समस्या भी उत्पन्न ना हो जाए। जबकि अन्य जिलों की यदि तुलना बालाघाट जिले से की जाए तो यहां सबसे अधिक बिजली की खपत अन्य जिलों की तुलना में हुई है । आपको बता दे की जिले में इस बार अप्रैल और मई के महीने में जल संकट की समस्या जिले के अलग-अलग क्षेत्र में उत्पन्न हुई थी। जिसका प्रमुख कारण जिला प्रशासन जिले में किसानों द्वारा अधिक क्षेत्र में रबी लगाए जाने को माना जा रहा है। कई किसानों ने पानी दिए जाने को लेकर जिले के अलग-अलग क्षेत्र में पानी के लिए आंदोलन भी किया और जिला प्रशासन ने बोर आदि के खनन पर रोक भी लगा दी थी ,की कोई भी पानी की समस्या को देखते हुए अपने क्षेत्र में बोर नहीं करेगा । पानी की समस्या के साथ-साथ जिले में विद्युत का खर्च भी अधिक हुआ है । यह जानकारी विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उईके द्वारा पद्मेश न्यूज़ को दी गई है। जिसमें उन्होंने बताया कि यदि 5 से 6 वर्षों की तुलना की जाए तो जिले में प्रतिवर्ष 30 से 40 प्रतिशत रबी की फसल का रकबा जिले में बढ़ता है । इस वर्ष जिले के किसानों ने 45 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में रबी लगाई थी, जिसके कारण जल संकट उत्पन्न हुआ था , तो वहीं जिले में विद्युत का लोड भी बड़ा था। देखा जाए तो विद्युत की क्षमता प्रतिवर्ष एक समान ही होती है । रबी का एरिया बढ़ने से विद्युत खर्च अधिक हो रहा है । अन्य जिलों की यदि तुलना की जाए तो बालाघाट जिले में इस बार डेढ़ गुना विद्युत अधिक खर्च हुई है। विभागीय स्तर पर विद्युत के लोड बढ़े जाने को लेकर भी चर्चा और पत्राचार किए गए हैं। जिससे विभाग ने जिले में रबी का क्षेत्र काम करने सहित धान की फसल के अलावा अन्य पानी से कम उत्पादन वाली फसल लगाए जाने को लेकर जोर दिए जाने की भी बात कही है। विद्युत विभाग द्वारा एक विद्युत मित्र एप का भी जल्द ही लॉन्च किया जा रहा है। जिसके माध्यम से विभाग बढ़ रहे विद्युत के लोड सहित विद्युत चोरी पर लगाम लगाए जाने की भी बात कर रहे हैं। जल्द ही जिले में विभाग द्वारा एक एप लागू किया जाएगा और इस ऐप के माध्यम से विद्युत चोरी करने वालों पर विभाग कार्रवाई करेगा और इसकी जानकारी देने वाले को इनाम भी विभाग द्वारा दिया जाएगा जिसकी सारी रणनीति बना ली गई है।

अन्य जिलों की तुलना में अधिक हुआ जिले में विद्युत खर्च

विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता दीपक उईके द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया गया कि प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में यदि बालाघाट जिले की विद्युत खर्च को लेकर तुलना की जाती है तो अन्य जिलों से बालाघाट जिले में अधिक बिजली का खर्च हुआ है। जिसका प्रमुख कारण किसानों द्वारा लगाई गई रबी की फसल है, जबकि उन्होंने यह भी बताया कि अन्य प्रदेश में रबी लगाए जाने को लेकर किसानों पर द्वद्वह भी की गई है पर अभी जिले में ऐसी कोई स्थिति नहीं है।

इस बार अचानक डेढ़ गुना बढ़ा था लोड

अधीक्षण अभियंता ने यह भी बताया कि इस बार विद्युत का लोड डेढ़ गुना अधिक जिले में बढ़ा था। जिस कारण स्वयं जिले वासियों को ही इसकी परेशानी का सामना करना पड़ा और विभागीय कर्मचारियों को भी इस बढ़े हुए लोट की समस्या से गुजरना पड़ा, कई क्षेत्रों में लो वोल्टेज के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्र में विद्युत को दो अलग-अलग समय क्षेत्र में विद्युत दी जाती रही है। ऐसी कई चुनौतियां विभाग को भी उठानी पड़ती है । और आंधी तूफान आने पर लोड अधिक बढ़ने की वजह से विद्युत कट जाती है और लोगों को परेशान होना पड़ता है।

इस वर्ष दो से ढाई हजार हुये बोर

विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता ने यह भी बताया कि इस बार पानी की समस्या को देखते हुए जिले के किसानों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में दो से ढाई हजार बोर करवाए हैं। जिससे कहीं ना कहीं सीधे विद्युत का अधिक उपयोग हुआ है । यदि ऐसी ही स्थिति जिले में रही तो आने वाले समय में पानी की समस्या के साथ-साथ विद्युत समस्या भी जिले में उत्पन्न हो जाएगी इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता ।

विभाग करेंगा विद्युत मित्र एप लॉंच

मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर ने विद्युत मित्र एप लांच किया है। जिसे कि विद्युत उपभोक्ता, गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकता है। अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उइके ने बताया कि इस विद्युत मित्र एप के अनेक फायदे हैं। विद्युत मित्र एप के माध्यम से उपभोक्ता हो रही, विद्युत चोरी की सूचना देकर 50 हजार रुपये तक ईनाम प्राप्त कर सकता है। ईनाम की राशि, उपभोक्ता के खाते में सीधे भेजी जाएगी। साथ ही विद्युत की चोरी की सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जायेगा। अधीक्षण अभियंता उइके ने बताया है कि विद्युत चोरी की शिकायतें कॉल सेंटर 1912 और विद्युत एप की सहायता से शिकायत की स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके साथ ही उपभोक्ता विद्युत मित्र एप की सहायता से गुगल मैप पर अपने पास स्थित संपूर्ण विद्युत कनेक्शनों की जानकारी एवं उसका संपूर्ण विवरण भी देख सकते हैं। इस एप के माध्यम से विद्युत उपयोगकर्ता का कनेक्शन है अथवा नहीं है, यह भी देखा जा सकता है। कनेक्शन नहीं पाये जाने पर उसकी सूचना विद्युत मित्र एप की सहायता से दी जा सकती है।

विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए क्षेत्रवार कॉल सेंटर हुए स्थापित

वितरण केंद्र प्रभारी के साथ सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता की होगी कॉल सेंटर में ड्यूटी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । आगामी समय मे आने वाले मानसून तथा जिले के उपभोक्ताओं को मानसून के दौरान बिजली आपूर्ति से होने वाली समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बालाघाट द्वारा जिले में क्षेत्रवार कॉल सेंटर स्थापित किये गए है। अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उइके ने जानकारी देते हुए बताया है कि जिले के उपभोक्ताओं द्वारा अपने क्षेत्र की विद्युत प्रदाय शिकायतों की जानकारी कॉल सेंटर के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के अधिकारी को दी जा सकती है। इसके लिए क्षेत्रवार वितरण केंद्र प्रभारी, परीक्षण सहायक के अलावा सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता को नियुक्त किया गया है। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी द्वारा शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

इन क्षेत्र के वितरण केंद्रों में संबंधित अधिकारी से किया जा सकता है सम्पर्क

इसके लिए वितरण केंद्र, क्षेत्र बालाघाट शहर के लिए सहायक अभियंता अंकित मार्को से 9425807682 एवं कनिष्ठ अभियंता संदीप सहारे से 9425820310 नंबर पर सम्पर्क किया जा सकता है। इसी तरह सरेखा 1 के लिए कनिष्ठ अभियंता आरएल बिहोने 7648820881, सरेखा 2 के लिए मिथलेश उइके 9425806284, भरवेली में कुमारी बबिता उइके 9425820078, हट्टा में बिरजू उइके 9425820230, रजेगांव में जॉर्ज वर्गीस 9425807686, किरनापुर में ललित सिंह मार्को 9425806254, भानेगांव में अजय साहू 9425806292, लांजी में अविनाश देशमुख 9425807697, कारंजा में विश्वजीत शर्मा 9425806244, अमोली में विनीत कुमार टेकाम 9407091280, बोनकट्टा में विनीत कुमार बिसेन 9425808030, खैरलांजी में सुशील कुमार मर्सकोले 9425807875, लालबर्रा में सरफराश कुरैशी 9425807915, रामपायली में निखिल सुखदेवे 9425807875, सावंगी में मयूर बिसेन 9425807855, तिरोड़ी में श्रीमती प्रेरणा सिंह 9425808030, उमरी में सुभाष नाग 9425808030, डोंगरमाली में मनोज कुमार ठाकरे 9425806303, मोहगांव में कोपसिंह मेरावी 7648821018, लामता में भूपेश चापेकर 7648820998, दमोह में कमलेश नेताम 9425806227, परसवाड़ा में अनिल गुप्ता 9402670472, को नियुक्त किया गया है। इसी तरह कटंगी में सहायक अभियंता श्री राजीव रंजन 9425808030, वारासिवनी में राहुल तुरकर 9425807855 और बैहर में मुकेश जाधव 9425808074 से संपर्क किया जा सकता है। इसके साथ ही कोचवाहि में वितरण केंद्र प्रभारी, परीक्षण सहायक परमेश्वर लिल्हारे 9425808030 और उकवा में श्री वीरेंद्र उइके 9644046199 से कॉल सेंटर नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

कृषक किशनलाल की दो डिसमिल जमीन हो गई गुम

पटवारी उपलब्ध नहीं करवा रहा है जमीन, मुख्यमंत्री से की गई शिकायत

बैहर(पद्मेश न्यूज)। बिरसा तहसील में आने वाले ग्राम कटंगी निवासी किशनलाल राहंगडाले की खसरा नंबर 480/1ख/34 मे से 2 डिसमिल जमीन गुम गई। इस क्षेत्र के पटवारी के द्वारा किशन लाल राहंगडाले को पूरी 17.5 भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। किंतु पटवारी ने पिछले 1 साल से किशन लाल रंग डाले को उसकी दो डिसमिल जमीन उपलब्ध नहीं करवाई। जिसकी शिकायत किशन लाल राहंगडाले ने मुख्यमंत्री करते हुए उसकी दो डिसमिल जमीन दिलवाने की मांग की है। किशन लाल राहंगडाले ग्राम कटंगी निवासी ने मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए बताया कि उसने वर्ष 2016 में अनिल बधावन वार्ड नंबर 10 बस्ती रोड बैहर निवासी से खसरा नंबर 480/1ख/34रकबा 0.20/0.081हेक्टेयर जमीन खरीदा था। इस पड़त भूमि पर कोई वृक्ष मकान कुआं नहीं है। उक्त जमीन वार्ड नंबर 12 सुभाष चंद्र वार्ड कटंगी मार्ग पर मिर्ची झोड़ी से तन्नोर नदी तक पी डब्लू डी रोड से 600 मीटर दूर स्थित है। 9 सितंबर 2021 को किशनलाल। राहंगडाले ने उक्त खसरा रकबा की 2.50 डिसमिल जमीन फातिमा जोजे सलीम खान को बेच दिया है। अब उक्त खसरे में17.50 डिसमिल जमीन शेष बची है। किशन लाल राहंगडाले ने उक्त जमीन का जब सीमांकन के लिए आवेदन लगाया तो पटवारी के द्वारा उसे बताया गया कि मौका स्थल पर आपकी जमीन सिर्फ 15.500 डिसमिल जमीन शेष बची है। 2 डिसमिल जमीन के बारे में पटवारी के द्वारा कोई जानकारी नहीं दी जा रही है।किशनलाल राहंगडाले ड ने पटवारी के विरुद्ध बिचोलियों से मिलकर उक्त 2 डिसमिल जमीन हड़पने का आरोप लगाया। जिसकी शिकायत 25 अप्रैल 2024 को मुख्यमंत्री से की गई थी। इसके बाद पटवारी के द्वारा मौके पर17.5 डिसमिल जमीन उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया गया था। जिसके बाद किशन लाल राहंगडाले के द्वारा शिकायत वापस ले ली गई थी। किंतु उसके बाद भी पटवारी के द्वारा किशन लाल राहंगडाले को उसकी 2 डिसमिल जमीन उपलब्ध नहीं करवाई गई। 16 मई 2025 को किशनलाल राहंगडाले के द्वारा पुनः मुख्यमंत्री से करते हुए उसकी दो डिसमिल जमीन उपलब्ध करवाए जाने की मांग की है।

पत्नी से विवाद होने से गुस्साए व्यक्ति ने खाया चूहा मार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के रूपझर थाना अंतर्गत ग्राम बापू टोला में इसी ग्राम के एक व्यक्ति दीपक पिता सोहन धुर्वे 30 वर्ष ने पत्नी से विवाद होने पर आवेश में आकर चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक धुर्वे खेती किसानी करते हैं। 20 मई की रात्रि 9:00 बजे दीपक धुर्वे और उनकी पत्नी मोनूका धुर्वे के बीच घरेलू बातों को लेकर वाद विवाद हो गया था। जिससे आवेश में आकर दीपक धुर्वे ने घर में रखी चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। जिसके बाद दीपक धुर्वे को उसके साले राजकुमार कुसरे और पत्नी मोनुका धुर्वे ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

लालबर्रा के नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र में हुआ चीतल का शिकार

वन विभाग ने 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 1 फरार, घटना स्थल से चीतल का मांस, 2 कुल्हाड़ी एवं 2 चाकू किया बरामद, गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र में 8 लोगों के द्वारा नर चीतल को पानी में यूरिया खाद देकर शिकार करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें वन विभाग की टीम के द्वारा घटना स्थल व आरोपियों के पास से चीतल का मांस सहित 2 कुल्हाड़ी, 2 चाकू बरामद किया है। साथ ही वन विभाग ने चीतल का शिकार करने के आरोप में 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर 21 मई को वारासिवनी न्यायालय में पेश कर वहां से जेल भेज दिया है एवं एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। साथ ही वन विभाग के द्वारा चीतल के सर सहित शरीर के अन्य हिस्सों के अंग व मांस को दक्षिण सामान्य वन विभाग कार्यालय परिसर में दहसंस्कार कर नष्ट कर दिया है। वहीं वन विभाग ने चीतल का शिकार के आरोप में टेकाड़ी ला. निवासी गणेश यादव 45 वर्ष, चिचगांव निवासी आनंद गोंड, 35 वर्ष, खैरगोंदी निवासी कृष्णकुमार 36 वर्ष, राकेश 26 वर्ष, चिचगांव निवासी श्यामराव 40 वर्ष, धर्मेन्द्र कतिया 30 वर्ष, मोहनलाल 52 वर्ष सहित फरार एक व्यक्ति के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2, 9, 39, 52, 57 के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है एवं फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

दिनदहाड़े चीतल को पानी में कीटनाशक देकर किया गया है शिकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 मई को शाम में वनविभाग की टीम को सूचना मिली थी कि कुछ लोग नवेगांव बीट के भाग 1 जंगल क्षेत्र में गये है। जिनके द्वारा जंगली जानवर का शिकार करने की संभावना है। जिसकी जानकारी लगते ही वन विभाग की टीम शाम 6 बजे वन क्षेत्र का सर्चिंग (भ्रमण) कर रहे थे तभी कुछ लोग चीतल का शिकार कर उसके मांस को काटते हुए दिखाई दिये। जिसके बाद वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंची तो कुछ लोग उन्हे देखकर भाग गये, लेकिन दो लोग पकड़ाये। जिसकी जानकारी वन विभाग के उ%चाधिकारियों को दी गई। वहीं नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र में चीतल का शिकार होने की जानकारी जब दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के रेंजर हर्षित सक्सेना को लगी तो वे तत्काल वनकर्मियों के साथ घटना स्थल पहुंचे और घटना स्थल से नर चीतल का मांस, शिकार करने में उपयोग किये गये कुल्हाड़ी व औजार को बरामद कर पकड़ाये व्यक्ति को लालबर्रा लेकर आये। वहीं मौके स्थल पर पकड़ाये आरोपियों से जब वन विभाग के द्वारा पूछताछ की गई तो उनके द्वारा इस पूरी घटना में 8 आरोपियों के शामिल होने की बात कही गई और बताया गया कि जंगल क्षेत्र के तालाब में वन्यप्राणी पानी पीने आते है जहां चीतल भी आता है इसलिए पानी में यूरिया खाद मिला दिये थे जिसे पीते ही चीतल की मौत हो गई। जिसके बाद कुल्हाड़ी व चाकू से काटकर उसके मांस व शरीर के अन्य अंग को अलग कर लेकर जाने वाले थे। जिसके बाद वन विभाग के द्वारा जो व्यक्ति चीतल का शिकार कर मांस के साथ पकड़ाये गये व्यक्ति के बताये अनुसार अन्य 5 लोगों को 21 मई को गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह से वन्यप्राणी चीतल जिसकी उम्र करीब 7 से 8 वर्ष थी जिसका शिकार करने के आरोप में अब तक 7 आरोपी गिरफ्तार हो चुके है एवं एक आरोपी फरार है। अगर वन विभाग के अमले के द्वारा 20 मई की शाम में नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र का भ्रमण नही किया जाता तो शिकारी चीतल का मांस लेकर फरार हो जाते। लेकिन वन विभाग के द्वारा जंगल क्षेत्र का भ्रमण करने के चलते आरोपी गिरफ्तार हो गये। जबकि वन विभाग के द्वारा जंगल क्षेत्र में सीसीटीव्ही कैमरे लगाये गये है एवं जंगल क्षेत्र का समय-समय पर भ्रमण एवं नाके में वनकर्मी तैनात रहते है, उसके बावजूद भी आरोपियों के द्वारा चीतल का शिकार कर दिया गया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि आरोपियों को कोई डर नही था कि पकड़ायेगें तो हम पर कठोर कार्यवाही होगी।

जंगल की निगरानी के लिए वन विभाग ने लगाये है कैमरे

आपकों बता दें कि वन विभाग के द्वारा जंगलों की देखरेख व निगरानी के लिए कई तरह की तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। जिससे जंगलों व वन्य प्राणियों को संरक्षित कर सुरक्षित रख सके, जिसके लिए जंगलों में कैमरे लगाकर 24 घंटे निगरानी की जाती है कि किसी तरह के कोई भी असामाजिक तत्व जंगल में घुसकर जंगल को नुकसान एवं वन्यप्राणियों का शिकार न कर सके। इसी तरह दक्षिण सामान्य वन्य मंडल लालबर्रा के द्वारा भी अपने वन परिक्षेत्र में सीसीटीव्ही कैमरे लगाकर जंगल की निगरानी की जा रही है जिससे कोई भी संदिग्ध व्यक्ति जंगल में बिना अनुमति के प्रवेश न कर सके। उसके बावजूद शिकारियों के हौसले बुलंद दिखाई पड़ रहे है। सीसीटीव्ही कैमरे लगने के बाद भी शिकारियों के द्वारा 20 मई को दोपहर में नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र में घुसकर दिनदहाड़े चीतल का शिकार कर लिया गया और उसे काटकर उसका मांस खाने की तैयारी शिकारियों के द्वारा की जा रही थी। जब इसकी जानकारी वन विभाग को लगी तो वन विभाग की टीम के द्वारा मौके पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा 8 लोगों के द्वारा इस घटना में सम्मिलित होने की बात कही गई। जिसके आधार पर वन विभाग की टीम के द्वारा 8 आरोपियों में से 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक आरोपी फरार चल रहा है। जिसकी तलाश वन विभाग के द्वारा की जा रही है। सीसीटीव्ही कैमरे लगने एवं वन विभाग के गस्त व नाका में कर्मचारी रहने के बाद इस तरह की वारदात होना वन विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। जबकि जंगल क्षेत्र के अंदर किसी को बिना अनुमति के प्रवेश नही देना चाहिए परन्तु चीतल का शिकार करने वाले नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र के अंदर घुसकर नर चीतल का शिकार कर दिया है, जो गलत है। वन विभाग से जंगल क्षेत्र में गस्त एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की मांग उठ रही है।

फरार आरोपी को जल्द कर लिया जायेगा गिरफ्तार - हर्षित

दूरभाष पर चर्चा में दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के रेंजर हर्षित सक्सेना ने बताया कि नवेगांव भाग 1 जंगल क्षेत्र में 20 मई को 8 लोगों के द्वारा चीतल का शिकार कर मांस को काटकर लेकर जाने की सूचना मिली थी। जिसके बाद घटना स्थल पर दबिश देकर दो व्यक्ति को चीतल का मांस व शिकार में उपयोग किये गये कुल्हाड़ी व चाकू के साथ पकड़ लिया गया एवं शेष लोग फरार हो गये। साथ ही यह भी बताया कि पकड़ाये गये व्यक्ति को पुछने पर उन्होने बताया कि पानी में यूरिया खाद डालकर चीतल का शिकार किये है और इस घटना में शामिल अन्य लोगों को नाम बताया। जिसके आधार पर अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं एक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। श्री सक्सेना ने बताया कि चीतल का शिकार के आरोपियों के खिलाफ वन्य संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है और जंगल क्षेत्र में वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीव्ही कैमरे लगे हुए है एवं जंगल क्षेत्र का भ्रमण भी किया जाता है, फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने भोपाल में प्रभारी मंत्री सहित विभागीय प्रमुख से की भेंट

विधानसभा क्षेत्र की समस्या एवं लंबित विकास कार्यों को गति देने सहित अन्य विकास कार्य की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे अपने भोपाल प्रवास के दौरान बालाघाट के प्रभारी मंत्री, शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह से भेंट कर कई विषयों पर चर्चा की और क्षेत्र में स्कूल शिक्षा से जुड़ी समस्या व स्कूल भवनों को लेकर अवगत करवाते हुए उन्हें प्राथमिकता दिये जाने का आग्रह किया है। साथ ही विधायक श्रीमती मुंजारे द्वारा अनेक विभागों के प्रमुख अधिकारियों से भी भेंट की है। जानकारी अनुसार विधायक अनुभा मुंजारे अपने भोपाल प्रवास के दौरान विगत दिवस राजधानी भोपाल में वन भवन पहुंचकर वन बल अधिकारी अशिम श्रीवास्तव से बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में वन विभाग के द्वारा लम्बित विकास कार्यों को तीव्र गति से किये जाने के सन्दर्भ में विस्तृत चर्चा की। साथ ही संबंधित कार्यों से उन्हे अवगत करवाया। इसी तरह से विधायक श्रीमती मुंजारे द्वारा लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता के.पी. राणा से सौजन्य भेंट की और बालाघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पनबिहरी से बोरी-बरघाट मार्ग एवं सिहोरा से रमपुरी मार्ग पर बनी पुलिया लम्बे समय से क्षतिग्रस्त होने की जानकारी से विस्तारपूर्वक अवगत करवाया। साथ ही पुलिया, सड़क, एवं भवन निर्माण कार्यों का प्रस्ताव प्रेषित किया है। जिस पर के.पी. राणा ने आश्वस्त किया है कि जन-हित के कार्यों में पूरा सहयोग किया जायेगा। इसी तरह से विधायक अनुभा मुंजारे के द्वारा म.प्र. लघु-वन-उपज प्रबंधक और संरक्षण अधिकारी विभाष ठाकुर (व्यापार एवं विकास) से सौजन्य मुलाकात कर बालाघाट विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतो को सशक्तिकरण और मूल्य संवर्धन हेतु विकास कार्यों का प्रस्ताव प्रेषित किया है। चर्चा में विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि विभागीय अधिकारियों से भेंट, मुलाकात सकारात्मक रही। जिन्हे क्षेत्र के विकास को लेकर अवगत करवाने के साथ ही पत्र व्यवहार भी किया गया हैं। उम्मीद हैं कि संबंधित दिये गये कार्यों के प्रस्ताव को प्राथमिकता मिलेगी, जो क्षेत्र के विकास में अहम होगें।

बकोड़ा पीएम श्री शास. हाई स्कूल में समर कैंप का हुआ समापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल में शासन के निर्देशानुसार गत 1 मई से जारी 20 दिवसीय समर कैंप का 21 मई को समारोहपूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर के मुख्य आतिथ्य, जनपद सदस्य प्रतिनिधि ज्ञानीराम पंचेश्वर, रामभरोस राकडे एसएमडीसी सदस्य, श्रीमती भागनबाई बाहेश्वर शाला प्रबंधन समिति सदस्य के विशेष आतिथ्य एवं जी.आर.अगुरे प्राचार्य की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस 20 दिवसीय समर कैंप में योग, व्यायाम, खेलकूद, चित्रकला, रंगोली, गायन, लोककला के माध्यम से लोक गीत, देशभक्ति गीत, प्रेरक कथा, कहानी क्षेत्रीय परिवेश पर आधारित जीवन शैली की प्रस्तुति, बौध्दिक क्षमता का सृजन सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राएं बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिये। वहीं समर कैंप की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने कहा कि समर कैंप के माध्यम से शासन की मंशानुरूप बच्चों में स्किल्स डेवलपमेंट करने का एक अच्छा मंच बच्चों को प्रदान किया गया है, जिसका लाभ सभी बच्चों को लेना चाहिए। जनपद सदस्य प्रतिनिधि ज्ञानीराम पंचेश्वर ने समर कैंप के माध्यम से बच्चों की विभिन्न क्षमताओं को विकसित करने के लिए एक अच्छा प्रयास है जिसका लाभ शिक्षा के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। स्कूल प्राचार्य जीआर अंगुरे के द्वारा उपस्थितजनों को समर कैंप का उद्देश्य और उसका लाभ किस प्रकार से बच्चें अपने दैनिक जीवन में हासिल कर सकते हैं उसके बारे में बताते हुए कहा कि बच्चों के द्वारा प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों में योग, व्यायाम, खेलकूद, चित्रकला, रंगोली, गायन, लोककला के माध्यम से लोक गीत, देश भक्ति गीत, प्रेरक कथा, कहानी क्षेत्रीय परिवेश पर आधारित जीवन शैली की प्रस्तुति, बौध्दिक क्षमता का सृजन के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का मनोरंजन करते हुए उनकी तार्किक क्षमता को परखते हुए तात्कालिक संभाषण और लेखन शैली को निखारने का कार्य किया गया। शिक्षक एल.सी. ठाकरे ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में समर कैंप बच्चों और पालकों के साथ शिक्षकों के लिए भी एक नवाचार जैसा था, जिसको समझने में समय जरूर लगा और बच्चों को कैंप में शामिल करवाने के लिए प्रेरित करते हुए उनकी उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया गया और प्रतिदिन बच्चों को नई-नई गतिविधियां करवाई गई। जिससे बच्चों में स्किल्स डेवलपमेंट देखने को मिला और आने वाले वर्षों में समर कैंप की सार्थकता काफी हद तक कारगर साबित होगी। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक अफरोज खान के द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षक एलसी ठाकरे, अफरोज खान, टी.एस. बिसेन, श्याम सोलंकी, आर.पी.पटले, धनंजय सोनी, नरेन्द्र हाथी भृत्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के सम्मान में निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा रैली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी घटना का बदला लेने एवं आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूत करने भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और इस ऑपरेशन सिंदुर अभियान के माध्यम भारतीय सेना के द्वारा आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत कर पाकिस्तान समर्थित आतंकियों से बदला ले लिया है, जिसमें सैकड़ों आतंकी मारे गये। भारतीय सेना की इस अदम्य कार्यवाही के बाद देश का नागरिक उत्साहित है और भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समस्त देशप्रेमी बंधुओ द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान व आतंकी घटना के खिलाफ ऑपरेशन सिंदुर की सफलता, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं भारतीय सेना के सम्मान में विभिन्न संगठन लालबर्रा के द्वारा बुधवार को शाम 5 बजे मानपुर स्थित पेट्रोल पंप के सामने स्थित लॉन से विशाल तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। यह रैली नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए बस स्टैण्ड पहुंची तत्पश्चात संबोधित कार्यक्रम हुआ। जिसके बाद विशाल तिरंगा रैली कार्यक्रम का समापन किया गया। इस विशाल तिरंगा रैली के दौरान उपस्थितजनों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद-मुर्राबाद, सुन रे बेटा पाकिस्तान, बाप है तेरा हिन्दुस्तान, भारत माता की जय, भारतीय सेना की जय सहित अन्य देशभक्ति नारे लगाये। साथ ही इस आतंकी घटना में मारे गये व्यक्तियों को याद कर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित किया। उपस्थितजनों ने विशाल तिरंगा रैली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गत 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाक समर्थित आतंकवादियों द्वारा भारतीय पर्यटकों पर बैसरन घाटी के पास अंधाधुंध गोलियां चलाते हुए उनकी हत्या कर दिये थे। जिससे पूरे देश में आक्रोश व्याप्त था और इस आतंकी घटना का बदला लेने एवं आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूत करने भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। जो हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है और इस ऑपरेशन सिंदुर के माध्यम से भारतीय सेना ने पाकिस्तान को जवाब दिया है। उनके सम्मान में आज विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। जिसमें सभी का सहयोग मिला है जिसके लिए सभी का आभार व्यक्त करते है। इस अवसर पर विभिन्न संगठन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धर्म पूछकर हमारे भाईयों की हत्या की गई है - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने कहा कि भारत विश्व में सामाजिक समर्थ का एक बेहतर उदाहरण है, हमारे यहां जाति, धर्म पूछकर भेदभाव नहीं किया जाता है। सभी जाति, धर्म के लोग मिल जुलकर निवास करते हैं, लेकिन देश की शांति को भंग करने के लिए पाकिस्तान के द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हमारे भाइयों को धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी गई थी। जिन्हे सबक सिखाने के लिए सरकार के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। जिसे हमारी भारतीय सेना के द्वारा इस अभियान को चलाकर पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर चलकर भारतीय सेना ने पाक को सिखाया है सबक - मौसम

भाजपा नेत्री श्रीमती मौसम हरिनखेड़े ने कहा कि आतंकियों के द्वारा जिस तरह से हमारे भाई-बहनों को धर्म पूछकर मारा था उसके खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर भारतीय सेना के द्वारा आतंकियों को सबक सिखाने का काम किया गया है। देश की जनता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं सेना के साथ खड़ी है, यदि आने वाले समय में पाकिस्तान फिर से किसी तरह की कोई भी आतंकी हमले करता है तो उस आतंकी हमले को युध्द विराम का उल्लंघन माना जायेगा। साथ ही उसके जवाब में कड़ी जवाबी कार्यवाही भारतीय सेना के द्वारा की जायेगी। श्रीमती हरिनखेड़े ने कहा कि पाकिस्तान कभी भी अपने गलत मंसूबों पर कामयाब नहीं हो सकता है, भारत पहले भी आगे था, आज भी आगे है और हमेशा आगे रहेगा।

आतंकवाद का अड्डा बन चुका है पाकिस्तान - डुलेन्द्र

जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने कहा कि भारत सरकार से हमारी यही अपील है कि हम पाकिस्तान को बाद में देखेंगे, पहले हमारे देश में जो दुश्मन बैठे हैं, पहले उन्हें ठीक करने की जरूरत है। यदि हम इन्हें ठीक कर देंगे तो पाकिस्तान स्वयं ही ठीक हो जायेगा। श्री ठाकरे ने कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा बन चुका है, सभी देश मिलकर उस पर कार्यवाही कर उसका सफाया करना चाहिए और भारत पहले की तरह नहीं रहा, पहले हमारी सेना शक्तियां काम हुआ करती थी, हमारे पास टेक्नोलॉजी नहीं थी। लेकिन वर्तमान में हमारी सेना धन बल से परिपूर्ण है, पूरी ताकत के साथ आतंकियों को जवाब देने के लिए तैयार है।

शिक्षकों की लंबे समय से समस्या का नही हुआ निराकरण कार्यालय के काट रहे चक्कर

समस्या का समाधान नही होने पर आंदोलन करने प्रशासन को दी चेतावनी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शिक्षकों के द्वारा अपनी अपनी समस्या को लेकर आ रही परेशानियों का निराकरण करने की मांग की गई। वहीं लंबित समस्याओं का लंबे समय से निराकरण नही करने को लेकर आक्रोश भी व्यक्त किया जाता रहा है। जहां पर पहुंचे शिक्षकों के द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय और संकुल प्राचार्य पर लापरवाही करने का आरोप लगाया गया है। यह शिकायत प्रदेश सरकार के द्वारा संचालित किये गये शिक्षा विभाग के लोक सेवकों की समस्या निवारण शिविर के माध्यम से की गई। यह शिविर १९ से २४ मई तक आयोजित की गई है,जिसमें लगातार विकासखंड अंतर्गत शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा अपनी समस्याओं के आवेदन दिए जा रहे हैं। जिनके अंदर लंबे समय से समस्या का समाधान नही होने के कारण आक्रोश व्याप्त है।

शिक्षकों की ये है समस्या

मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संस्थान के द्वारा शिक्षा विभाग के लोक सेवकों को क्रमोन्नति वेतनमान, समयमान, वेतनमान वेतनवृद्धि का लाभ समय समय पर दिया जाता है। वहीं सेवा अभिलेखों का अद्यतनीकरण करने आगामी ३ वर्षों में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के वेतन निर्धारण का कोष एवं लेखा के द्वारा परीक्षण किया जाकर वसूली योग्य प्रकरणों में सेवा से पूर्व वसूली का निर्धारण कर पेंशनरी सेवकों को विभिन्न लाभ दिए जाते हैं। जिसमें लंबे समय से इनके प्रकरण लंबीत चल रहा है जिसका निराकरण नहीं हो पा रहा है। जिसके लिए यह शिविर आयोजित किया गया है जिसमें शिक्षकों को आ रही विभिन्न समस्याओं के समाधान के साथ ही अन्य लंबित अभ्यावेदनों का निराकरण करने के लिए लगाया गया है। जहां पर शिक्षकों के द्वारा लगातार अपनी शिकायत दी जा रही है। जिनके द्वारा विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया जा रहा है कि पिछले कई वर्षों से हमारे द्वारा शिविर के माध्यम से या व्यक्तिगत तौर पर लगातार आवेदन दिए जा रहे हैं किंतु इस पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिसका कारण है कि सेवा पुस्तिका का सही संधारण नहीं है, वेतनमान बड़ा कर दिया जाता है या घटकर दिया जा रहा है स्पष्ट निर्धारण नहीं है। क्रमोन्नति नहीं दिया जा रहा है एरियस बकाया पड़े हुए हैं, शिक्षकों के द्वारा लंबे समय से केवल गुहार लगाई जा रही है। हम चाहते हैं कि शासन के द्वारा शिविर आयोजित किया गया है जिसमें गंभीरता से अधिकारियों के द्वारा शिकायत का समाधान करना चाहिए।

लापरवाही विकासखंड शिक्षा अधिकारी और संकुल प्राचार्य के द्वारा की है-जितेंद्र तिवारी

शिक्षक जितेंद्र तिवारी ने बताया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सभी शिक्षक आए हुए हैं। क्योंकि वर्ष २००६ से २०१० तक वाले शिक्षकों को आज तक क्रमोन्नति का एरिया एवं कोरोना काल में वेतन वृद्धि जो १ वर्ष लेट लगी थी उसका एरियस एवं सातवें वेतनमान की राशि का एरियस नहीं मिल पाया है। ऐसी कई समस्या है जिससे अध्यापकों को कई समस्या हो रही है और हम सभी यहां आए हुए हैं। इस दौरान सभी शिक्षकों के द्वारा व्यक्तिगत अलग अलग आवेदन देकर समस्या का समाधान करने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को शिकायत दी गई है। यदि इसके बाद भी कुछ नहीं होता है तो दूसरा विकल्प हमारे पास मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल १८१ पर शिकायत करने का बचता है जो किया जाएगा। हाल ही में देखा होगा जिला शिक्षा अधिकारी का ५ दिन का वेतन काटा गया जबकि जो भी आदेश मध्यप्रदेश शासन से निकलता है वह जिला शिक्षा अधिकारी से विकासखंड शिक्षा अधिकारी वहां से संकुल प्राचार्य और फिर लिपिक के पास आता है। फिर भी उस पर काम नहीं हो रहा है इसमें शुद्ध लापरवाही विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय और संकुल प्राचार्य की है।

शिक्षकों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन करेंगे-राजकुमार ठाकरे

शिक्षक राजकुमार ठाकरे ने बताया कि अधिकांश शिक्षकों की समस्या है २०२४ में जो क्रमोन्नति लगी है उसे लगाया नहीं गया है और ना ही एरियस प्रदान किया गया है। इसके पहले बालाघाट जिला कलेक्टर के द्वारा शिविर लगाया गया था वहां मेरे द्वारा आवेदन किया गया था। क्योंकि नवंबर २०२४ में १ महीने के लिए मुझे क्रमोन्नति पर लगाकर वापस कर लिया गया था। परंतु उस आवेदन का भी कुछ नहीं हुआ और आज फिर हम यहां पर आए हुए हैं कि हमें क्रमोन्नति लगी नहीं है और ना ही उसका एरियस मिला है। जबकि यह शिविर लोक शिक्षण संचनालय के द्वारा लगाए जाते हैं और मेरे जैसे विकासखंड में ४०० से अधिक शिक्षक है। हम चाहते हैं कि यह जो शिविर लगाए जाते हैं उसमें जो भी समस्या लेकर शिक्षक आते हैं उस पर अमल किया जाए यदि अब समाधान नहीं हुआ तो हमें आंदोलन की तरफ अग्रसर होना पड़ेगा।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि कार्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी को निर्देशित कर दिया गया है कि शिक्षकों के द्वारा जो भी समस्या को लेकर शिकायत की जा रही है। उक्त संबंध में तत्काल कार्यवाही कर जो भी समस्या है उसके संबंध में दस्तावेज तैयार कर प्रस्तुत किया जाए ताकि समस्या का समाधान हो सके।

के एस धुर्वे
विकासखंड शिक्षा अधिकारी
वारासिवनी

सड़क हादसे में कमलेश कावरे घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) ।वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम खापा से बोदलकसा मार्ग पर २१ मई की दोपहर में सड़क हादसे में कमलेश कावरे घायल हो गया। जिसमें अज्ञात मोटर साइकिल चालक के द्वारा टक्कर मारकर फरार हो गया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलेश पिता सुखचंद कावरे उम्र २६ वर्ष महेंदीवाड़ा निवासी ग्राम बुदबुदा के धानीटोला में अपने किसी रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मोटर साइकिल से खापा बोदलकसा मार्ग से जा रहा था। तभी इथेनॉल प्लांट के पास में मेहंदीवाड़ा की ओर जा रहे मोटर साइकिल में तीन व्यक्ति सवार थे। जिनके द्वारा कमलेश कावरे की मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर मौके से फरार हो गए। घटना में कमलेश कावरे घायल हो गया जिसके द्वारा घटना की जानकारी अपने परिवार के लोगों को दी गई । जिन्होंने उसे सिविल अस्पताल में लाकर उपचार कराया। घटना में घायल को हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोटे आई है।

तेली साहू समाज की बैठक संपन्न

विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर की गई चर्चा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) ।नगर के वार्ड नंबर ५ गांधी बाल उद्यान के पीछे स्थित सामुदायिक भवन में २१ मई को तेली साहू समाज की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई । जिसमें तहसील एवं गांव स्तर पर समाज की कार्यकारिणी का गठन करने तहसील मुख्यालय में साहू समाज की आराध्य माता कर्मा की मूर्ति स्थापना करने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। ताकि समाज का विस्तार हो सके वहीं समाज को प्रदेश की मुख्य धारा से जोड़ने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाने के लिए सामाजिक स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित करने को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें समाज के मेघावी विधार्थी जिन्होंने ८५ प्रतिशत से ज्यादा प्रतिशत बनाया हैं उनका स्वागत सम्मान करना एवं सदस्यता प्रारंभ कर युवाओं को जोड़ने की भी बात पर विचार किया गया। समाज के सदस्यों ने बताया कि हमारा समाज छोटा है जो इधर उधर फैला हुआ है जो एकत्रित नहीं है । उसे एकता के सूत्र में बांधने के लिए ग्रामीण स्तर तक समाज संगठन का निर्माण किया जाना है । जिसमें समाज की एकता के साथ विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना हमारा उद्देश्य है ,जिसके लिए विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा कर रूपरेखा तैयार की गई है। जिस पर समाज के माध्यम से लगातार कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर संतोष आमिलकर, केशव बैस ,संतोष मदनकर, मुकेश साहू ,हेमराज नागभीरे, अनिल उराडे ,गुनेस तुलसीकर, दुर्गाप्रसाद अगासे ,टेकचंद साहू ,कोमल बावनकर, योगराज मदनकर, मूलचंद मालेवर, गणेश मदनकर, योगराज साहू ,जीवन मदनकर ,मुकेश सेलोकर, रमेश हटवार, साहेब उराड़े मौजूद रहे।

जनपद में मेडिकल बोर्ड शिविर का हुआ आयोजन

दिव्यांगजनों के सर्टिफिकेट का किया नवीनीकरण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत भवन में एलिमको एवं आदर्श जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के तत्वाधान में दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने एवं नवीनीकरण के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जनपद सीईओ दीक्षा जैन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात शिविर का प्रारंभ किया गया जिसमें क्षेत्र से पहुंचे दिव्यांग लोगों के द्वारा अपनी समस्या से संबंधित डॉक्टर के कक्ष में जाकर जांच करवायी गई। इस मेडिकल बोर्ड शिविर में दिव्यांगों की जांच कर सर्टिफिकेट के लिये चिन्हित किया गया। यह एक दिवसीय शिविर में विकासखण्ड के अस्थित बाधित १७७, मानसिक बाधित ७७, दृष्टि बाधित ४८, श्रवण बाधित ३७ कुल ३१० दिव्यांगजनों ने पंजीयन करवाया गया। जिनका विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा परीक्षण कर मेडिकल सर्टिफिकेट के लिए २२५ दिव्यांगजनों को चिंहिन्त किया गया। जिसमें १५७ दिव्यांगजनों के मेडिकल सर्टिफिकेट का नवीनिकरण किया गया एवं ६८ दिव्यांगजनों के नए मेडिकल सर्टिफि केट बनायें गए। जिन्हें आगामी शिविर में उपकरण के लिये चिन्हित किया जाएगा। इस दौरान देखने में आया कि क्षेत्र से पहुंचे दिव्यांगजन संबंधित डॉक्टर के पास जाने के लिए इधर उधर घूमते रहे । क्योंकि भीषण गर्मी का समय होने के कारण यह शिविर का आयोजन जनपद भवन के अंदर आयोजित किया गया था जहां पर लोगों की भीड़ लगी रही। उपस्थित जनों ने कहा कि शासन के द्वारा इस प्रकार के शिविर आयोजन करने का उद्देश्य रहता है कि वह योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके। हमारे क्षेत्र में काफी दिव्यांग लोग है जिन्हें इस शिविर के माध्यम से लगातार लाभ मिल रहा है और सभी प्रकार की योजनाओं का लोगों को लाभ लेना चाहिए। सरकार यह योजनाएं सभी के लिए बनाती है ताकि जीवन में परिवर्तन आ सके। इसके पहले उपकरण के लिए चिन्हित करने शिविर आयोजित किया गया था। इसमें प्रमाण पत्र बनाने और नवीनीकरण करने के लिए शिविर आयोजित था। आगामी शिविर में सभी को उपकरण के लिये चिन्हित किया जाएगा।

नाबालिक हुई गर्भवती पुलिस ने किया अपराध दर्ज

जांच के लिए अस्पताल पहुंचने पर हुआ खुलासा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत नाबालिक गर्भवती हो गई जिसमें पुलिस के द्वारा बसंत कुमले के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में लिया गया है। यह घटना की जानकारी उस समय लगी जब नाबालिक शासकीय अस्पताल में उपचार के लिए पहुंची जहां जांच में डॉक्टर ने पाया की वह ढाई माह की गर्भवती हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार १६ वर्ष ४ माह की नाबालिक शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में महिला संबंधी समस्या होने पर उपचार के लिए पहुंची थी। जहां पर महिला डॉक्टर के द्वारा नाबालिक की जांच की गई तो पाया कि वह ढाई माह की गर्भवती है। इसके बाद अस्पताल के द्वारा तत्काल तहरीर के माध्यम से सूचना थाना वारासिवनी को दी गई। जिसमें पुलिस अधिकारियों के द्वारा मामले में संज्ञान लेकर जानकारी ली गई। जिसमें बताया गया कि नाबालिक २ वर्ष से बसंत कुमले को जानती पहचानती है जो उनके गांव में अपने रिश्तेदार के घर आना जाना करता था। जिसके द्वारा वर्ष २०२३ में नाबालिक को अपने साथ भगाकर भोपाल ले जा लिया गया था जहां पर विवाह कर उसे अपने घर में लाकर पत्नी के रूप में रख रहा था। बीते दो महीने पहले महिला संबंधी समस्या होने पर वह १९ मई को सिविल अस्पताल में उपचार के लिए आई हुई थी । जहां अस्पताल तहरीर पर पुलिस के द्वारा अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने बसंत कुमले के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ६४ (२) एम , ६५ (१) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की धारा ५ एल ५ जे ११/६ एसटी एससी एक्ट की धारा ३ (२) (५), ३ (२) (५ ए),३ (१)डब्लू (२) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है।

निखिलेश बघेल पर छेड़छाड़ का मामला कायम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी थाना अंतर्गत १५ वर्षीय नाबालिक के द्वारा निखिलेश बघेल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। जिसमें पुलिस ने विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाबालिक कक्षा ९ वीं में पढ़ाई करती है जो निखिलेश को जानती पहचानती है। बीते एक माह पहले नाबालिक किराना दुकान से वापस अपने घर आ रही थी तब निखिलेश के द्वारा रास्ते में गलत नीयत से उसे कुछ कहा गया था। इसके बाद नाबालिक ने घटना की जानकारी परिवार वालों को दी थी जिनके द्वारा युवक को समझाइस दी गई थी। इसके बाद १९ मई को नाबालिक अपनी सहेली के घर से वापस अपने घर जा रही थी इस दौरान निखिलेश बघेल के द्वारा नाबालिक का हाथ गलत नीयत से पकड़ा गया था । जिस पर वह चिल्लाई तो नाबालिक के परिवार के लोगों को आता देख वह युवक वहां से भाग गया। इसके बाद पुन: नाबालिक के द्वारा घटना की जानकारी परिवार वालों को दी गई वहीं परिजनों के साथ आकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने निखलेश बघेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ७४,७५,१,२ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की धारा ७ ८ एसटी एससी एक्ट की धारा ३ १ डब्लू आई ३ २ ,५ ५ ए के तहत अपराध पंजीकृत कर जांच में लिया है।

जैव विविधता पृथ्वी पर सभी जीवन का आधार है

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का विषय है प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास।प्राचीन समय से ही भारत के ऋषि-मुनियों को प्रकृति संरक्षण और मानव के स्वभाव की गहरी जानकारी थी। वे जानते थे कि मानव अपने क्षणिक लाभ के लिए कई मौकों पर गंभीर भूल कर सकता है। अपना ही भारी नुकसान कर सकता है। इसलिए उन्होंने प्रकृति के साथ मानव के संबंध विकसित कर दिए। ताकि मनुष्य को प्रकृति को गंभीर क्षति पहुंचाने से रोका जा सके।भारत में पेड़-पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रकृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गई है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है।

जैव विविधता पृथ्वी पर सभी जीवन का आधार है और सभी लोगों के आर्थिक समृद्धि के लिए मौलिक है। पृथ्वी पर सबसे अधिक जैव विविधता वाले स्थानों में से कुछ पारिस्थितिकी तंत्रों की एक श्रृंखला है, जिनमें से प्रत्येक में समृद्ध वनस्पति और जीव हैं।इन जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट में, अनगिनत प्रजातियां जटिल पारिस्थितिक तंत्र में सह-अस्तित्व में रहती हैं, जिनमें से प्रत्येक अपने संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र के नाजुक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 1992 में रियो डी जेनेरियो में आयोजित पृथ्वी सम्मेलन में जैव विविधता की मानक परिभाषा अपनाई गयी। इस परिभाषा के अनुसार, जैव विविधता के समस्त स्त्रोतों यथा- अंतर क्षेत्रीय, स्थलीय, सागरीय एवं अन्य जलीय नक्षत्रों के अनुसार जीवों के मध्य अंतर एवं साथ ही उन सभी स्त्रोत समूह, जहां ये भाग हैं, में पाई जाने वाली विभिन्नताएं हैं।भारत भी दुनिया के सबसे जैव विविधता वाले देशों में से एक है, जहां घने वर्षा वनों से लेकर तटीय आर्द्र भूमि तक समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र हैं।

भारत दुनिया के शीर्ष 10 जैव विविधता वाले देशों की सूची में शामिल है।जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, अति-दोहन और भूमि उपयोग परिवर्तन जैसी व्यापक समस्याएं जैव विविधता में गिरावट का कारण बन रही है।सुंदरबन जैसे मैंग्रोव वन समुद्र-स्तर में वृद्धि, कीचड़ (mud) की कमी और सिकुड़ते पर्यावासों जैसे 'तिहरे खतरे' का सामना कर रहे हैं। जंगलों में आग के कारण जंगल और जैवविविधता प्रभावित हो रही है।

केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने विगत 16 मई को काठमांडू में जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय क्षेत्रों पर इसके प्रभाव पर एक वैश्विक संवाद सागरमाथा संवाद को संबोधित करते हुए हिमालय की बढ़ती पारिस्थितिकी अति संवेदनशीलता की ओर दिलाया, जो तेजी से ग्लेशियर पिघलने की ओर इशारा है। जलवायु संकट बढ़ाने में बहुत कम योगदान देने के बाबजूद हिमालयी समुदाय खतरे में है। हिमालय क्षेत्र में तापमान वृद्धि के कारण प्रजातियां अधिक ऊंचाई की ओर जा रही हैं, जिससे उच्च-तुंगता पर वास करने वाले हिम तेंदुए जैसे जीवों के लिये खतरा उत्पन्न हो रहा है।हिमालय पर्वतों से भी पूरानी पश्चिम घाट जो कि गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु से गुजरता है, जिसके संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा 2011 में गाडगिल और 2013 में कस्तूरी रंगन समिति का गठन किया था। विशेषज्ञों ने सरकार को सुझाव दिया कि पश्चिम घाटों पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में घोषित किया जाए। केवल सीमित क्षेत्रों में सीमित विकास की अनुमति हो।परन्तु इस क्षेत्र में अनियंत्रित उत्खनन, पहाडीयों और पेडो की कटाई, अत्यधिक बुनियादी ढांचे का विकास आदि बडे पैमाने पर हो रहा है। कई पहाड़ी इलाकों में भवन निर्माण से जुड़े नियम नहीं हो हैं परन्तु प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जाता है।सितंबर 2020 में जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच (आईपीबीईएस) द्वारा प्रकाशित दस्तावेज़ न केवल प्रकृति के खतरनाक क्षरण की चेतावनी देता है, बल्कि इसे एक ऐसे कारक के रूप में इंगित करता है जो भविष्य में महामारियों के जोखिम को बढ़ाता है। भारत में 45,000 से अधिक पौधों की प्रजातियां और 90,000 से अधिक पशुओं की प्रजातियां हैं, जिनमें बंगाल टाइगर और भारतीय हाथी जैसे प्रतिष्ठित जीव भी शामिल हैं।जंगल और घास के मैदान प्राकृतिक फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं, जो हमारी हवा और पानी को शुद्ध करते हैं।

तमस से ज्योति की ओर एक सुधारवादी यात्रा

यह वह समय था जब हिन्दुस्तान एक तरफ विदेशी दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था वहीं दूसरी तरफ रूढ़िवाद, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक कुरीतियों और दमघोंटू प्रथाओं के बोझ तले दबा हुआ था। तभी एक मसीहा, समाज-सुधारक एवं क्रांतिकारी महामानव अवतरित हुआ जिसने तमाम बुराइयों को चुनौती दी और आखिरी सांस तक बदलाव के लिये क्रांतिकारी योद्धा की तरह लड़ा। ये मसीहा था राजा राममोहन राय। इन्हें देश एवं दुनिया आज भारत में सामाजिक सुधारों के अग्रदूत के तौर पर याद करती है। अपने दौर में वे 'भारतीय पुनर्जागरण के पितामह' बनकर सच्चे जीवन की लौ बनें और इस लौ का आह्वान था नये भारत का निर्माण। वे तमस से ज्योति की ओर एक बहुआयामी सुधारवादी यात्रा का उजाला थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राय के द्वारा स्थापित 'ब्रह्म समाज', जो आधुनिक पश्चिमी विचारों से प्रभावित था, सबसे शुरुआती सुधार आंदोलन था। एक सुधारवादी विचारक के रूप में राय आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय गरिमा तथा सामाजिक समानता के सिद्धांतों में विश्वास करते थे। राय के प्रयासों से ही भारत में आधुनिक धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव पड़ी। राय के बाद, देवेंद्रनाथ ठाकुर और केशव चंद्र सेन जैसे सुधारकों ने ब्रह्म समाज के विचारों को आगे ब ?ाया और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाया। उन्नीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची, वे इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वे साहित्यस्त्रष्टा के साथ-साथ धर्मक्रांति एवं समाजक्रांति के सूत्रधार विराट व्यक्तित्व थे।

राजा राम मोहन राय का जन्म पश्चिम बंगाल स्थित हुगली जिले के राधानगर गांव में 22 मई 1772 को हुआ। पिता रमाकांत राय शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले थे, वहीं माता तारिणी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। पूरा परिवार कट्टर हिन्दु परंपराओं का हिमायती था लेकिन राममोहन राय को बिना तर्क किसी भी बात को स्वीकार नहीं करते थे, इसलिए जब केवल 15 साल के थे तो उन्होंने मूर्ति पूजा को लेकर सवाल खड़े कर दिये। साथ ही अन्य प्रथाओं की भी आलोचना करनी आरंभ कर दी। हिन्दू परंपराओं का विरोध करना शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले पिता रमाकांत को नागवार गुजरी। पिता-पुत्र में गहरा मतभेद हो गया। राय को पढ़ने के लिए पटना भेज दिया गया। यहां उन्होंने बांग्ला, पारसी, अरबी, संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया। यहां भी वो हिन्दू परंपराओं और प्रथाओं को तर्क की कसौटी पर परखते रहे और सवाल उठाते रहे। पढ़ाई पूरी करने के बाद राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व विभाग में नौकरी कर ली, यहां वे कई अंग्रेजों के संपर्क में आये। उनकी सभ्यता, सोच और तौर-तरीकों को करीब से महसूस किया। उन्होंने समझ लिया कि पश्चिमी सभ्यता विकास की प्रक्रिया में काफी आगे निकल गयी है जबकि हिन्दुस्तान इसके मुकाबले सदियों पीछे जी रहा है।

राय ने हिन्दू ग्रंथों के साथ इस्लाम एवं ईसाई धर्मों एवं ग्रंथों का भी गहराई से अध्ययन किया। उन्हें एक बात समझ आयी कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में वो कतई नहीं लिखा है जो पोंगा पंडित, लोगों को बता रहे हैं। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय जनमानस अपने ग्रंथों की मूलभावना से काफी अनजान है। ऐसा इसलिए था क्योंकि धर्मग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे गये थे और लोगों की पहुंच से दूर थे। इसलिए उन्होंने धर्मग्रंथों का हिन्दी, बांग्ला, अरबी और फारसी भाषाओं में अनुवाद किया। उन्होंने अपने अखबारों 'संवाद कौमुदी' और 'मिरात-उल-अखबार' में लेखों के जरिये आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया। राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक माना जाता है। वे एक महान समाज सुधारक, विचारक एवं क्रांतिपुरुष थे, जिन्होंने 19वीं सदी में भारत में सामाजिक,

धार्मिक और शैक्षिक सुधारों के लिए अनूठे एवं विलक्षण उपक्रम किये। उन्होंने व्यक्ति-क्रांति के साथ समाज-क्रांति करते हुए सती प्रथा, बाल विवाह और जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया।

राय का मानना था कि धार्मिक रूढ़िवादिताएं समाज की स्थिति को सुधारने के बजाय क्षति का कारण, परेशानी का स्त्रोत, सामाजिक जीवन के लिए हानिकारक और लोगों को भ्रमित करने वाली बन गई हैं। उनका यह भी मानना था कि बलिदान और अनुष्ठान लोगों के पापों की भरपाई नहीं कर सकते; यह आत्म-शुद्धि और पश्चाताप के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक सुधार से सामाजिक सुधार और राजनीतिक आधुनिकीकरण दोनों का सूत्रपात किया। राय अपने समय से बहुत आगे चलने एवं सोचने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र के बारे में उनकी समझ ने आधुनिक युग के महत्त्व को बखूबी समझा। ये सिद्धांत वर्तमान 'न्यू इंडिया' के विचार को प्रेरित करते हैं। राय ने वर्ष 1803 में अपनी पहली पुस्तक 'तुहजत-उल-मुवाहिदीन' या 'गिफ्ट टू मोनोथिस्ट' प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने एकेश्वरवाद यानी एकल ईश्वर की अवधारणा के पक्ष में तर्क दिया है। उन्होंने अपने इस तर्क में प्राचीन हिंदू ग्रंथों के एकेश्वरवाद का समर्थन करने के लिये वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया।

वर्ष 1814 में उन्होंने मूर्तिपूजा, जातिगत रूढ़िवादिता, निरर्थक अनुष्ठानों और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने के लिये कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। जब उनके बड़े भाई का देहांत हो गया तो परंपरा के मुताबिक गांव वालों ने पंडितों के साथ मिलकर उनकी भाभी को सती हो जाने के लिए मजबूर किया। उन्हें मृतक के साथ उसी चिता में जिंदा जला दिया गया। इस घटना से राय बहुत दुखी हुए। उन्होंने पूरे हिन्दुस्तान में ऐसी क्रूर प्रथा को धर्म के नाम पर खुलेआम होते देखा। उन्होंने वर्ष 1818 में सती-विरोधी संघर्ष शुरू किया और पवित्र ग्रंथों का हवाला देते हुए यह साबित करने का प्रयास किया कि सभी धर्म मानवता, तर्क और करुणा की बात करते है; कोई भी धर्म विधवाओं को जिंदा जलाने का समर्थन नहीं करता है। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 1829 में सरकारी विनियमन द्वारा सती प्रथा को अपराध घोषित कर दिया गया। राय सती प्रथा के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ एक धार्मिक योद्धा थे। इससे पहले जब उनके पिता का देहांत हुआ था तब उन्होंने देखा था कि समाज विधवाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। विधवाओं का सिर मुंडवा दिया जाता था। उन्हें रंगहीन सफेद कप ?ा पहनना प ?ता था। उन्हें बेस्वाद खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्हें परिवार या समाज के सार्वजनिक आयोजनों से दूर रखा जाता था। इन दोनों बातों ने राममोहन राय को अंदर तक व्यथित किया।

राय ने ठान लिया कि वे भारतीय समाज के इन बुराइयों को दूर कर के रहेंगे। इसलिए उन्होंने सती प्रथा उन्मूलन और विधवा पुनर्विवाह कानून बनाने की मुहिम छेड़ दी। इसमें उन्हें तात्कालीन गर्वनर जनरल लार्ड विलियम बैंटिक से खूब सहायता मिली। उन्होंने जाति व्यवस्था, छुआ-छूत, अंधविश्वास और मादक द्रव्यों के इस्तेमाल के खिलाफ भी अभियान चलाया। उनके विचारों और गतिविधियों का उद्देश्य सामाजिक सुधार के माध्यम से जनता का राजनीतिक उत्थान करना था। राजा राम मोहन राय ने महसूस किया कि भारतीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा पाने के लिए विदेशों में शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने इंग्लैंड भेजे जाने वाले भारतीय छात्रों का समर्थन किया और यह कहा कि पश्चिमी शिक्षा ही भारतीय समाज को आधुनिकता और प्रगति की ओर ले जा सकती है। तत्कालीन मुगल बादशाह ने उन्हें आर्थिक सहायता संबंधी किसी काम के लिए ब्रिटेन भेजा। इसी मुगल बादशाह ने उनको राजा की उपाधि भी दी।

राजा राम मोहन राय का आधुनिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण और उनके प्रयास भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक क्रांति लेकर आया। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय समाज को अंग्रेजी और आधुनिक विज्ञान की शिक्षा से जोड़ा और भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की। राजा राममोहन राय ने भारतीय समाज में आधुनिकता, तर्कशीलता और समानता की नींव रखी।

- यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

-ललित गर्ग

यूरोपीय यूनियन के देशों से खाड़ी देशों तक.7 दल 59 हस्तियां.दुनियाँ में बेनकाब करेगी पाक की आतंकवाद पर नीति

वैश्विक स्तरपर भारत को बौद्धिक क्षमता में सर्वश्रेष्ठ देश कहा जाता है, इसमें कोई दो राय नहीं है।क्योंकि कभी गुलामी की जंजीरों में जकड़ा भारत, आज के परिपेक्ष में विश्व के अनेक देशों में मूल भारतीय या तो राज कर रहे हैं या फिर बड़े पदों के माध्यम से राजकरण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, क्योंकि भारत के काम करने की रणनीति अलग ही है जो भारत की मिट्टी मैं समय हुई है। हथियारों से हमला करके तो एक झटके में किसी को भी समाप्त किया जा सकता है, परंतु दुनियाँ के सामने उसकी सच्चाई को उजागर कर, उसे तिल-तिल हर पल हर दिन अपमान में जीने पर मजबूर करता है, हम इस आर्टिकल के माध्यम से इस स्थिति को ऑपरेशन सच्चाई का नाम दे रहे हैं। अभी भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सर्जिकल स्ट्राइक की सफलता को अंजाम दिया है, जिसमें हथियारों का उपयोग हुआ था।अब भारत के सर्वदलीय 7 प्रतिनिधि मंडलों जिसमें करीब सभी दलों के व अन्य सामान्य 59 प्रतिनिधि शामिल होंगे,जो दुनियाँ के कोने-कोने में जाकर मित्र देशों के पास, पाक की अंदरूनी सच्चाई बताकर उसे बेनकाब करेंगे,जिसे मैं इस आर्टिकल के माध्यम से ऑपरेशन सच्चाई का नाम दे रहा हूं। चूँकि पूरी दुनियाँ में आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों को भेजना भारत की पारंपरिक जबरदस्त रणनीति लाजवाब है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से,चर्चा करेंगे दुनियाँ में जाकर भारत का पक्ष रखेंगे सर्वदलीय सांसद सात,पाक को देंगे मात, आतंकवाद के प्रति पूरा विश्व होगा शून्य सहिष्णुता के साथ।

साथियों बात अगर हम पाक के आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनियाँ में संदेश पहुंचाने की सरकार की रणनीति की करें तो, ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार की दुनियाँ में पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ संदेश पहुंचाने के लिए विश्व के अलग अलग देशों में अपना प्रतिनिधि मंडल भेज रही है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाँभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे और पाकिस्तान को घेरने की कोशिश करेंगे। वहीं, अब केंद्र सरकार ने सभी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले सांसदों के नाम घोषिथ कर दिये हैं।हरएक प्रतिनिधि मंडल में सात से आठ सांसदों और कई राजनयिकों को शामिल किया गया है। हर प्रतिनिधिमंडल चार से पांच देशों का दौरा करेगा। संसदीय कार्य मंत्री ने अपने पोस्ट की शुरुआत, एक मिशन,एक संदेश, एक भारत से की। साथ ही उन्होंने सभी सांसदों और प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं की सूची भी साझा की। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपने जीरो टॉलरेंस के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने के लिए इस महीने के अंत में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख साझेदार देशों में भेजेगी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि आतंक वाद के खिलाफ हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाते हुए,ऑपरेशन सिंदूर के तहत सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही प्रमुख देशों से मिलेंगे।

साथियों बात कर हम मेरे दिए गए नाम ऑपरेशन सच्चाई के सात दलों के सदस्यों व उनके नेतृत्वकी करें तो (1) सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के पहले ग्रुप में सात सांसद भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जाएंगे।इस ग्रुप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, एस फांगनोन कोन्याक, रेखा शर्मा, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन औवैसी,सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद हैं। उनके साथ राजनियक हर्षवर्धन श्रृंगला जाएंगे। (2) सांसदों का दूसरा समूह भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में यूके, फ्रांस, जर्मनी, यूरोप, इटली और डेनमार्क जाएगा। इसमें बीजेपी सांसद डी पुंडरेश्वरी, शिवसेना यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, मनोनीत सांसद गुलाम अली खताना, कांग्रेस सांसद डॉ.अमर सिंह, भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य, एमजे अकबर होंगे। उनके साथ राजनयिक पंकज सरन होंगे। (3) तीसरा समूह जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में इंडोनेशिया,मलयेशिया,कोरिया गणराज्य,जापान और सिंगापुर जाएगा। इसमें भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, एआईटीसी सांसद युसूफ पठान, भाजपा सांसद बृजलाल, सीपीआई एम सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास, भाजपा सांसद प्रदान बरुआ, हेमांग जोशी व कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद शामिल हैं। इस ग्रुप में राजनयिक मोहन कुमार होंगे।(4) सांसदों का चौथा समूह शिवसेना सांसदश्रीकांत शिंदे के नेतृत्वमें संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया कांगो गणराज्य, सिएरा लियोन जाएगा। इसमें समूह में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज,आईयूएमएल के सांसद ईटी मोहम्मद बशीर, भाजपा सांसद अतुल गर्ग, बीजद सांसद सस्मित पात्रा, भाजपा सांसद मनन मिश्रा और पूर्व सांसद एसएस अहलूवालिया शामिल हैं। इस समूह में राजनयिक सुजन चिनॉय भी होंगे। (5) कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सांसदों का एक दल अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। इसमें लोजपा सांसद शाम्भवी, जेएमएम सांसद डॉ. सरफराज अहमद, टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी,भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कालिता, शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा,भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या शामिल होंगे। इस समूह में राजनयिक तरनजीत सिंह संधू होंगे। (6) सांसदों का छठवां ग्रुप डीएमके सांसद के कनिमोझी के नेतृत्व में स्पेन, ग्रीस, स्लोवेनिया, लातविया और रूस जाएगा। इस समूह में सपा सांसद राजीव राय,एनसी सांसद मियां अल्ताफ अहमद, भाजपा सांसद कैप्टन ब्रजेश चौटा, आरजेडी सांसद प्रेमचंद्र गुप्ता, आप सांसद अशोक कुमार मित्तल का नाम शामिल है। इस ग्रुप में राजनयिक मंजीव एस पुरी और जावेद अशरफ होंगें। (7) सांसदों का सातवां ग्रुप एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में मिस्त्र, कतर, इथोपिया, दक्षिण अफ्रीका जाएगा। इस ग्रुप में भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूड़ी,आप सांसद विक्रमजीत सिंह, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, टीडीपी सांसद लवू श्रीकृष्णा देवारायालू, आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन होंगे। बड़े इस समूह में राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन भी ?रूर शामिल होंगे।

साथियों बात अगर हम इस रणनीति के तथ्यों और विपक्ष द्वारा कुछ विरोध की करें तो, इसके लिए उसने सभी दलों से सलाह मांगीथी। लेकिन हैरानी तब हुई जब सरकार ने उन सात नामों की घोषणा शनिवार को कर दी जो अलग-अलग दलों का नेतृत्व करेंगे। इन सात नामों में कांग्रेस के सांसद शशि थरूर भी हैं, जबकि उनका नाम कांग्रेस ने नहीं भेजा। यानी वो सरकार की पसंद हैं। संसद में कांग्रेस के बाद समाजवादी पार्टी दूसरा सबसे बड़ा विपक्षी दल है लेकिन उसके किसी भी नेता को सरकार ने किसी दल का नेतृत्व करने लायक नहीं समझा। सरकार सांसदों को विदेश भेजे जाने के नाम पर राजनीति कर रही है।कांग्रेस ने शनिवार को सरकार के रवैये को अनुचित बताते हुए तीखा हमला किया। उसने कहा कि वह पाकिस्तान में पनपे आतंकवाद पर भारत का रुख समझाने के लिए विदेशों में जाने वाले सरकारी प्रतिनिधिमंडल के लिए अपने चार नामांकित सांसदों के नाम बदलने वाली नहीं है। यानी अप्रत्यक्ष रूप से जो चार नाम हैं, वही कांग्रेस की तरफ से हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार ने सात सांसदों की सूची जारी की है, जिनमें कांग्रेस नेता शशि थरूर भी शामिल हैं। ये सांसद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और वहां ऑपरेशन सिंधू के बारे में वैश्विक नेताओं को ब्रीफिंग देंगे। 2012 में, तत्कालीन गुजरात मुख्यमंत्री ने शशि थरूर की पत्नी स्वर्गीय सुनंदा पुष्कर को 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड कहकर विवाद खड़ा किया था, जो कोच्चि आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़े आरोपों से संबंधित था। इस बयान ने उस समय थरूर और बीजेपी के बीच गहरी कटुता पैदा की थी, और सुनंदा ने भी इसका जवाब देते हुए उनकी आलोचना की थी। हालांकि,आज स्थिति विडंबना पूर्ण है। थरूर की हालिया टिप्पणियां और बीजेपी का उनके प्रति सकारात्मक रवैया उस पुराने विवाद के बिल्कुल विपरीत है। कुछ एक्स पोस्ट्स में यह सवाल उठाया गया है कि क्या बीजेपी और थरूर के बीच कोई सेटिंग हो चुकी है, और क्या थरूर का रुख बदल रहा है। फिर भी, थरूर ने बार-बार कहा है कि वह कांग्रेस के साथ बने रहेंगे।

अत: अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे किदुनियाँ में जाकर भारत का पक्ष रखेंगे सर्वदलीय सांसद सात-पाक को देंगे मात- आतंकवाद के प्रति पूरा विश्व होगा शून्य सहिष्णुता के साथ।यूरोपीय यूनियन के देशों से खाड़ी देशों तक...7 दल 59 हस्तियां..दुनियाँ में बेनकाब करेगी पाक की आतंकवाद पर नीति,पूरी दुनियाँ में आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखने 7 सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों को भेजना भारत की पारंपरिक जबरदस्त रणनीति लाजवाब है।

यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

कौन बने राजा

एक भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता।

सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता।

वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है।

इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

विलुप्त होती प्रजातियां-जीवन के अस्तित्व पर संकट की दस्तक

मनुष्यों की ही भांति जीव-जंतु और पेड़-पौधे भी इस धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन विडंबना यह है कि मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास की दौड़ में इनके अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, औद्योगीकरण और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के चलते वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास उजड़ चुके हैं और वनस्पतियों की कई प्रजातियां लगभग समाप्ति की कगार पर हैं। पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें सभी जैविक और अजैविक तत्व एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, अब असंतुलित होता जा रहा है। यह असंतुलन न केवल जीव-जंतुओं के जीवन चक्र को प्रभावित कर रहा है बल्कि मनुष्य के अस्तित्व के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है। दुनियाभर में हजारों वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। वनस्पतियों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति लुप्त होती है तो उससे जुड़ी कई अन्य प्रजातियों की कड़ी भी प्रभावित होती है, जिससे पूरी जैव श्रृंखला खतरे में पड़ जाती है। इस जैव विविधता की क्षति का असर सीधे-सीधे मानव जीवन पर भी पड़ रहा है, जिसे अब नजरअंदाज करना आत्मघाती सिद्ध हो सकता है।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से यह उल्लेख है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस इस वर्ष 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास' विषय के साथ मनाया जा रहा है। पेड़-पौधों की संख्या पृथ्वी पर जिस तेज गति के साथ घट रही है, उसने न केवल पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ रहा है बल्कि अनेक जीव-जंतुओं और पक्षियों को उनके प्राकृतिक घरों से भी वंचित होना पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, अनेक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों की स्पष्ट चेतावनी है कि यदि अब भी इस संकट की अनदेखी की गई तो निकट भविष्य में ऐसी भयावह स्थिति उत्पन्न होगी कि न केवल पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी बल्कि अनेक पशु-पक्षी भी धरती से सदा के लिए मिट जाएंगे। माना कि विकास आवश्यक है लेकिन वह ऐसा हो, जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखे। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में यह गंभीर चेतावनी दी गई है कि यदि विकास की दौड़ में जंगलों की कटाई और जीव-जंतुओं के आवासों का विनाश जारी रहा तो वह दिन दूर नहीं जब मनुष्य स्वयं अपने अस्तित्व को खतरे में डाल देगा।

- अतुल गोयल

पाकिस्तानी ड्रोन को तबाह करने वाले आकाशतीर बनाने वाली कंपनी पर फिदा हुए बाजार जानकार

मुंबई। भारत-पाक तनाव में पाकिस्तानी ड्रोन को स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम ने बर्बाद कर दिया। आकाशतीर को नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने बनाया है। बाजार जानकार कंपनी के शेयरों पर बुलिश हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बुधवार को 4 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 379.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। बाजार जानकारों का कहना है कि डिफेंस कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने बताया कि क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) को छोड़कर नए वित्त वर्ष में ऑर्डर इनफ्लो 27,000 करोड़ रुपये पहुंच सकता है। वहीं, अगर क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) ऑर्डर इसी साल मिलने पर आंकड़ा 57,000 करोड़ रुपये तक जा सकता है। नवरत्न कंपनी के मैनेजमेंट को इस साल 15 प्रतिशत रेवेन्यू ग्रोथ और 27 प्रतिशत के इबिट्डा मार्जिन की उम्मीद है। ब्रोकरेज हाउस ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 445 रुपये का प्राइस टारगेट तय किया है। इस ब्रोकरेज हाउस ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों पर सबसे ज्यादा टारगेट दिया है। एक अन्य ब्रोकरेज हाउस ने भी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों पर ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस रिवाइज्ड करके 418 रुपये कर दिया है।

वैश्विक उथल-पुथल के बाद भी चौथी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर

मुंबई। वैश्विक उथल-पुथल और मौसमी प्रभावों के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था काफी हद तक मजबूत है और वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.4-6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह जानकारी एसबीआई की एक रिपोर्ट में दी गई है। यह मॉडल वित्त वर्ष 2013 की चौथी तिमाही से वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही तक सभी हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स के कॉमन, रिप्रेजेंटेटिव या नए फैक्टर का अनुमान लगाने के लिए डायनैमिक फैक्टर मॉडल का इस्तेमाल करता है। एसबीआई के ग्रुप प्रमुख इकोनॉमिक सलाहकर डॉ.सौम्य कांति घोष ने बताया, हमारे 'नाउकास्टिंग मॉडल' के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के लिए अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर 6.4-6.5 प्रतिशत के आसपास आनी चाहिए। घोष ने कहा कि एनएसओ से जारी अपकमिंग डेटा में पहली से तीसरी तिमाही के अनुमानों में कोई बड़ा रिविजन नहीं होगा, हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी 6.3 प्रतिशत रहेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून की अपनी सामान्य शुरुआत की तारीख से काफी पहले, अगले चार से पांच दिनों में केरल पहुंच सकता है। अगर मानसून केरल में अनुमान के अनुसार पहुंचता है, तब यह 2009 के बाद से भारत के मुख्य भूमि क्षेत्र पर जल्दी दस्तक देने को लेकर रिकॉर्ड किया जाएगा। एसबीआई की रिपोर्ट में बताया गया, भारत बेहतर मानसून बारिश के पूर्वानुमान पर जुलाई से शुरू होने वाले 2025-26 फसल वर्ष में 354.64 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है। चालू 2024-25 फसल वर्ष में, सरकार ने 341.55 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन (अब तक- 332.3 मिलियन टन) का लक्ष्य रखा था। व्यापार तनाव में तेजी से वृद्धि और नीति अनिश्चितता के अत्यधिक उच्च स्तर का वैश्विक आर्थिक गतिविधि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। आईएमएफ के अनुसार, वैश्विक विकास 2025 में 2.8 प्रतिशत और 2026 में 3 प्रतिशत तक गिरने का अनुमान है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है, भारत के लिए, विकास का दृष्टिकोण वित्त वर्ष 2025 में 6.2 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2026 के लिए 6.3 प्रतिशत पर अपेक्षाकृत अधिक स्थिर है, जिसे निजी खपत, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में समर्थन प्राप्त है, लेकिन यह दर व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता के उच्च स्तर के कारण पहले के अनुमान से 30 बीपीएस कम है।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इनके वायदा भाव में भी आज तेजी रही।

दोनों के वायदा भाव आज बढ़त के साथ खुले। घरेलू बाजार में आज सोने के भाव 95,450 रुपये जबकि चांदी के भाव 97,500 रुपये के करीब रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एक्सचेंज) पर आज सुबह सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 503 रुपये के उछाल के साथ ही 95,344 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 94,841 रुपये था।

एक समय यह अनुबंध 610 रुपये की तेजी के साथ 95,451 रुपये के भाव पर बना हुआ था। ये 95,526 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 94,344 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 159 रुपये बढ़कर97,447 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,288 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 248 रुपये की तेजी के साथ 97,536 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 97,644 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 97,447 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर शीर्ष स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी के वायदा भाव के भाव में तेजी रही है। कामेक्स पर सोना 3,293 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,284.60 डॉलर प्रति औंस था। एक समय ये 24.10 डॉलर की तेजी के साथ 3,308.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर पहुंचे थे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.27 डॉलर के भाव पर खुले, इसक पिछला बंद भाव 33.17 डॉलर था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप अपनी इनकम को बढ़ाने के सोर्सो पर पूरा ध्यान देंगे। आपने यदि किसी से कोई वादा किया है, तो उसे आप समय रहते पूरा करने की कोशिश करें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके मान व सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है। बिजनेस को लेकर आप कुछ नए लोगों से मिलेंगे, जो आपके लिए बेहतर लाभ देंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। नए कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी कानूनी मामले में लापरवाही नहीं करनी है। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी कदम उठाएंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा और आपके आसपास में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें शांत रहें, नहीं तो वह कानूनी हो सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने जरूरी कामों को लेकर सूची बनाकर चलना बेहतर रहेगा। किसी जमीन-जायदाद की खरीदारी करने की आप योजना बना सकते हैं। व्यवसाय के कामों को लेकर आप सूझबूझ दिखाकर निर्णय लेंगे, तो ही आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको अपने कामों को धैर्य और साहस से निपटाने की आवश्यकता है। आपको अपने कामों को उत्साहित होकर निपटाने की आवश्यकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए साझेदारी में कोई काम करना अच्छा रहेगा। निजी जीवन में खुशहाली आएगी। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। कारोबार में आपका कोई लक्ष्य पूरा होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने पिताजी से काम को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं। आप अपने आवश्यक कामों में लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं और आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने कारोबार में सर्तकता बढ़ाएं। आपका कोई पुराना रोग उभरने से आपका मन परेशान रहेगा। आप दिखावे के चक्कर में ना पड़ें, नहीं तो इसमें आपका अच्छा खासा धन खर्च होगा। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलने की आवश्यकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपको कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपकी कार्य क्षमता में भी वृद्धि होगी। आप अपने कामों में सोच-समझकर आगे बढ़ेंगे। आज आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको आवेश में आकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आपको कार्यक्षेत्र में छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। आप अपने सपनों को अनदेखा न करें, जो विद्यार्थी विदेश जाने की शिक्षा ग्रहण शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हे किसी संस्था से जुड़ने का मौका मिलेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। परिवार के सदस्यों में यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी तो वह भी दूर होगी। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम बनाकर रखें। जिम्मेदारी से काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी तरक्की की राह मे आ रही बाधाएं भी दूर होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। परिवार के सभी सदस्य भी व्यस्त रहेंगे। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से आज आप काफी खुश रहेंगे। आप संतान को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। परिजनों का कामों में आप पूरा साथ देंगे। आपको अपने बॉस से रिश्तों को बेहतर रखने की कोशिश करनी होगी। विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपको अपनी संतान की संगति पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और आपके कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आपका बिजनेस भी काफी बेहतर चलेगा। आप दोस्तों के साथ किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी से काम को लेकर यदि कोई सलाह लेंगे, तो वह आपके खूब काम आएगी, लेकिन आप जल्दबाजी दिखाने से बचें।

शब्दजाल - 7906

शब्द जाल में 10 केंद्रीय मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान, गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल, नटवर सिंह, कमलनाथ, मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 7905 का हल

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	य
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	ड़
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढा	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सा	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6850

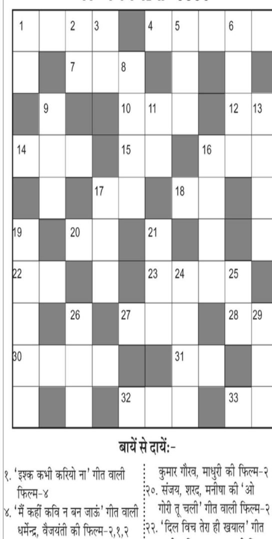

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6849

उ	म्मी	द		छ	लि	या		मे	ला
त्स		डॉ	न		बा	रा	द	री	
व	च	न		वा	स	ना		जं	ग
	र		सौ	दा			आ	ग	
आ	स	रा			पा	की	जा		ग
रा		जा	नू		ल		द	रा	र
ध	र्मा		त	र	की	ब			म
ना		जी	न	त		ना	च		म
		ने		न	ज	र		प्या	सा
खा	न	दो	स्त			स	नी		ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.53 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	09.06 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.22 बजे से
बुध	मेष में	कन्या	13.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.45 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.59 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.15 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.21 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	00.07 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	01.40 बजे से
		मेष	03.10 बजे से
		वृष	04.50 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 142 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 17.47 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 21.49 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 14.22 बजे तदनन्तर विष्टि 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872352 **जूलियन दिन** 2460817.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः इंसानियत का कारखाना

एक बार एक सज्जन महान वैज्ञानिक आइंस्टीन के पास आए। उन्होंने कुछ देर तक उनसे इधर-उधर की चर्चा की फिर बोले, 'आज विज्ञान ने एक से बढ़कर एक सुख-सुविधाओं के साधन बनाने में सफलता पा ली है। अब पलक झपकते ही दूरियां तय हो जाती हैं, कुछ ही क्षणों में सुविधाओं की सारी चीजें हमारे पास आ जाती हैं, मगर फिर भी जाने क्या बात है कि समाज में अशांति, असंतोष, कलह व बुराई पहले की अपेक्षा ज्यादा पनप रही है। आखिर इसका क्या कारण है? सुविधाएं अधिक होने पर तो इंसान को प्रसन्न होना चाहिए। उसके मन को शांति व संतोष भी मिलना चाहिए।' उस सज्जन की बातें सुनकर आइंस्टीन बोले, 'मित्र, हमने शरीर को सुख पहुंचाने वाले तरह-तरह के साधनों को खोजने में अवश्य सफलता प्राप्त कर ली है किंतु जीवन में असली सुख-शांति मन-मस्तिष्क को आंतरिक आनंद प्राप्त होने से मिलती है। क्या हमने इंसानियत का ऐसा कोई कारखाना लगाया है, जिससे लोगों के अंदर मर रही संवेदनाओं को जीवित किया जा सके, उनके अंदर त्याग, ममता, करुणा, प्रेम आदि को उत्पन्न किया जा सके? क्या हमने ऐसा कोई कारखाना बनाया है जहां पर मन-मस्तिष्क को आनंद देने वाले साधनों का निर्माण किया जाता हो?' आइंस्टीन की बात सुनकर वह सज्जन चकराए। उन्हें लगा शायद आइंस्टीन ऐसा कोई कारखाना लगाने के बारे में सोच रहे हों, तभी ऐसी बात कर रहे हैं। लेकिन उन्हें लगा कि यह तो मुमकिन नहीं है। इसलिए कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने अपनी जिज्ञासा रखी, 'भला इंसानियत के कारखाने का निर्माण कैसे संभव है? इंसानी भावनाएं तो इंसान के अंदर पनपती हैं मशीन के अंदर नहीं।' उनकी बात सुनकर आइंस्टीन ने मुस्कराते हुए कहा, 'जनाब, बिल्कुल ठीक कहा आपने। अशांति-असंतोष दूर करने के लिए हमें लोगों में इंसानियत की भावना पैदा करने की ओर ध्यान देना होगा। भौतिक साधनों से सुख-शांति कदापि नहीं मिल सकती।' वह सज्जन आइंस्टीन की बात से सहमत हो गए।

सूडोकु नवताल- 7159

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7158 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 8374

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8373 का हल

	र	ह	म	त		म		
	ह		द		प	त	घ	ट
स	ब	ल		बी	रा	न		क
	र	की	ब		या		ना	रा
स		र	ज	त	प	ट		व
र	वि		ब		न	ह	र	
ह		म	जा	क		नी	वा	ला
द	फ	ना	ना		सा		य	
		ही		ग	फ	ल	त	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे अंकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान रियल्टी और फार्मा, वाहन कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.51फीसदी तकरीबन 410 अंक बढ़कर 81,597 पर बंद हुआ। सुबह सेंसेक्स 81,328 पर खुला और ये दिन भर के कारोबार के दौरान 82,022 के उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद फिसल गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.52 फीसदी तकरीबन 130 अंक उछलकर 24,813 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार ये तेजी खरीदारी हावी होने के साथ ही शॉर्ट कवरिंग और भारत को लेकर मूडीज की रिपोर्ट से भी आया। ब्रॉडर मार्केट में खरीदारी से भी बाजार को बल मिला। इसके अलावा आज रियल्टी और फार्मा में अच्छी तेजी भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। दोनों इंडेक्स 1फीसदी से ज्यादा ऊपर आये। डीएलएफ , गोदरेज प्रॉपर्टीज, मैक्रोटेक डेवलपर्स सभी के शेयरों में बढ़त रही।

इसके अलावा रेलवे, डिफेंस और सरकारी कंपनियों के शेयरों में भी उछाला आया।। मिडकैप 0.78 फीसदी और स्मॉलकैप 0.38 फीसदी बढ़ा। आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील, बीईएल ,सिप्ला ,एचडीएफसी लाइफ के शेयर उछले जबकि कोटक महिंद्रा बैंक , ग्रासिम इंडस्ट्रीज , इंडसइंड बैंक और जएसडब्यू के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार सुबह तेजी से खुला। बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81,327.61 पर खुला। सुबह ये 803.97 अंक करीब 0.99 फीसदी की बढ़त लेकर 81,990.41 पर था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 29 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इंडसइंड बैंक के शेयरों में ही गिरावट थी। वहीं का निफ्टी बढ़त के साथ ही 24,744.25 अंक पर खुला। सुबह यह 253.50 अंक तकरीबन 1.03 फीसदी की बढ़त के साथ ही 24,937.40 पर कामकाज कर रहा था। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.83 फीसदी और 0.63 फीसदी ऊपर थे। सेक्टरोल मोर्चे पर रुझान मिला-जुला रहा। निफ्टी आईटी में 0.4 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 1.4 फीसदी की बढ़त रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले एशियाई बाजारों में बुधवार को तेजी रही। जबकि वॉल स्ट्रीट पर छह दिन से चल रहा बढ़त का सिलसिला समाप्त हो गया। जापान का निक्केई इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहा था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स 0.27 फीसदी बढ़ा। कोस्पी में 1.14 फीसदी की तेजी आई और एएसएक्स 200 में 0.6 फीसदी की तेजी आई।

भारत वैश्विक व्यापार के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में

नई दिल्ली। भारत, अमेरिकी शुल्क एवं वैश्विक व्यापार व्यवधानों के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि घरेलू वृद्धि चालक और निर्यात पर कम निर्भरता अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को कहा कि निजी खपत को बढ़ावा देने, विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की सरकारी पहल से वैश्विक मांग के कमजोर होते परिदृश्य की भरपाई करने में मदद मिलेगी। मुद्रास्फीति में कमी से ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है, जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक समर्थन मिलेगा, साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में नगदी से ऋण देने में सुविधा होगी। मीडिया रिपोर्ट में रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत कई अन्य उभरते बाजारों की तुलना में अमेरिकी शुल्क और वैश्विक व्यापार व्यवधानों से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है, जिसे मजबूत आंतरिक वृद्धि कारकों, बड़ी घरेलू अर्थव्यवस्था एवं माल व्यापार पर कम निर्भरता से बल मिलता है। रेटिंग एजेंसी ने इस महीने की शुरुआत में 2025 कैलेंडर वर्ष के लिए भारत के अपने आर्थिक वृद्धि अनुमानों को 6.7 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया था। अमेरिका के शुल्क दरों में बढ़ोतरी की घोषणा से उत्पन्न स्थितियों के बाद एजेंसी ने अनुमानों में बदलाव किया।

अब चेक बाउंस हुआ तो जाना होगा जेल, दो गुना जुर्माना भी लगेगा

नई दिल्ली। चेक से लेन-देन करने वाले हो जाएं होशियार। देशभर में बढ़ते चेक बाउंस मामलों को देखते हुए सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से नए और सख्त नियम लागू कर दिए हैं। इनका मकसद वित्तीय धोखाधड़ी पर शिकंजा कसना है, लेन-देन में पारदर्शिता लाना और शिकायतों का निपटारा करना है। अब अगर कोई जानबूझकर चेक बाउंस करता है, तो उसे दो साल जेल में काटने होंगे। साथ ही, दोषी व्यक्ति को चेक की रकम के दोगुने तक जुर्माना भी भरना होगा।

बता दें पहले शिकायत दर्ज करने की समयसीमा सिर्फ एक महीना थी, जिसे अब बढ़ाकर तीन महीने कर दिया है। इसके अलावा अब चेक बाउंस की शिकायत ऑनलाइन की जा सकेगी और ईमेल या एसएमएस जैसे डिजिटल सबूतों को भी कोर्ट में मान्यता मिलेगी। बैंक के लिए यह भी अनिवार्य किया गया है कि चेक बाउंस होने पर 24 घंटे के अंदर खाताधारक और चेक प्राप्तकर्ता दोनों को एसएमएस और ईमेल के जरिए सूचित करें। यदि किसी ग्राहक का चेक लगातार तीन बार बाउंस होता है, तो उसका खाता अस्थायी रूप से फ्रीज किया जा सकता है।

इससे बचने के लिए खाते में पर्याप्त राशि रखें, चेक भरते समय सावधानी बरतें और भुगतान में देरी हो तो लाभार्थी को पहले से सूचित करें। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत चेक बाउंस एक दंडनीय अपराध है। दोषी को कोर्ट फीस, वकील की फीस और बैंक द्वारा 100 से 750 तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

आपरेशन सिंदूर की सफलता व सैनिकों के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाते हुए देश के वीर जवानों के सम्मान में पुरे देश भर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी तरह 21 मई को शाम 5 बजे सिद्धेश्वर मंगल भवन से विधायक राजकुमार कर्राहे के नेतृत्व में भारी संख्या में लोगों ने शामिल होकर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। डीजे पर देशभक्ति गीतों के साथ भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा हाथ में तिरंगा झंडा लहराते हुए भारत माता की जय, वीर सपूतों की जयकारों के साथ तिरंगा यात्रा सिद्धेश्वर मंगल भवन से सुभाष चौक, सुभाष चौक से मेन रोड़ होते हुए गुजरी चौक, एवं वहां से सालेटेकरी रोड़ होते हुए पुन: सुभाष चौक पहुंची। कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने पर पर्यटकों से धर्म पूछ पूछ कर देश की बहनों का सिंदूर मिटाया, जिसके प्रतिशोध में देश की तीनों सेनाओं ने अपना पराक्रम दिखाकर आतंकियों के अड्डों के साथ पाकिस्तान के अनेक एयर बेस को तबाह कर मिशन सिंदूर को सफल बनाया। तिरंगा यात्रा सुभाष चौक में पहुंचने पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से पहलगाम में पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने पर पर्यटकों

से धर्म पूछ पूछ कर एक एक को पाकिस्तान के आतंकवादियों ने किया, इसी के विरोध में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सैनिकों ने पाकिस्तान के महत्वपूर्ण शहरों एयरबेस व आतंकी कैम्पों निशाना बनाकर पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। आपने तिरंगा यात्रा के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सभी सैन्यकर्मियों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जिसके लिए पूरा देश उनका सदैव आभारी रहेगा। उक्त रैली में विधायक राजकुमार कर्राहे, नगर अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, नप उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, आलोक चौरसिया, सोहन उपराड़े, बारेलाल बड़घैया, दुलीचंद राजनीरे, योगेश रामटेक्कर, कैलाश गोस्वामी, अविनाश रैंच, लालू अग्रवाल, उज्जवल श्रीवास्तव, योगेश कुलाहे, संजय सय्याम, किशोर रामटेक्कर, विजय गोस्वामी, समाजसेवी संतोष मोरघडे, बबलू शिवालिया, संतोष श्रीवास, मनीषा विशाल दुग्गड़, श्यामा मुरकुटे, वीणा उपराड़े, मीना बिलगौर, प्रेमा सिसोदिया, तुकाराम बारेकर, सूरजदीन गुप्ता, ताराचंद कुचलाहे, संतोष नाकतोड़े, अजय खरगाल, योगेन्द्र दहीकर, महेंद्र रणदिवे, ललीत अग्रवाल, राजू रामटेककर, रोशनलाल आसटकर, लक्ष्मण रामटेककर, सतीश दुरूगकर, संतोष वैष्णव, अशोक घरते, संतोष बड़घैया सहित भारी

सीईओ जनपद ने ली ब्लांक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के सभागार में 21 मई को रामगोपाल यादव मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी की अध्यक्षता में ब्लांक स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आजीविका मिशन अन्तर्गत गठित महिला स्व सहायता समूह के (सीसीएल) बैंक ऋण मुद्रा लोन एवं नये स्व सहायता समूहों के खाते खोलने संबंधी चर्चा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों की पूर्ति करने संबंधी चर्चा की गई। जिसमें 962 स्व सहायता समूहों को 37.16 सैतीस करोड़ सोलह लाख रूपयें का ऋण वितरण एवं मुद्रा लोन का लक्ष्य 579 हितग्राहियों को 5.79 पांच करोड़ नवासी लाख रूपये का ऋण वितरण कर लाभांवित करने एवं शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को पहुचाने संबंधी चर्चा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री अटल पेशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं जन आरोग्य योजना बीमा कराने आदि पर चर्चा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी द्वारा लक्ष्यों की पूर्ती किये जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं सीएम आवास की ऋण वसुली पर चर्चा की गई। आज बीएलबीसी में लीड बैंक मेनजर संजीव कुमार, नाबार्ड से रोशन महाजन, बैंक आफ महाराष्ट्र शाखा लांजी, कारंजा, भानेगांव, मप्र ग्रामीण बैंक शाखा लांजी, बहेला, भानेगांव एवं साडरा, स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा लांजी के प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधक उपस्थित रहे। साथ ही म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड लांजी से विकासखण्ड प्रबधक राजाराम परते, उद्यानिकी विभाग से नीलेश सुलखे एवं आरसेटी प्रशिक्षण सेंटर से एस.बी. भोंडेकर उपस्थित रहे ।

सीएम राइज विद्यालय लांजी के विद्यार्थियों को ओजेटी, तकनीकी और स्वास्थ्य क्षेत्रों से कराया परिचय

आईटी और हेल्थकेयर ट्रेड के विद्यार्थियों ने सीखा व्यावसायिक कौशल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सीएम राइज विद्यालय लांजी के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों ने 1 मई से 20 मई तक आयोजित 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग को सफलता पूर्वक पूर्ण कर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि अर्जित की। यह प्रशिक्षण आईटी और हेल्थकेयर ट्रेड के अंतर्गत संचालित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने व्यावसायिक कार्यस्थल पर प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया। आईटी ट्रेड के विद्यार्थियों की ट्रेनिंग लांजी स्थित यूनिवर्सल कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में सम्पन्न हुई, जहां डायरेक्टर रमेश आसटकर के मार्गदर्शन में कुल 88 विद्यार्थियों (कक्षा 10वीं के 45 और 12वीं के 43) को 100 घंटे की व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कक्षा 10वीं में 27 छात्र और 18 छात्राएं, तथा कक्षा 12वीं में 28 छात्र और 15 छात्राएं शामिल रहीं। सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। यह प्रशिक्षण वीटीपी - आईसीए एंड स्किल प्रा. लि. के सहयोग से विद्यालय के व्यावसायिक प्रशिक्षक किरण कुमार महारवाड़े की देखरेख में संचालित हुआ। महारवाड़े ने छात्रों को तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें कौशल आधारित शिक्षा की महत्ता समझाई। वहीं हेल्थकेयर ट्रेड की छात्राओं ने अपनी ऑन जॉब ट्रेनिंग सिविल अस्पताल लांजी में पूरी की। यह प्रशिक्षण व्यावसायिक प्रशिक्षक श्रीमती यमुना लिल्हारे के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें छात्राओं ने मरीजों की देखरेख, प्राथमिक उपचार, अस्पताल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

प्राचार्य और अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

विद्यालय के प्राचार्य पी.के. भीमटे ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्रों के भीतर आत्मविश्वास, कार्यकुशलता और प्रोफेशनल एटीट्यूड का विकास करते हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों एवं संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्रों को भविष्य में और ऊंचाइयों तक पहुंचने की शुभकामनाएं दीं। इस ऑन जॉब ट्रेनिंग के माध्यम से सीएम राइज विद्यालय लांजी के छात्रों ने शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास की दिशा में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। ऐसे प्रयास निश्चित ही स्किल इंडिया अभियान को मजबूती प्रदान करेंगे और विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी बनाएंगे।

खरीफ फसल की तैयारी को लेकर एसडीएम ने ली समीक्षा बैठक

किसानों को मिले गुणवत्ता युक्त खाद्य बीज

लांजी (पद्मेश न्यूज)। आगामी कृषि खरिफ 2025 की पूर्व तैयारी हेतु कमलचंद सिंहसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)लांजी की अध्यक्षता में एवं खुदीराम सनोडीया अनुविभागीय अधिकारी कृषि, कुलदीप गणवीर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, मयाराम बैगा, म.प्र. विपणन संघ लांजी गोदाम प्रभारी की प्रमुख उपस्थिति में 21 मई को अनुविभागीय अधिकारी कृषि कार्यालय में बैठक आयोजित की गई । इस दौरान सेवा सहकारी समितियों की भी समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें

किसानों को उच्च गुणवत्ता का बीज एवं उर्वरक, वर्तमान में भण्डारित उर्वरक की मात्रा, सहकारी समिति एवं राज्य विपणन संघ व कृषि केन्द्रों के संचालको से जानकारी प्राप्त की गई एवं निर्देशीत किया गया कि आने वाले आगामी खरिफ फसल 2025 हेतु पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध रहें। साथ ही किसी प्रकार से गुणवनाहीन बीज तथा अमानक उर्वरक किसानों को न दिया जाये।

एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सीएटीसी 96

एनसीसी प्रशिक्षण शिविर की कैडेटस् के व्यक्तित्व विकास में है महत्वपूर्ण भूमिका

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय जबलपुर के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एजी बरबरे के मार्गदर्शन में तथा कैम्प कमाण्डेन्ट ले. कर्नल विनीत कमल गुप्ता मप्र बटालियन एनसीसी बालाघाट के तत्वाधान में दस दिवसीय 96 वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। शिविर में कैम्प कमाण्डेन्ट ले. कर्नल गुप्ता ने कहा कि समस्त कैडेट्स एकता और अनुशासन के सिद्धांत का पालन करते हुए प्रशिक्षण लेंगे। कैम्प के उद्देश्य के बारे में अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि कैडेटस् को जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित कर भविष्य निर्माण के लिये अथक परिश्रम करना चाहिये। एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेटस् के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु होनहार नागरिक निर्माण करता है। उन्होंने शिविर के उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु अनुशासन के साथ कर्तव्य निष्ठा, चरित्र एवं मानवीयता के साथ कार्य करने की प्रवृति पर जोर दिया। तथा सायंकाल में गेस्ट लेक्चर के तहत विख्यात पर्यावरणविद अभय कोचर द्वारा प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट पर शानदार व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होने बताया कि किस तरह से प्लास्टिक हमारे जीवन में प्रवेश कर बहुत सारी बीमारियो को निमंत्रण दे रहा है, वेस्ट से हम अपनी जरूरत की चीजे बना सकते है, तथा उन्होने प्लास्टिक का उपयोग ना करने की सलाह दी। इस अवसर पर कैम्प द्वितीय एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे, द्वितीय एनसीसी अधिकारी अशोक रावडे तथा अन्य सहयोगी एनसीसी अधिकारी के साथ प्रशिक्षण एनसीओ हवलदार हंसराज, शिविर सीएचएम हवलदार मनोहर एवं साथ सहयोगी पीआई भी उपस्थित रहे।

शासकीय उमावि बहेला में आईटी के छात्रों का हुआ ओजेटी कार्यक्रम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। स्वरोजगार योजना अंतर्गत शालाओं में संचालित व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में भी आईटी और ई एच ट्रेड संचालित है जिसमें आईटी के छात्रों का ओजेटी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें व्यावसायिक प्रशिक्षक प्रेमानंद लिल्हारे द्वारा ग्राम पंचायत बहेला एवं शिव आनलाईन सेंटर का भ्रमण किया गया। छात्र प्रतिदिन उक्त स्थान पर कम्प्यूटर की जानकारी प्राप्त किए। मार्गदर्शक शिक्षक प्रेमानंद लिल्हारे ने बताया कि ये भविष्य में छात्रों के लिए बहुत अधिक उपयोगी साबित होगा। इस कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य गणेश फरदे एवं समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन 20 मई को ग्राम पंचायत बहेला के सरपंच श्रीमती सुनीता चौरागड़े एवं अशोक चौरागड़े की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष फरदे ने छात्रों को अवगत कराया कि वर्तमान एवं भविष्य में आईटी जीवन के सभी क्षेत्रों में उपयोगी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार को दिया आदेश

मप्र में बढ़ेगी डॉक्टरों की रिटायरमेंट सीमा

भोपाल। मध्य प्रदेश में एलोपैथी डॉक्टरों के रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष है। जबकि हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आयुष डॉक्टर और शिक्षकों के रिटायरमेंट की सीमा 65 वर्ष करने की घोषणा की है। इधर वेटरनरी डॉक्टर भी बीते कई सालों से सेवानिवृत्त की आयु में वृद्धि की मांग कर रहे थे। लेकिन राज्य सरकार ने मांगो पर जब अमल नहीं किया, तो वेटरनरी डॉक्टरों ने इसके खिलाफ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की थी।

बता दें कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय से पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में पशु चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने का निर्देश दिया है। इस मामले में उच्च न्यायालय में रिट याचिका क्रमांक 9935/2022 डॉ केएस तोमर अध्यक्ष सपाक्स और अन्य कर्मचारी संगठनों और सहयोगी चिकित्सकों ने लगाई थी। जिसमें एलोपैथी डॉक्टर की तरह पशु चिकित्सकों के रिटायरमेंट की उम्र सीमा भी 65 वर्ष करने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट के आदेश से ये होगा बदलाव

पशु चिकित्सक अब एलोपैथी डॉक्टरों की तरह 65 वर्ष तक सेवाएं दे सकेंगे। एलोपैथिक डॉक्टरों और आयुष डॉक्टरों के समान पशु चिकित्सा डॉक्टरों को भी सेवानिवृत्ति की आयु वृद्धि का लाभ मिलेगा। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह भी आदेश दिया है कि वह पशु चिकित्सा डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष तक निर्धारित करने के लिए उचित प्रावधान और नियम भी बनाए।

मप्र में पशु चिकित्सकों के 406 पद स्वीकृत

बता दें कि मप्र में पशु चिकित्सकों के 406 पद स्वीकृत हैं। जिनमें 365 पदों पर डॉक्टर काम कर रहे हैं। सपाक्स अध्यक्ष डॉ. केएस तोमर ने उच्च न्यायालय के इस निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया है और राज्य सरकार से इस निर्णय को जल्द से जल्द लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से पशु चिकित्सा डॉक्टरों को अपनी सेवाएं और अधिक समय तक प्रदान करने का अवसर मिलेगा, जिससे पशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और पशुपालकों को लाभ होगा।

साक्षात्कार में बुलाए जाएंगे पदों के तीन गुना ही आवेदक

मप्र में सरकारी नौकरी में भर्ती व साक्षात्कार की नई व्यवस्था का प्रारूप तैयार हो जाएगा

भोपाल। प्रदेश में अगले तीन वर्ष में ढाई लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां होनी हैं। भर्ती नियम में एकरूपता के लिए सरकार माडल नियम बनाने जा रही है तो साक्षात्कार की व्यवस्था में भी परिवर्तन प्रस्तावित किया गया है। दरअसल, कुछ विभागों में वाक इन इंटरव्यू की व्यवस्था है। इसमें पदों की सीमित संख्या के बाद भी कई गुना अभ्यर्थी बुला लिए जाते हैं। इसके स्थान पर अब राज्य लोक सेवा आयोग जैसी व्यवस्था को अपनाया जाएगा, जिसमें एक पद के विरुद्ध तीन गुना आवेदक बुलाए जाते हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के साथ विभिन्न विभागों में बैकलाग हों या फिर निशक्तजनों के लिए आरक्षित पदों की भर्ती, इनको भरने के लिए सरकार वाक इन इंटरव्यू करती है। इसमें भाई-भतीजावाद से लेकर तरह-तरह की शिकायतें होती हैं। पद संख्या कम होने के बाद कई गुना आवेदक बुलाने से अव्यवस्था भी होती है। इसे देखते हुए तय किया गया है कि वॉक इन इंटरव्यू के स्थान पर राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा अपनाई जाने वाली एक पद के विरुद्ध तीन गुना आवेदक को साक्षात्कार में बुलाने की व्यवस्था अपनाई जाएगी। चूंकि, इसमें मेरिट का पालन होता है, इसलिए, पारदर्शिता भी रहेगी। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जून-जुलाई में भर्ती नियम में संशोधन होगा। साक्षात्कार की नई व्यवस्था का प्रारूप तैयार होगा, जिसे कैबिनेट की मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा।

सड़क-हादसे में घायलों को गोल्डन आवर में मिलेगा मुफ्त इलाज

भोपाल। अगर किसी का एक्सीडेंट हो गया है, तो अब उसे अस्पताल ले जाने से पहले पैसे जुटाने या कागजी औपचारिकताओं में समय गंवाने की जरूरत नहीं होगी। हर घायल को गोल्डन आवर में इलाज मिल सकेगा। केंद्र सरकार की कैशलेस हेल्थकेयर स्कीम फॉर रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स जून से मध्यप्रदेश में लागू होने जा रही है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को 1.5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। वह भी बिना बीमा और बिना किसी एडवांस पेमेंट के। योजना के अंतर्गत घायल व्यक्ति को नजदीकी आयुष्मान इमपेनल्ड अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। सूचना मिलते ही डायल 100 या अन्य आपात सेवाएं जियो टैगिंग की मदद से घायल को ट्रेस करेंगी और तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाएगा। मरीज के परिवार को अस्पताल के बिल या कागजी कार्रवाई की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।

प्राथमिक उपचार से सर्जरी तक

प्राथमिक उपचार से भर्ती, दवाइयां, जांच, ऑपरेशन व आवश्यकता होने पर आईसीयू और सर्जरी तक की सुविधा मिलेगी। यह सब इलाज बिल्कुल मुफ्त और कैशलेस होगा। मरीज के पास बीमा न होने पर भी इलाज मिलेगा।

हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल द्वितीय परीक्षा आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल ने सत्र 2024-25 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिये पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि में वृद्धि की है। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिये अथवा अनुत्तीर्ण छात्र उत्तीर्ण विषयों के अंक सुधार के लिये अब 25 मई 2025 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों की द्वितीय परीक्षा के लिये 31 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किये जा सकेंगे।

महिला आयोग ने सरकार को सौंपी जांच सिफारिशें

भोपाल। राजधानी में कॉलेज छात्राओं से जुड़े लव-जिहाद मामलों को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। आयोग ने इन घटनाओं को महज व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संगठित साजिश का हिस्सा बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपियों ने पीड़िताओं पर धर्मांतरण का दबाव बनाया और उनके पीछे किसी संगठित नेटवर्क या फंडिंग की संभावना जताई है। यह रिपोर्ट आयोग की एक जांच टीम द्वारा तैयार की गई है, जिसका नेतृत्व झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मल कौर ने किया। टीम ने 3 से 5 मई तक भोपाल में रहकर विभिन्न पक्षों से जानकारी जुटाई। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में अनुशंसा की है कि कुछ शिक्षण संस्थान सस्ती दरों पर ली गई जमीन और सरकारी योजनाओं का अनुचित लाभ उठा रहे हैं। स्कॉलरशिप और मुफ्त शिक्षा योजनाओं की आड़ में शिक्षा के नाम पर व्यावसायिक रैकेट चलाए जा रहे हैं। ऐसी गतिविधियों की गहन जांच होनी चाहिए।

रिपोर्ट में पुलिस के लिए भी दिए सुझाव

आयोग ने पुलिस को लेकर भी अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिए हैं। इसमें आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं में केस दर्ज करने की सिफारिश की गई है। धर्मांतरण दबाव और संदिग्ध फंडिंग एंगल की जांच करने को कहा गया है। ड्रग्स के उपयोग या तस्करी के एंगल से भी जांच करना का सुझाव दिया गया है। साथ ही कहा गया है कि पीड़िताओं की मानसिक स्थिति को देखते हुए पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर से बचाव के लिए काउंसलिंग, जेंडर सेंसिटाइजेशन और संवाद कौशल में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करने साथ ही मोहल्ला समितियों के साथ त्रैमासिक बैठकें नियमित करने को कहा गया है।

कॉलेजों के लिए दिशा-निर्देश

सभी कॉलेजों को प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कर इसकी रिपोर्ट प्रशासन को देना अनिवार्य किया गया है। इसमें निर्देश दिए गए है कि आंतरिक शिकायत समितियों को प्रशिक्षित किया जाए। संस्थानों में हेल्पलाइन नंबर और ई-मेल आईडी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हों। स्कॉलरशिप प्राप्त छात्रों की उपस्थिति और कॉलेज छोड़ने के कारणों का रिकॉर्ड रखना जरूरी। महिला केंद्रित योजनाओं की राशि के उपयोग और वितरण की जानकारी भी साझा की जाए।

क्यों जरूरी है गहन जांच?

रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरफ्तार आरोपी छात्राओं को महंगे उपहार, ब्रांडेड कपड़े और बाइक जैसी चीजों से लुभाकर प्रेम-जाल में फंसा रहे थे। जबकि उनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति कमजोर पाई गई, लेकिन जीवनशैली अत्यधिक ऐशोआराम वाली थी। इससे संगठित अपराध, विशेषकर ड्रग्स तस्करी या अन्य फंडिंग स्रोतों की संभावना की ओर संकेत मिलता है।

86 करोड़ की लागत से विकसित हुए मप्र के 6 स्टेशन

देश के 103 अमृत भारत स्टेशनों का पीएम मोदी आज करेंगे उद्घाटन

भोपाल। भारतीय रेलवे ने 1300 से अधिक स्टेशनों के कायाकल्प की शुरुआत की है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 मई को 103 स्टेशनों का उद्घाटन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत होने जा रहा है। मध्य प्रदेश के छह स्टेशन-कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और ओरछा शामिल हैं।

गौरतलब है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे 1300 से अधिक स्टेशनों में जो 103 स्टेशन अभी बनकर तैयार हुए हैं, उनमें मध्य प्रदेश राज्य के छह स्टेशन-कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और ओरछा शामिल हैं। 86 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इन स्टेशनों में सौंदर्य, सुविधा और संस्कृति तीनों का समन्वय है। इन स्टेशनों पर भव्य प्रवेश द्वार, आकर्षक फसाड, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉडर्न टॉयलेट और दिव्यांगजन के लिए सुगम रैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। प्लेटफॉर्म पर शेल्टर, कोच इंडिकेशन सिस्टम और सूचना के लिए डिजिटल डिस्प्ले लगाए गए हैं। सभी सुविधाओं को दिव्यांगजन अनुकूल बनाया गया है। वहीं, हर स्टेशन पर मध्य प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिल रही है।

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन 26 करोड़ से हुआ विकसित

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन, जिसे अब आधुनिक सुविधाओं और सांस्कृतिक पहचान के साथ नया स्वरूप प्रदान किया गया है, 26 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। यह स्टेशन नर्मदा संस्कृति और स्थानीय लोककला पर आधारित थीम के तहत डिज़ाइन किया गया है, जिससे यह केवल एक यात्री ठहराव का स्थान नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक अनुभव बन गया है। पुनर्विकास कार्यों में स्टेशन भवन का नवनिर्माण, भव्य प्रवेश द्वार, विकसित प्रतीक्षालय, पर्याप्त टिकटिंग काउंटर, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय एवं रैम्प, 12 मीटर चौड़ा नया फुट ओवर ब्रिज और दोनों ओर के हाई लेवल प्लेटफॉर्म पर कवर शेड्स शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए 3100 वर्गमीटर क्षेत्र में सर्कुलेटिंग एरिया का सौंदर्यीकरण किया गया है और 1000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में आधुनिक एलईडी लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। नर्मदापुरम स्टेशन अब सिर्फ एक रेलवे हब नहीं, बल्कि मां नर्मदा की आध्यात्मिक धरा पर आधुनिक भारत की झलक प्रस्तुत करता है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस विकास से स्थानीय यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सांस्कृतिक समृद्धि को भी गति मिलेगी।

यात्रियों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं

शाजापुर रेलवे स्टेशन अब आधुनिकता और परंपरा का संगम बन चुका है। 13 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित इस स्टेशन में यात्रियों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। प्लेटफॉर्मों का उच्चीकरण, नया फुट ओवर ब्रिज, विस्तारित छायादार क्षेत्र, सौंदर्यीकृत सर्कुलेटिंग एरिया, नव निर्मित प्रवेश द्वार, सुव्यवस्थित टिकट काउंटर और आधुनिक प्रतीक्षालय अब इस स्टेशन की पहचान बन चुके हैं। स्टेशन भवन के फासाद को भी आकर्षक और सांस्कृतिक रूप में नया डिजाइन दिया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए, पुरुष एवं महिला शौचालयों के साथ-साथ दिव्यांगजन अनुकूल विशेष सुविधाएं, वीआईपी प्रतीक्षालय, द्वितीय श्रेणी वेटिंग हॉल और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी की मप्र में पहली जनसभा

जंबूरी मैदान में 2 लाख बहनों को करेंगे संबोधित

भोपाल। मप्र वह पहला राज्य होगा जहां ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी जनसभा के लिए पहुंच रहे हैं। 31 मई को होने जा रहे इस आयोजन की प्रस्तावना तो देवी अहिल्या बाई होल्कर के जन्मशताब्दी वर्ष के रूप में तैयार की गई है। लेकिन माना जा रहा है कि महिलाओं को समर्पित इस आयोजन के जरिए पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थितियों में बड़ा सियासी संदेश दे सकते हैं।

इस आयोजन में देश की सीमा पर सरहद की हिफाजत करते कुर्बान हुए देश के वीर सैनिकों की पत्नी-माताएं और बहनें भी सम्मानित की जाएंगी।

भोपाल में मोदी दे सकते हैं बड़ा संदेश

भोपाल में होने जा रही जनसभा ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी की पहली जनसभा होगी। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया कि इस जनसभा में भोपाल में दो लाख बहनें आएंगी। ये वो बहनें होंगी, जो आत्मनिर्भर हैं। और प्रधानमंत्री मोदी की लखपति दीदी की संकल्पना के रूप में खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जैसा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 समिट में कहा था कि आगामी समय में दुनिया के अंदर वुमन लीड करेंगी। उन्होंने देवी अहिल्या बाई का उदाहरण देते हुए कहा कि तीन सौ वर्ष पूर्व देवी अहिल्या बाई महेश्वर साड़ी बुनवा रही थी। और ये काम समूह में ही महिलाएं किया करती थीं। उनकी उसी संकल्पना पर आज स्वसहायता समूह खड़े हुए हैं। वीडी शर्मा ने कहा कि 31 मई को होने जा रही देवी अहिल्या बाई जयंती के समापन अवसर पर प्रदेश भर से दो लाख महिलाएं पहुंचेगी।

आयोजन की अहम जवाबदारी महिलाओं के पास

प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में हो रहे महिला सम्मेलन के अंतर्गत मंच संचालन, क्रॉउड मैनेजमेंट, यातायात प्रबंधन, मीडिया प्रबंधन और सुरक्षा सहित सम्पूर्ण व्यवस्था की कमान महिलाओं को सौंपी जाएगी। यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने सम्मेलन में पधार रहीं महिलाओं के सुगम आगमन-प्रस्थान, उचित बैठक व्यवस्था के साथ ही पेयजल और खान-पान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

देश का दूसरा सबसे बड़ा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स बनेगा मप्र में

सागर में 2028 तक शुरू हो जाएगा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

भोपाल। कभी पिछड़ेपन की पहचान रहा मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड अब तेजी से बदल रहा है। बुंदेलखंड में जहां केन-बेतवा लिंक जैसी नदी परियोजनाएं कृषि के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाली हैं। वहीं, बीना में बन रहे मध्य प्रदेश के सबसे बड़े पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का काम तेजी से चल रहा है। संभावना है कि 2028 में ये बनकर तैयार हो जाएगा। ये सिर्फ बुंदेलखंड ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश को इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगा। 20 सितंबर 2023 को पीएम मोदी ने सागर की बीना तहसील के आगासौद में स्थित बीपीसीएल की रिफाइनरी में इस प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी।

पहला और देश का दूसरा सबसे बड़ा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसके शिलान्यास के बाद इस अत्याधुनिक प्लांट का काम तेजी से चल रहा है। बीना रिफाइनरी परिसर में बन रहे काम्प्लेक्स के भूमि समतलीकरण का काम लगभग आधा हो चुका है। इसके अलावा यहां एक बहुत बड़े वेयरहाउस का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। रिफाइनरी के मुख्य प्रबंधन के अनुसार, ये प्रोजेक्ट तय समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहा है। अगस्त तक यहां

भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा 49 हजार करोड़ की लागत से बीना रिफाइनरी परिसर में तैयार हो रहा पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स राज्य का कॉम्प्लेक्स के सिविल कंस्ट्रक्शन का काम लगभग पूरा हो जाएगा। जिसके बाद पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य शुरू होगा। इसी रफ्तार से काम चलता रहा, तो 2028 तक ये काम्प्लेक्स काम करना शुरू कर देगा।

रिफाइनरी की क्षमता हो जाएगी दोगुनी

इस नए प्रोजेक्ट के कारण बीना रिफाइनरी की मौजूदा क्षमता दोगुनी हो जाएगी। फिलहाल रिफाइनरी की क्षमता 7.8 मिलियन मीट्रिक टन है, जो आगे चलकर 15 मिलियन मीट्रिक टन हो जाएगी। यहां के औद्योगिक काम्प्लेक्स में प्लास्टिक, सिंचाई पंप, पेंट और नायलॉन जैसे 200 से ज्यादा उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट के शुरू होते ही हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। जिससे बुंदेलखंड के काफी लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना होगा।

बदलेगी पूरे बुंदेलखंड की तस्वीर

सागर के पूर्व सांसद और वर्तमान में टीकमगढ़ सांसद और केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार खटीक का कहना है कि ये रिफाइनरी मेरे कार्यकाल में शुरू हुई थी और हमारी सरकार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके विस्तार की जो कल्पना की है, उसके साकार होते ही बुंदेलखंड, चंबल और मध्य भारत इलाके में बेरोजगारी की कमी आएगी। सागर, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन और ग्वालियर के अलावा कई जिलों के लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। आने वाला कल बुंदेलखंड की प्रगति की नई इबारत लिखेगा।

पूर्व विधायक के एटीएम का क्लोन बनाकर एकाउंट से 54 टांजेक्शन कर 6 लाख 83 हजार उड़ाये

लाखो की रकम निकलने पर बैंक से मैसैज नहीं आया -आखिरी बार 92 रुपये का ट्रांजेक्शन होने पर आया मैसैज

भोपाल। भोजपुर विधानसभा सीट से पूर्व विधायक और एडिशनल डीसीपी के चाचा रामकिशन चौहान के एटीएम का क्लोन बनाकर जालसाजों ने उनके बैंक एकाउंट से 54 बार टांजेक्शन कर 6 लाख 83 हजार की रकम उड़ा दी। हैरानी वाली बात यह है, की दर्जनो बार हुए ट्रांजेक्शन में लाखो की रकम निकाले जाने पर उन्हें बैंक की ओर से कोई मैसैज नहीं आया लेकिन आखिरी बार किये गये 92 रुपये के ट्रांजेक्शन का मैसैज आया। इस पर वो बैंक पहुंचे जिसके बाद उन्हें जालसाजी का पता चला। सायबर सेल पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अरेरा कॉलोनी में रहने वाले रामकिशन चौहान भोजपुर विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। उनका भतीजा भोपाल में एडिशनल डीसीपी के पद पदस्थ हैं। पंजाब नेशनल बैंक में उनका खाता है। 5 मई को उनके बैंक खाते से 92 रुपए के टांजेक्शन होने का मैसेज आया था। इसके बाद वह बैंक पहुंचे और अपने एकाउंट के ट्रांजेक्शन की डिटेल निकाली। जिसमें पता चला कि 2 फरवरी से 1 मई के बीच 54 बार हुए टांजेक्शन के माध्यम से उनके एकाउंट से 6 लाख 83 हजार रुपए निकाले गए हैं। इस मामले को लेकर पूर्व विधायक सायबर सेल पुलिस को लिखित में आवेदन दिया था। आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि पूर्व विधायक ने फरवरी महीने में अरेरा कॉलोनी के एक एटीएम से रकम निकाली थी। पुलिस का अनुमान है, कि इसी दौरान उनके कार्ड का क्लोन बनाया गया।

नौतपा से पहले मप्र में आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे

आंधी से सागर में छप्पर के साथ उड़े बच्चे, रायसेन-नर्मदापुरम में बिजली पोल गिरे, रेलवे लाइन भी टूटी

भोपाल। नौतपा से पहले मप्र में आंधी-बारिश वाला मौसम है। मई में एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब किसी न किसी जिले में बारिश न हुई हो। बुधवार को प्रदेश के 13 से ज्यादा जिलों में बुधवार को आंधी-बारिश का दौर रहा। कुछ जिलों में ओले भी गिरे। भोपाल-इंदौर में दोपहर तक तेज गर्मी रही, लेकिन इसके बाद हल्की बारिश शुरू हो गई। सीहोर के कई गांवों में ओले गिरे। रतलाम, विदिशा में तेज आंधी वाला मौसम रहा।

धार, रतलाम, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, रायसेन, रीवा, सागर, बालाघाट में भी बारिश का दौर चलता रहा। नर्मदापुरम रोड पर मंडीदीप और औबदुल्ला गंज के बीच 10 से ज्यादा बिजली के पोल तेज हवा से झुक गए। रायसेन में 50 किलोमीटर की रफ्तार से चली आंधी के चलते कई दुकानों के टीन शेड और साइन बोर्ड उड़ गए। बिजली के करीब 50 खंभों को भी नुकसान पहुंचा है। सागर के बंडा विकासखंड के गोरा गांव में आंधी चलने से घर की छप्पर उड़ गए। छप्पर के सहारे खड़े दो बच्चे भी उसके साथ ही ऊपर उछल गए। हालांकि दोनों बच्चों की हालत ठीक बताई जा रही है।

आंधी से कई पोल गिरे, रेलवे लाइन भी टूटी

नर्मदापुरम रोड पर तेज आंधी चलने से मंडीदीप से आगे बिजली के 10 से ज्यादा पोल नीचे झुक गए। कई गांवों में बिजली व्यवस्था भी

ध्वस्त हो गई। होशंगाबाद रोड पर रेलवे की लाइन भी टूट गई है, जिसकी मरम्मत की जा रही है।

तेज आंधी से दुकानों के टीन शेड उड़े

रायसेन में भी दोपहर बाद मौसम बदल गया। गौहरगंज और औबेदुल्लागंज के बीच 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके चलते कई दुकानों के टीन शेड उड़ गए। साइन बोर्ड भी टूटकर सड़क पर गिर गए। 50 से ज्यादा बिजली पोल के गिरने की खबर भी है।

छप्पर के साथ हवा में उड़े दो बच्चे

सागर के बंडा विकासखंड के ग्राम गोरा में आंधी से कच्चे मकान का छप्पर उड़ गया। उसे पकड़कर खड़े दो बच्चे भी हवा में छप्पर के साथ उड़े। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है।

आगर मालवा में आधे घंटे तक तेज बारिश

आगर मालवा में मई महीने का मौसम इस साल अलग पैटर्न दिखा रहा है। सुबह से दोपहर तक तेज धूप रहती है। शाम होते ही मौसम बदल जाता है। बादल छाने के साथ तेज आंधी और बारिश का सिलसिला रोज चल रहा है। बुधवार को दोपहर 3 बजे के बाद मौसम में अचानक बदलाव आया। पहले तेज हवा चली। फिर झमाझम बारिश शुरू हो गई। नलखेड़ा और कानड़ क्षेत्र में हल्की बारिश हुई। जिला मुख्यालय और तनोडिया में तेज बारिश दर्ज की गई। बारिश का यह दौर शाम 4 बजे तक चला। मौसम में लगातार आ रहे बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर दिख रहा है। जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टर्स ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

शिक्षकों ने दूसरों को दे दिए लॉगिन-पासवर्ड

नर्सिंग में अब नया घोटाला, कॉपी जांचने में बड़ा फर्जीवाड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग फर्जीवाड़े से जुड़ा एक और बड़ा स्कैम सामने आया है। एमपी नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल द्वारा चार साल बाद दिसंबर 2024 में आयोजित की गई जीएनएम और एएनएम की लंबित परीक्षाओं में अब उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गड़बड़ी उजागर हुई है। कॉपी जांचने वाले शिक्षकों पर लॉगिन पासवर्ड दूसरे व्यक्ति को देने के गंभीर आरोप लगे है। काउंसिल की तकनीकी निगरानी में यह खुलासा हुआ है। वहीं इस खुलासे के बाद परीक्षा की गोपनीयता और विश्वसनीयता पर भी अब सवाल उठ रहे हैं।

जांच में सामने आया है कि जिन शिक्षकों को मूल्यांकन की जिम्मेदारी दी गई थी, उन्होंने अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड अन्य लोगों को सौंप दिए। नियमों के अनुसार, उत्तर पुस्तिकाएं केवल शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी द्वारा जांची जानी चाहिए। वहीं कॉपी जांचने के लिए हर शिक्षक को व्यक्तिगत लॉगिन आईडी और पासवर्ड दिए गए थे। एक शिक्षक को एक दिन में अधिकतम 70 कॉपियां जांचने की अनुमति दी गई। लेकिन कुछ शिक्षकों के रिकॉर्ड के अनुसार 150 कॉपियां तक जांची। जिसके बाद मूल्यांकन की निष्पक्षता और गुणवत्ता संदेह के दायरे में आ गई है। इसके बाद काउंसिल ने कार्रवाई की जगह सिर्फ चेतावनी दी है।

जांच में हुआ बड़ा खुलासा

दरअसल लॉगिन आईडी और पासवर्ड किसी दूसरे से साझा करना प्रतिबंधित है। लेकिन जांच में यह सामने आया कि लॉगिन पासवर्ड दूसरे शहर में भी ओपन हुई है। यह खुलासा खुद काउंसिल की तकनीकी निगरानी के दौरान हुआ, जिसमें लॉगिन की लोकेशन ट्रैकिंग से यह साबित हुआ कि कई शिक्षकों के अकाउंट्स मप्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर सक्रिय हुए। कुछ लॉगिन तो राज्य की सीमाओं से बाहर के मिले। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि आईडी के दुरुपयोग और गोपनीयता भंग करने के मामले में आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर शिक्षकों को एमपी सिविल सर्विस रूल्स के अंतर्गत निलंबित किया जाना चाहिए।

गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

अहमदाबाद। आईपीएल में गुरुवार को गुजरात टाइटंस की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला करेगी। टाइटंस की टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है पर उसका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल कर शीर्ष दो टीमों में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। गुजरात के 18 अंक हैं और अभी वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं अन्य दो टीमों है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और पंजाब किंग्स के 17-17 अंक हैं। ऐसे में शीर्ष दो के लिए मुकाबला रोचक है। अगर गुजरात ये मैच जीत जाती है तो उसके 20 अंक हो जाएंगे और वह शीर्ष पर बनी रहेगी।

गुजरात की टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। उसके बल्लेबाज बी साइ सुदर्शन के अलावा कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर जबरदस्त फार्म में हैं। सुदर्शन ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर हैं। वहीं

गेंदबाजी की बात करें तो उसके गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और वह पर्पल कैप के दावेदार हैं। वहीं मोहम्मद सिराज और स्पिनर बी साइ किशोर ने भी प्रभावी गेंदबाजी की है।

दूसरी ओर लखनऊ की टीम प्लेऑफ्स की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर किसी प्रकार लय हासिल करना रहेगा। टीम के कप्तान ऋषभ पंत अब तक असफल रहे हैं। टीम के बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है जिससे वह लगातार संघर्ष करती दिखी है। बल्लेबाजी में मिचेल मार्श, एडेन माक्रम और निकोलस पूरन ने ही रहन बनाये हैं। मध्यक्रम के असफल होने से उसके उम्मीद समाप्त हुई हैं। उसके गेंदबाज भी फिटनेस को लेकर परेशान रहे हैं। उसे इस मैच में अपने सफल स्पिनर दिग्वेश राठी के बिना ही उतरना होगा। राठी पर पिछले मैच में आचार संहित उल्लंघन के लिए एक मैच का प्रतिबंध लगा दिया गया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

गुजरात टाइटन्स- शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, शेरफेन रदरफोर्ड, निशांत सिद्धू, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, आर साई किशोर, जयंत यादव, करीम जनत, बी साई सुदर्शन, दासुन शनाका, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गेराल्ड कोएट्ज़ी, गुरनूर सिंह बरार, इशांत शर्मा, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया और राशिद खान।

लखनऊ सुपर जाएंट्स- ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

जॉन सीना और आर-ट्रुथ के मुकाबले पर उठे सवाल

लास वेगास। डब्ल्यू डब्ल्यू ई रेसलर जॉन सीना और आर-ट्रुथ के बीच मुकाबले को लेकर जहां प्रशंसकों में जबरस्त उत्साह है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि ये मुकाबला सही नहीं है क्योंकि 53 साल के आर-ट्रुथ इसके लिए फिट नहीं हैं। वहीं कुछ लोगों को लगता है कि यह मुकाबला मजेदार हो सकता है क्योंकि ट्रुथ को सीना अपना आदर्श मानते हैं। बचपन का हीरो मानते हैं। दूसरी ओर एक पूर्व रेसलिर विंस रूसो ने इस मुकाबले को लोकप्रियता हासिल करने का स्टंट माना है।उनका कहना है कि कंपनी यह मुकाबला सिर्फ जॉन सीना को चर्चाओं में लाने कर रही है। वह मार्च में एलिमिनेशन चैंबर में बाहर हो गये थे।

विंस रूसो प्रो रेसलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे हैं। उन्होंने 90 के दशक में अपना करियर शुरू किया था। वह डब्ल्यू डब्ल्यू ई की क्रिएटिव टीम का भी हिस्सा थे। रहे हैं। उनका मानना है कि सीना और आर-ट्रुथ का आमना-सामना पूरी तरह से गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुकाबले के लिए कोई खास कहानी नहीं बनाई गई है।

रूसो ने कहा कि यह बिल्कुल बेकार है। वे केवल एक इवेंट बनाना चाहते हैं। इसके लिए कोई कहानी या तैयारी नहीं है। वे जल्दी से सब कुछ समाप्त करना चाहते हैं। वे शायद इस मुकाबले का इस्तेमाल सीना पर गंभीर हीट लाने के लिए करेंगे। इस मुकाबला डब्ल्यू डब्ल्यू ई मुकाबले से सीना की वापसी होगी। इससे पहले बैकलेश में उन्होंने रैंडी ऑर्टन को हराकर अपना खिताब बनाये रखा था।

विराट अपने आक्रामक अंदाज से विरोधी टीमों पर दबाव बनाते हैं - शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपने खेल और आक्रामक अंदाज से विरोध टीमों पर दबाव बना देते थे। शास्त्री जब भारतीय टीम के कोच थे। उसी दौरान विराट टीम के कप्तान थे। इस जोड़ी को मिलकर भारतीय क्रिकेट को आक्रामक और विजेता इकाई में बदलने के लिए जाना जाता है। शास्त्री ने कहा कि कोहली के काम करने का अंदाज उन्हें विश्व का सबसे फिट खिलाड़ी बनाता है। अपने जुनून से उन्होंने भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम में बदला है। वह मैदान पर केवल खेलने नहीं, बल्कि विरोधी टीम पर हावी होने और अपनी अग्रज शैली से भारतीय क्रिकेट के सबसे विशेष कप्तान बनने के लिए उतरते थे।

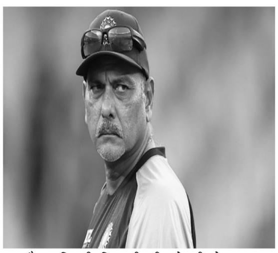

कोहली हमेशा अपनी टीम के साथियों ही नहीं विरोधी टीम के खिलाड़ियों को सलाह देने के लिए भी हमेशा तैयार रहे थे। शास्त्री ने कहा कि कई बार उन्होंने दूसरी टीमो के खिलाड़ियों को भी विराट के पास आते देखा है।

विपक्षी खिलाड़ी भी कोहली से सलाह लेने आते थे, और कोहली उत्साह से उनकी मदद करते थे।

शास्त्री ने कहा कि विराट की कार्यशैली का भारतीय टीम पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा। इसी कारण वह भारतीय टीम को विश्व क्रिकेट की सबसे फिट और शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम में बदलने में सफल रहे। वह विरोध टीमों के लिए डर का नाम थे पर अपने साथियों के लिए दोस्त और मार्गदर्शक। मैंने विपक्षी खिलाड़ियों को उनसे सलाह लेते देखा और विराट हमेशा मदद को तैयार रहते थे। मैंने उन्हें बेहतरीन बल्ले गिफ्ट करते देखा, क्योंकि वह असुरक्षित प्रतिस्पर्धी नहीं थे।

शास्त्री का मानना है कि खिलाड़ियों की तुलना नहीं की जानी चाहिये। वह गावस्कर और तेंदुलकर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा किया पर उन्हें विराट में कुछ अलग नजर आया। उन्होंने कहा कि मुझे तुलना पसंद नहीं। मैंने गावस्कर और तेंदुलकर के बारे में सवाल सुने। मैं उनके साथ खेला हूं पर कोहली को मैंने अलग रुख से देखा है। वह क्रिकेट खेलने नहीं बल्कि खेल और मैदान पर नियंत्रण करने के इरादे से उतरते थे। उन्होंने न केवल मैच जीते हैं बल्कि भारतीय क्रिकेट को नए सिरे से संवारा है।

पीसीबी ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आजम, रिजवान और शाहीन को शामिल नहीं किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। हैरानी की बात है कि इस 16 सदस्यीय टीम में तीन स्टार खिलाड़ियों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी को शामिल नहीं किया गया है। इस टीम की कप्तानी सलमान अली आगा को दी गयी है। तीन मैचों की टी20 सीरीज लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेली जाएगी। सीरीज के कार्यक्रम की घोषणा अभी होनी है। पीसीबी ने बताया कि टीम का चयन मौजूदा पीएसएल 2025 में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। नये कोच माइक हेसन के मार्गदर्शन में पहली बार पाक टीम उतरेगी।

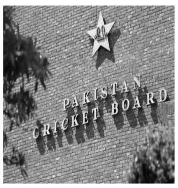

इस सीरीज से चोट से उबरने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सैम अयूब वापसी करेंगे। सैम ने अंतिम बार पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2024 में खेला था। उस मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर इसके बाद वह चोटिल होने के कारण क्रिकेट से दूर हो गये थे। हालांकि, अब उनके आने से शीर्ष क्रम बेहतर होगा। इस दौरे के लिए अभी तक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टीम की घोषणा नहीं की है। उसका कहना है कि वह पाक के सुरक्षा हालातों पर नजर रखे हुए है।

पाक टीम इस प्रकार है - सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर) और सैम अयूब।

केकेआर ने अंतिम समय पर नियम बदले जाने पर सवाल उठाये

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने के बाद मैच की टाइमिंग वाले नियम में बदलाव पर सवाल उठाये हैं। केकेआर प्रबंधन को कहना है कि इससे उसने नुकसान पहुंचा है और वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। केकेआर ने इस मामले में अपनी नाराजगी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी जाहिर की है। उसका कहना है कि बीसीसीआई ने प्लेइंग कंडीशन्स में एक बदलाव करते हुए मैच को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 60 मिनट दिए।

एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर इसी बदलाव की आलोचना की है। आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन को लिखे ई मेल में कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, अगर मैं सत्र के बीच में बदलाव जरुरी थे तो वे पहले किये जा सकते थे।

वेंकी का कहना था कि अगर ऐसा विस्तार पहले किया गया होता, तो 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण रद्द नहीं होता। उन्हें लगता है कि अतिरिक्त समय की वजह से पांच ओवर का खेल हो सकता था। केकेआर ने सीईओ ने कहा, जब आईपीएल दोबारा शुरु हुआ तो

17 मई को केकेआर और आरसीबी मैच में सभी को बारिश का अंदेशा था। उन्होंने कहा कि अब लागू किए जा रहे अतिरिक्त 120 मिनट कम से कम 5 ओवर के खेल का मौका भी हमने खो दिया।

बारिश के कारण मैच रद्द होने की वजह से केकेआर की टीम मुकाबले से बाहर हो गई। फिलहाल वे 13 मैचों में 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं और वे अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकते हैं। इस सत्र उनके दो मैच बारिश के कारण रद्द हुए हैं। मैसूर ने आगे कहा, बारिश के कारण केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना समाप्त हो गई। साथ ही कहा कि इस तरह के अचानक लिए फैसले और उन्हें लागू करने में एकरूपता की कमी इस स्तर के टूर्नामेंट के लिए सहित नहीं है। मुझे भरोसा है कि आप भी समझते होंगे कि हम क्यों दुखी हैं। सिर्फ केकेआर ही नहीं, बल्कि कुछ अन्य टीमें भी इस नियम के लागू होने से खुश नहीं हैं क्योंकि नियमों में ये बदलाव उस समय हुआ, जब 70 में से 62 लीग मैच खेले जा चुके थे।

अश्विन को बाहर कर किसी युवा खिलाड़ी को शामिल करे सीएसके - मूडी

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम से कहा है कि वह अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को रिलीज कर दे और उससे बचने वाली रकम से युवा खिलाड़ियों को शामिल करे। आईपीएल के इस सत्र में सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे 12 मैचों में से केवल तीन में ही जीत मिली है। गौरतलब है कि सीएसके ने पिछले साल हुई मेगा नीलामी में अश्विन को 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। इससे पहले अश्विन ने साल 2015 में सीएसके की ओर से खेला था।

अश्विन का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह आठ मैचों में केवल पांच विकेट ही ले पाये। वह केवल एक मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ ही देकर दो विकेट लिए। इसके अलावा अश्विन निचले क्रम पर रन भी नहीं बना पाये।

मूडी ने कहा, सीएसके हमेशा अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करता रहा है। इसी कारण उसने अश्विन को शामिल किया है। आईपीएल के दौरान यही रणनीति उसके लिए कारगर रही है पर अब ऐसा नहीं हो रहा। इसलिए उसे प्रदर्शन नहीं कर रहे अश्विन जैसे महंगे खिलाड़ी को बाहर करना चाहिये। । मूडी ने कहा, वह नीलामी में 10 करोड़ के करीब गए और ये काफी पैसे हैं जबकि उनकी अंतिम ग्यारह में जगह भी पक्की नहीं है। इसलिए टीम को उन्हें रिलीज करने के बारे में विचार करना चाहिये।

रोहित को खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैड ले जाना चाहती थी बीसीसीआई

मुम्बई। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के इंग्लैड दौरे से ठीक पहले टेस्ट प्रारुप से अचानक संन्यास लेने के बाद ही उनके प्रसंशक हैरान हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित को स्पष्ट रुप से बता दिया था कि वह भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं हैं और उन्हें केवल एक खिलाड़ी के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर रोहित कप्तान रहते हुए टेस्ट सीरीज के बीच में संन्यास की घोषणा करना चाहते थे पर बीसीसीआई इसके लिए तैयार नहीं थी। रोहित इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे। वह पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह संन्या लेना चाहते थे पर जब

बीसीसीसी ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो उनके पास संन्यास के अलावा को और विकल्प नहीं था। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शर्मा अगले धोनी ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही सीरीज के बीच में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। का ऐलान किया था। हालांकि, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के धोनी जैसे रिटायरमेंट के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता सीरीज के दौरान निरंतरता चाहते थे। इसलिए उन्होंने रोहित से कहा कि उन्हें खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर भेजा जा सकता है पर कप्तान के तौर पर नहीं। इसी के बाद ही रोहित ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी। रोहित ने अपने करियर के दौरान 67 टेस्ट मैच की 116 पारियों में 40.57 की औसत से कुल 4301 रन बनाए। इसमें उनके 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने इससे पहले टी-20 विश्वकप में जीत के साथ ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था।

भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान को लेकर संशय बरकरार, शुभमन और ऋषभ है दावेदार

मुम्बई। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास के बाद अगले माह इंग्लैंड दौरे में किसे कप्तान बनाया जाये ये सवाल उलझता जा रहा है। पांच टेस्ट मैचों के इस दौरे के लिए सबसे पहले कप्तान के तौर पर जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का नाम सामने आया था पर बुमराह ने काम के बोझ के चलते कप्तान से इंकार कर दिया। ऐसे में शुभमन ही कप्तानी के दावेदार बचे थे पर उनको लेकर चयन समिति में मतभेद उभर आये। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का नाम भी कप्तानी की दौड़ में शामिल हो गया

रिपोर्ट के मुताबिक, अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने शुभमन गिल और ऋषभ पंत दोनों से अनौपचारिक बातचीत की है। दोनों ही टेस्ट कप्तानी के दावेदार हैं। नये कप्तान को लेकर लेकर चयन समिति में आम राय नहीं बन पा रही जबकि इसी सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए लिए टीम की घोषणा होनी है। भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा 20 जून से शुरू हो रहा है जहां उसे 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है।

चयकर्ताओं के लिए नया टेस्ट कप्तान चुनना कठिन हो गया है। एक चयनकर्ता ने शुभमन को कप्तानी दिये जाने का विरोध किया है। उसका मानना है कि अभी टेस्ट टीम में शुभमन की जगह भी पक्की नहीं है। ऐसे में उसके कैसे कप्तानी दी ज सकती है। कप्तानी के लिए केएल राहुल का नाम भी सामने आया है पर राहुल की उम्र 33 साल हो गयी है। इसलिए उनकी दावेदारी कमजोर हो गयी है।

छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम का उत्साह बढ़ाया

बेंगलुरु । भारतीय महिला फुटबॉल टीम आजकल एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालिफायर्स की तैयारी में लगी है। सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों का उत्साह भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने बढ़ाया है। छेत्री ने प्रशिक्षण शिविर मेंखिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा दें।

छेत्री ने इस दौरान खिलाड़ियों से कहा कि समय तेजी से आगे निकल जाता है। इसलिए अगर आप वास्तव कुछ हासिल करना चाहते हैं तो छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखें। साथ ही कहा कि एक रात 10 बजे सोने और 10.45 बजे सोने में ज्यादा फर्क नहीं पड़ता लेकिन इसे एक साल तक करें, फिर देखें क्या बदलाव आता है। एक दिन समोसा खाने से ज्यादा नुकसान नहीं होता लेकिन एक साल तक इसे छोड़ दें तो आप देखेंगी कि आप कहां पहुंचती हैं। छेत्री ने उन्हेंने कहा कि, आप अभी युवा हैं बस खेल के लिए जुनूनी हो जाइए। इसके बाद सामान्य जिंदगी जीने के लिए तो आपको बहुत समय मिलेगा। इस दौरान भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने छेत्री को एक ऑटोग्राफ वाली जर्सी भेंट की जिसे देखकर वह बेहद खुश हुए । उन्होंने कहा कि अपने करियर में उन्हें कभी भी भारतीय टीम के बाकी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी नहीं मिली। इसलिए मैं इसे फ्रेम करवाऊंगा।

आकाश चोपड़ा बोले, जडेजा सहित सात क्रिकेटरों को बाहर करे सीएसके

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में पांच बार की खिताब विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह लीग स्तर पर ही बाहर होने वाली पहली टीम बनी। इसी के बाद से ही सीएसके में शामिल अनुभवी खिलाड़ियों को टीम में रखने पर सवाल उठे हैं। इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि सीएसके प्रबंधन को टीम में बड़े बदलाव करते हुए कम से कम सात खिलाड़ियों को बाहर करना होगा। आकाश के अनुसार सीएसके को रविंद्र जडेजा, आर अश्विन, रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को हटाना होगा।

सीएसके को लीग स्तर पर अपने अंतिम मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह अंतिम स्थान पर पहुंच गयी है। इसी को लेकर आकाश चोपड़ा ने कहा कि सीएसके प्रबंधन को अब गंभीर होकर नये सिरे से टीम तैयार करनी होगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मैं अश्विन, जडेजा, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे, विजय शंकर, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी को रिलीज करना चाहूंगा। इन खिलाड़ियों की सूची में 43 साल के हो रहे कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का नाम नहीं है। वहीं पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय बांगर का मानना है कि अगले आईपीएल सत्र में धोनी शायद ही नजर आयें। आकाश नेजडेजा को कई मैचों में बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे जाने के फैसले को भी गलत बनाया। उन्होंने कहा कि यह कहीं से भी सही नहीं था। टीम को उनकी जगह डेवाल्ड ब्रेविस को भेजना चाहिये था। जडेजा इस सत्र के 13 मैच में केवल 280 रन बना पाये। वहीं गेंदबाजी में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये और केवल 8 विकेट ले पाये।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा को भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी कम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।'' हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कौशल में सुधार आया है। इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

अबूझमाड़ में जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़, एक जवान शहीद

एक करोड़ के इनामी बसव राजू सहित 27 नक्सली ढेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ इलाके में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) जवानों और माओवादियों के बीच चल रहे एक बड़े अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। इस मुठभेड़ में अब तक 27 माओवादी ढेर हो चुके हैं, जिनमें एक करोड़ रुपये का इनामी शीर्ष माओवादी बसव राजू भी शामिल है।

खबर है कि कई अन्य बड़े माओवादी नेताओं के भी मारे जाने की संभावना है। इसलिए मारे गए माओवादियों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। राज्य के उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस बड़ी कामयाबी की पुष्टि करते हुए बताया कि इस ऑपरेशन में एक जवान बलिदान

व एक अन्य जवान घायल हुआ है।

बड़े माओवादी लीडर को घेर लिया

यह मुठभेड़ नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों के डीआरजी जवानों की संयुक्त टीम द्वारा बुधवार सुबह से माड़ के दुर्गम और घने जंगलों में जारी थी। सुरक्षाबलों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बड़े माओवादी लीडरों को घेर लिया था। यह अभियान माओवादी विरोधी अभियानों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। अबूझमाड़ को माओवादियों का अभेद्य गढ़ माना जाता रहा है। इस सफलता से क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों पर लगाम लगने और उनके नेटवर्क को बड़ा नुकसान पहुंचने की उम्मीद है।

21 दिनों तक चले अभियान में मारे गए थे 31 माओवादी

यह हाल ही में करेंगुट्टा पहाड़ी पर चलाए गए सबसे बड़े अभियान के बाद एक और बड़ी सफलता है। करेंगुट्टा में 21 दिनों तक चले अभियान में 31 माओवादियों को ढेर कर सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की थी। उस अभियान के दौरान जवानों ने 214 माओवादी ठिकानों और बंकरों को नष्ट किया था। साथ ही 450 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए थे। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद कोबरा और डीआरजी के 18 जवान घायल हुए थे, लेकिन उन्होंने दृढ़ता से अभियान को अंजाम दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ को 2026 तक माओवादी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इस संकल्प के बाद से सुरक्षा बल लगातार माओवादियों के खिलाफ सघन सर्चिंग आपरेशन चला रहे हैं, जिससे माओवादियों पर भारी दबाव बढ़ा है। इसी दबाव के चलते कई माओवादियों ने आत्मसमर्पण भी किया है।

भारत ने पाकिस्तान का रोका पानी, अब मदद के बहाने चीन उठाएगा फायदा

नई दिल्ली। पाकिस्तान को दोस्त बनाकर चीन उसका पूरा फायदा उठा रहा है। शहबाज सरकार भी चीन की पैंतरेबाजी नहीं समझ पा रही है। इस बार चीन पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बन रहे मोहमंद बांध परियोजना को तेजी से पूरा करने में जुट गया है। यह कदम तब उठाया गया है, जब हाल ही में भारत ने 1960 के सिंधु जल संधि को पाहलगाम आतंकी हमले के बाद निलंबित करने की घोषणा की थी। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच जब सिंधु जल संधि निलंबित हुई, तो पड़ोसी देश में पानी का खतरा पैदा हो गया। यह खबर भारत के लिए भी खास मायने रखती है, क्योंकि सिंधु नदी का पानी दोनों देशों के लिए बेहद अहम है। हमेशा की तरह चीन को एक बार फिर यहां अपना फायदा दिखा और वो पाकिस्तान की प्यास बुझाने पहुंच गया। चीन पाकिस्तान की मोहमंद बांध परियोजना को पूरा करने में युद्धस्तर पर जुटा हुआ है मोहमंद बांध खैबर पख्तूनख्वा में बन रहा एक बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट है। यह बांध न सिर्फ 800 मेगावाट बिजली पैदा करेगा बल्कि बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और पेशावर शहर के लिए 30 करोड़ गैलन पीने का पानी रोजाना उपलब्ध कराएगा। इस परियोजना पर चाइना एनर्जी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन 2019 से काम कर रही है और इसे अगले साल तक पूरा करने का लक्ष्य है। बता दें कि सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का पानी मिलता है, जबकि भारत को रावी, सतलुज और ब्यास नदियों का उपयोग करने का अधिकार है। इन नदियों का पानी पाकिस्तान के लिए 80 प्रतिशत पीने और सिंचाई की जरूरत पूरी करता है। भारत के संधि निलंबन के फैसले के बाद चीन का यह कदम पाकिस्तान को मजबूती देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। चीन का सिर्फ रणनीतिक फायदा ही नहीं है बल्कि इस डैम को बनाने ज़िम्मा चीन की सरकारी एजेंसी उठा रही है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पाहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला किया। इसके कुछ ही हफ्तों बाद पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मिलने बीजिंग पहुंचे। ऐसे में चीन का यह ऐलान भारत के लिए एक नई चुनौती पेश कर सकता है। मोहमंद बांध न केवल पाकिस्तान की बिजली और पानी की जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि यह क्षेत्रीय राजनीति में भी नया रंग ला सकता है।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी बोली सोनिया-राहुल के खिलाफ बनता है केस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में चौथी सुनवाई हुई। ईडी ने कोर्ट को बताया कि, पहली नजर में सोनिया और राहुल के खिलाफ केस बनता है। दोनों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए कमाए हैं। ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त नहीं कर ली। ईडी की तरफ से दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि, इस मामले में 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई होगी। नेशनल हेराल्ड केस 2012 से चल रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत की थी।

शर्मिंदगी के बाद महाराष्ट्र सरकार ने सीजेआई को नियमित आधिकारिक अतिथि का दर्जा दिया

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) की यात्रा के दौरान राज्य में आधिकारिक शिष्टाचार का पालन तय करने के लिए प्रोटोकॉल गाइडलाइन जारी की हैं। गाइडलाइन के तहत, सीजेआई बी आर गवई को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र में नियमित आधिकारिक अतिथि का दर्जा दिया है। दरअसल जस्टिस बीआर गवई 14 को सीजेआई बनने के बाद 18 मई को पहली बार महाराष्ट्र गए थे। हालांकि, मुंबई में उन्हें स्टेट चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी या मुंबई पुलिस कमिश्नर में से कोई भी रिसीव करने नहीं आए थे, जिसपर सीजेआई गवई ने नाराजगी जाहिर की थी। घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। इसके बाद राज्य के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उन्होंने प्रोटोकॉल में चूक के लिए राज्य सरकार की ओर से सीजेआई गवई से फोन पर माफी मांगी है। महाराष्ट्र स्टेट गेस्ट रूल्स, 2004 के अनुसार, स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित या माने जाने वाले किसी पदाधिकारी को राज्य प्रोटोकॉल सब-डिवीजन की ओर से एयरपोर्ट पर स्वागत और विदाई की व्यवस्था की जाती है। जिलों में कलेक्टर ऑफिस नामित प्रोटोकॉल अधिकारियों को रिसीव करने या छोड़ने की व्यवस्था करता है।अब महाराष्ट्र में परमानेंट स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित होने के बाद सीजेआई सभी प्रोटोकॉल-संबंधी सुविधाओं के हकदार है। उन्हें राज्य के किसी भी हिस्से में अपनी यात्रा के दौरान आवास, गाड़ी की व्यवस्था और सुरक्षा दी

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति ने डायरी में पाकिस्तान को बताया अच्छा देश

नई दिल्ली। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोपों में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बारे में रोज नए नए खुलासे हो रहे हैं। ज्योति अकसर पर्सनल डायरी में पाकिस्तान से जुड़े अनुभव लिखती थी। इस डायरी को पुलिस पढ़ रही है, जिसमें से एक पन्ने में उसने पाकिस्तान और उसके लोगों की तारीफ की है। ज्योति ने एक पेज पर यह भी लिखा है कि पाकिस्तान के लोगों के बारे में जितना कहो, उतना कम है- क्रेजी और कलरफुल। इस तरह उसने पाकिस्तान को एक अच्छा देश बताने की कोशिश की है। इसके साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच आवाजाही आसान होने की भी कामना की है।

ज्योति ने डायरी में लिखा था

कि पाकिस्तान से 10 दिन का ये सफर तय करके आज वापस अपने घर आ गई हूं। अपने वतन आ गई हूं। इस दौरान पाकिस्तान की अवाम से काफी मोहब्बत मिली। हमारे सबस्क्राइबर्स और फ्रेंड भी मिलने आए। लाहौर घूमने के लिए दो दिन का वक्त बहुत कम था। यही नहीं इसके आगे ज्योति लिखती हैं कि सरहद की दूरियां पता नहीं कब तक बरकरार रहेंगी, लेकिन दिलों में जो गिले-शिकवे हैं वह खत्म हो जाएं।

यही नहीं भारत और पाकिस्तान की एक संस्कृति का हवाला देते हुए ज्योति ने लिखा कि हम सब एक ही धरती और एक ही मिट्टी के हैं। उसने डायरी में लिखा कि पाकिस्तान सरकार से आग्रह है कि भारतीयों के लिए वहां जाना आसान करे। इसके अलावा मंदिरों और गुरुद्वारों को संरक्षण प्रदान करे, जो तीर्थस्थान हैं। मंदिरों की देखभाल हो ताकि हिंदू वहां विजिट कर सकें। इसके अलावा जिनके परिजन 1947 में बिछड़ गए थे, उनसे भी मिल सकें। ज्योति के पूर्वज पाकिस्तान के बहावलपुर के रहने वाले थे। 1947 में बंटवारे के बाद परिवार फरीदकोट आ गया और फिर अंत में हिसार में 20 साल पहले आकर बस गया था।

तख्तापलट की आशंका के बीच पाकिस्तान में मुनीर को मिला प्रमोशन, बना दिया फील्ड मार्शल

नई दिल्ली। तख्तापलट की आशंका के बीच पाकिस्तान में जंग हारने पर सैनिकों को सजा नहीं, इनाम मिलता है। भारत से करारी शिकस्त खाने, एयरबेस पर धमाकों के बीच बंकर में छिपने और झूठी जीत का ऐलान करने वाले जनरल आसिम मुनीर को अब 'फील्ड मार्शल' बना दिया गया है। ये वही आसिम मुनीर हैं जो अभी तक पाकिस्तान आर्मी के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ थे, उन्हें अब 'फील्ड मार्शल' बना दिया गया है। एक ऐसा रैंक जो जीवन भर सेना की वर्दी और ताकत का प्रतीक रहता है, और कभी रिटायर नहीं होता। पाकिस्तानी कैबिनेट का तर्क है कि जनरल मुनीर को 'राष्ट्रीय सुरक्षा' में योगदान और भारत के खिलाफ कथित सफल जवाबी कार्रवाई के लिए यह पदोन्नति दी गई है। मगर यह वही जवाबी कार्रवाई थी जिसमें पाकिस्तान ने सिर्फ धमकियों और फर्जी वीडियो से अपने देशवासियों को मूर्ख बनाया।

पूर्व भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल वेद प्रकाश मलिक ने इस फैसले पर एक्स (ट्विटर) पर चुटकी ली और लिखाड़ 'नोट कीजिए, फील्ड मार्शल कभी रिटायर नहीं होताड़' इस एक पंक्ति ने पूरी बहस को तख्तापलट की स्क्रिप्ट की ओर मोड़ दिया। सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे, क्या पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट की तैयारी हो चुकी है? क्या मुनीर इमरान खान की तरह शाहबाज शरीफ को भी चलता कर देंगे? पाकिस्तान में यह रैंक इससे पहले सिर्फ एक बार मिला है, जनरल अयूब खान को। अयूब खान 1958 में राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्जा को हटाकर पाकिस्तान के पहले सैन्य तानाशाह बने थे। फिर उन्होंने खुद को 'फील्ड मार्शल' रैंक पर प्रमोट कर दिया।

भारत ने 6-7 मई की रात जिस सटीक और निर्णायक अंदाज में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की, उसने दुनिया को दिखा दिया कि असल सैन्य ताकत क्या होती है। जबकि इस हमले के दौरान पाकिस्तानी आर्मी के अफसर खुद को बंकरों में छुपाए बैठे थे। इसके बावजूद पाकिस्तान की कैबिनेट ने आसिम मुनीर को 'असाधारण बहादुरी' और 'देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा' के लिए सम्मानित कर दिया। यही नहीं, सेना की तारीफ में कसीदे पढ़े गए और कथित शहीदों के लिए फातिहा तक पढ़ी गई। आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाकर पाकिस्तान ने एक खतरनाक परंपरा को जिंदा कर दिया है। यह सिर्फ एक व्यक्ति का पदोन्नति नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गर्दन पर लटकती तलवार है।पाकिस्तान के हालात देखें तो आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य तानाशाही की वापसी का खतरा अब और गहरा हो चुका है।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान की सेना ने खुद को जंग में 'विजेता' घोषित किया हो। 1965, 1971 और 1999 के करगिल युद्ध में पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। लेकिन हर बार वहां की फौज ने अपने नागरिकों को झूठी जीत का चूरन चटाया। अब इस 'गौरवगाथा' में जनरल मुनीर को 'फील्ड मार्शल' बनाकर सेना ने यह संदेश दे दिया है कि पाकिस्तान में सत्ता का असली मालिक कौन है। शाहबाज शरीफ सरकार कमजोर है, जनता महंगाई से त्रस्त है, विपक्ष बिखरा हुआ है और सेना लगातार सियासी हस्तक्षेप कर रही है। ऐसे माहौल में मुनीर का यह प्रमोशन सिर्फ सैन्य रैंक नहीं, बल्कि एक राजनीतिक कदम भी है।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह पीएल-15ई मिसाइल के मलबे की मांग

अमेरिका-जापान समेत 7 देशों ने भारत से मांगा मलबा

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की पीएल-15ई मिसाइल को अपने एयर डिफेंस सिस्टम से तबाह कर दिया था। यह मिसाइल चीन में बनी थी। फाइव आईज देश (अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड) के अलावा फ्रांस और जापान इस मिसाइल के मलबे की जांच करना चाहते हैं, ताकि यह पता कर सकें कि इसे बनाने के लिए चीन ने किन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है।

9 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले में एक खेत से पीएल-15ई मिसाइल के टुकड़े बरामद किए गए थे। इसके बाद 12 मई को वायु सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहली बार इसका मलबा दिखाया था।

पहली बार पीएल-15ई मिसाइल का इस्तेमाल हुआ

भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान ने जेएफ-17 लड़ाकू विमान से चीन में बनी पीएल-15ई मिसाइल दागी थी। लेकिन उसे हवा में ही नाकाम कर दिया गया, जिससे वह अपने निशाने तक नहीं पहुंच सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहली बार किसी संघर्ष में पीएल-15ई मिसाइल का इस्तेमाल हुआ है। पीएल-15ई मिसाइल की एडवांस तकनीक और लंबी रेंज की वजह से चीन की सरकारी मीडिया जैसे ग्लोबल टाइम्स और चीन के रक्षा विश्लेषकों इसे पश्चिमी देश और भारत के लड़ाकू विमानों के लिए चुनौती बताते रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत को जो टुकड़े मिले हैं, अगर वे सही-सलामत हैं, तो उनसे बहुत अहम जानकारी मिल सकती है। जैसे-मिसाइल का रडार कैसे काम करता है (रडार सिग्नेचर के जरिए)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तपन डेका का सेवा विस्तार, बन गया एक और इतिहास

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका को केंद्र सरकार ने एक और साल का सेवा विस्तार दे दिया है। मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, डेका अब 30 जून 2025 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर बने रहेंगे। यह डेका को मिला दूसरा सेवा विस्तार है, और इसके साथ ही वे आईबी के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रमुख बन जाएंगे। यह निर्णय ऐसे समय पर आया है जबकि भारत ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह सेवा विस्तार ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के तुरंत बाद आया है। इस अभियान में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या के जवाब में भारतीय सुरक्षा बलों ने पीओके और पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। इतना ही नहीं, भारत ने लाहौर की वायु रक्षा प्रणाली और रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस जैसे महत्वपूर्ण पाक सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया।

डेका का प्रोफाइल

62 वर्षीय डेका 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और हिमाचल प्रदेश कैडर से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने आतंकवाद-रोधी अभियानों, कश्मीर नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर उल्लेखनीय काम किया है।

नियमों में ढील के बाद विस्तार

यह सेवा विस्तार सरकार ने मौलिक नियम 56(डी) और अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु सह सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के तहत विशेष छूट देकर दिया है, जो आमतौर पर 60 वर्ष की उम्र के बाद सेवा विस्तार की अनुमति नहीं देता।

अब अमेरिका में डंकी रुट से भेजने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका ने अवैध इमिग्रेशन पर लगाम लगाने सख्त कदम उठाया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने भारतीय ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों, सीनियर अधिकारियों और एक्जिक्यूटिव्स वीजा पर रोक लगा दी है। इन ट्रैवल एजेंटों पर आरोप है कि इन्होंने भारतीय नागरिकों को गुमराह कर गलत और गैरकानूनी तरीकों से अमेरिका भेजने का प्रयास किया। ये एजेंसियां यात्रा और इमिग्रेशन की मदद के नाम पर लोगों का शोषण कर रही थीं। अमेरिकी सरकार ने साफ कहा है कि जो भी लोग मजबूर या भोले-भाले लोगों को अवैध तरीके से देश में लाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन की उस मुहिम का हिस्सा है, जिसमें अवैध इमिग्रेशन नेटवर्क्स को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कदम से यह संदेश जाता है कि अब ऐसे किसी भी गैरकानूनी काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में स्थित और ऑपरेट करने वाली कई ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों, सीनियर अधिकारियों और टॉप मैनेजमेंट पर वीजा पाबंदी लगाने का ऐलान किया है।

स्टेटमेंट में कहा है कि ये ट्रैवल एजेंसियां जानबूझकर भारतीय नागरिकों को अवैध तरीके से अमेरिका भेजने में मदद कर रही थीं। यूएस मिशन इंडिया के कांसुलर अफेयर्स और डिप्लोमेटिक सिक्योरिटी सर्विस की टीम हर दिन अमेरिकी एम्बेसी और कांसुलेट्स के ज़रिए ऐसे लोगों की पहचान कर रही है जो गैरकानूनी इमिग्रेशन, ह्यूमन स्मगलिंग और ट्रैफिकिंग जैसे मामलों में शामिल है। अमेरिका ने कहा है कि ये वीज़ा बैन सिर्फ आम वीज़ा अप्लिकेंट्स पर ही नहीं, बल्कि क्वालिफाई करने वाले लोगों पर भी लागू होगा। यह एक ग्लोबल पॉलिसी है, यानी दुनिया के किसी भी कोने में ऐसे मामलों में लिप्त लोगों पर यह नियम लागू किया जा सकता है। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि उनका मकसद सिर्फ विदेशी नागरिकों को अवैध इमिग्रेशन के खतरों से अवगत कराना नहीं है, बल्कि उन लोगों को भी जवाबदेह ठहराना है जो ऐसे गैरकानूनी रास्ते अपनाते हैं।

एशियाई शेरों की गणना के नतीजे घोषित : 5 साल में 217 की वृद्धि

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को गांधीनगर में राज्य में कराई गई 16वीं एशियाई शेरों की गणना के आंकड़ों की गौरवपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि राज्य में शेरों की अनुमानित संख्या 891 हो गई है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि इस 16वीं गणना के आंकड़ों के अनुसार एशियाई शेरों की कुल संख्या 891 पाई गई है, जिसमें 196 नर, 330 मादा और उप-वयस्क तथा शावक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के वन विभाग की ओर से हर पांच साल में 'डायरेक्ट बीट वेरिफिकेशन' यानी ब्लॉक काउंट पद्धति से शेरों की आबादी की गणना की जाती है। इस वर्ष 10 से 13 मई के दौरान 11 जिलों की 58 तहसीलों के 35 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वनकर्मियों, सरपंचों एवं ग्रामीणों सहित 3854 लोग गणना के इस

कार्य में शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा शेरों की आबादी के आंकड़ों की घोषणा के अवसर पर वन मंत्री मुळुभाई बेरा, राज्य मंत्री मुकेश पटेल, मुख्य सचिव पंकज जोशी और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एम.के. दास भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में राज्य में शेरों की आबादी का अनुमान लगाने पिछली परंपरागत पद्धति को बदलकर 'टोटल काउंट बाई डायरेक्ट साइटिंग एट ब्लॉक सिस्टम' पद्धति कार्यान्वित की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एशियाई शेरों के दीर्घकालिक संरक्षण एवं संवर्धन के लिए की गई 'प्रोजेक्ट लायन' की घोषणा के अंतर्गत हाल ही में गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक में 'प्रोजेक्ट लायन 2047' के भविष्योन्मुखी आयोजन के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोजेक्ट लायन 2047 शेरों की देखभाल, संवर्धन और संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को बेहतर तरीके से साकार करेगा। मुख्यमंत्री ने यह साफ किया कि भौगोलिक परिस्थिति और जलवायु की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि वन्य प्राणी संरक्षण के प्रति सरकार के सतर्क और सतत दृष्टिकोण से ही शेरों की आबादी में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि 2001 में शेरों की संख्या 327, 2005 में 359, 2010 में 411, 2015 में 523 और 2020 में 674 थी, जो अब बढ़कर 891 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने शेरों की आबादी का अनुमान लगाने में उपयोग में ली गई नई मॉडर्न टेक्नोलॉजी के बारे में विस्तार से बताया। व्यक्तिगत पहचान में मदद के उद्देश्य से तस्वीरें लेने के लिए डिजिटल कैमरे और कैमरा ट्रैप्स जैसे विभिन्न तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। कुछ शेरों को रेडियो कॉलर भी लगाया गया था, जिससे उस शेर और उसके समूह की लोकेशन का पता लगाने में मदद मिली थी। इसके अलावा, शेर अवलोकन की रीयल टाइम डेटा एंट्री करने में 'ई-गुजफरेस्ट' एप्लीकेशन सहायक सिद्ध हुआ, जिसमें जीपीएस लोकेशन और तस्वीरों का समावेश होने से सटीकता और दक्षता में वृद्धि हुई।

सेना के सम्मान में कांग्रेस देश भर में करेगी जय-हिंद सभा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सेना के सम्मान में 25 मई से देश भर में जय हिंद सभा करने जा रही है। इस दौरान सैनिकों पूर्व सैनिक को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एनडीए सरकार से कुछ सवालों के जवाब भी मांगे जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सभी विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाते हुए केंद्र सरकार का हर फैसले में समर्थन किया है। हमने सरकार से कहा था कि हम आपके साथ हैं। आतंकियों के आका जहां कहीं भी बैठे हों और चाहे वे कोई भी हों, उन्हें सबक सिखाइए। कांग्रेस वर्किंग कमिटी की तीन बैठकें हुईं और तीनों में फैसला हुआ कि सरकार जो भी कार्रवाई करेगी। हम उसका समर्थन करेंगे और हमने वैसा ही किया।

सुरक्षा एजेंसियों के पास आतंकी हमले का इनपुट था

उन्होंने आगे कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने आतंकियों के 9 ठिकानों को ही तबाह नहीं किया, बल्कि सरहद पार से हुए हर हमले को मुंहतोड़ जवाब भी दिया। जम्मू-कश्मीर से लेकर भुज तक हर हमले को नाकाम किया। लेकिन, इसी बीच चर्चा पार्टी के जरिए सीजफायर हुआ। इसीलिए विपक्ष होने के नाते हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम सरकार से इस मामले में सवाल पूछें कि ऐसा क्यों हुआ।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान को बड़ी राहत सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित आपत्तिजनक पोस्ट के सिलसिले में प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने महमूदाबाद को कड़ी नसीहत देते हुए कहा कि आपको सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

आवश्यकता 50 की, लेकिन महज 8 मजदूरों के भरोसे चल रही गोंगलई मंडी

किसानों को भी फसल का नहीं मिल रहा वाजिब दाम, कम दाम पर व्यापारी खरीद रहे धान, दाम को लेकर किसान भी परेशान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। एक ओर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किसानो की आय को दुगना किए जाने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर किसानों को अपनी फसल का वाजिद दाम भी नहीं मिल रहा है। वही मंडी में धान बेचने के लिए किसानों को तीन से चार दिनों तक का इंतजार करना पड़ रहा है।जहां मजदूरों की कमी के चलते किसान काफी परेशान है।यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि यह बात गोंगलई मंडी में रबी की धान बेचने के लिए पहुंचे किसान कह रहे हैं। किसानों के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष व्यापारियों द्वारा काफी कम दाम में किसानों का धान खरीदा जा रहा है।बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष 2100 से 2300 रु प्रति क्विंटल के हिसाब से मंडी में रबी धान की खरीदारी की गई थी। जबकि इस वर्ष 1700 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों की धान खरीदी जा रही है।जिससे किसानों को से 400 से 500 रु प्रति क्विंटल के हिसाब से नुकसान उठाना पड़ रहा है। तो वही इतनी बड़ी मंडी महज 8 मजदूरों के भरोसे चल रही है ।जिसको लेकर भी किसान परेशान है और उन्हें कम दाम में भी मजबूरन अपनी उपज बेचने के लिए तीन से चार दिनों तक का इंतजार करना पड़ रहा है। जिन्होंने गोंगलई मंडी में पर्याप्त मात्रा में मजदूरों की व्यवस्था कर राहत पहुंचाने और धान का अधिक दाम दिलाए जाने की मांग की है।

तिगुनी मजदूरी देने के बावजूद भी नहीं मिल रहे मजदूर

इधर किसान काफी कम दामों में अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर है। तो उधर उन्हें रबी की धान बेचने के लिए मंडी में करीब 3 से 4 दिनों तक का इंतजार करना पड़ रहा है। जिसकी प्रमुख वजह मंडी में पर्याप्त मात्रा में मजदूरों का ना होना बताया जा रहा है। जिसके चलते किसान काफी परेशान है। गोंगलई मंडी में किसानों की धान की अल्टा पल्टी करने, बोली के लिए डोंग जमाने, बोली के बाद धान को बारदानों में भरने, उसका तौल काटा करने सहित अन्य कार्य के लिए मंडी में मजदूरों का टोटा बना हुआ है।आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मंडी में रोजाना 50 मजदूरों की आवश्यकता है।लेकिन इतनी बड़ी गोंगलई मंडी महज 8 मजदूरों के भरोसे पर चल रही है। जिसके चलते किसानों को हर मोड़ पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंडी प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक मंडी में मजदूरों की समस्या को दूर करने के लिए मजदूरों को तीन गुना मजदूरी दी जा रही है। बावजूद इसके भी मजदूर मंडी में काम करने में दिलचस्पी नहीं दिख रहे हैं। जिसकी वजह मंडी में 12 महीने काम न मिलना बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार मंडी प्रबंधन द्वारा मजदूरों की व्यवस्था करने के लिए गोंगलई सरेखा कोसमी सहित अन्य गांवो में संपर्क किया गया है। लेकिन महज एक माह के काम के लिए कोई मजदूर मंडी में काम करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि एक माह बाद उन्हें मंडी में काम नहीं मिलेगा और वह फिर से बेरोजगार हो जाएंगे।फिर उन्हें कहीं और काम तलाश करना पड़ेगा।इसीलिए तीन गुना मजदूरी देने के बावजूद भी मंडी में काम करने के लिए मजदूर नहीं पहुंच रहे हैं।

फसल की लागत निकालना भी हुआ मुश्किल

किसानों के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष धान के दाम काफी कम मिलने के चलते उन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। बताया जा रहा है कि जुताई से लेकर बुवाई, खाद ,बीज ,कचरा निदाई, दवाई, धान की कटाई, गहानी और उसे मंडी लाने में किसानों को अधिक लागत लग रही है। जबकि पहले की तुलना में रबी धान के दाम कम हो जाने के चलते उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

राज्य सरकार के प्रति किसानों ने दिखाई नाराजगी

मंडी पहुंचे ज्यादातर किसानो ने राज्य सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई है। किसानों ने बताया कि चुनाव के पूर्व सरकार ने खरीब फसलों की तरह रबी की फसल को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने की घोषणा की थी। लेकिन चुनाव जीतने के बाद भी सरकार की यहां घोषणा आज तक अधूरी पड़ी है। जबकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी भारतीय जनता पार्टी सरकार है। वहां की सरकारे रबी की फसल को भी समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। लेकिन मध्य प्रदेश की सरकार ने घोषणा करने के बाद भी रबी की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने कि पहल नहीं की है। जिसका फायदा पंजीकृत व्यवसायी उठा रहे हैं।जो पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष काफी कम दाम में किसानों की धान खरीद रहे हैं। जिसके चलते किसानी अब लाभ का धंधा बनने की जगह घाटे का सौदा साबित हो रही है और किसानों को अपनी लागत भी निकलना मुश्किल हो रहा है।

मंडी वालो के पास हमाल ही नही है-विभव बिसेन

उपज लेकर सालेटका से पहुचे किसान विभव बिसेन सहित गोंगलई, चिचगांव और भमोड़ी से पहुंचे किसानों ने बताया कि वे चार दिन पूर्व अपनी उपज लेकर मंडी में विक्रय करने पहुंचे हैं। लेकिन बुधवार दोपहर एक बजे तक भी उनकी धान की बोली नहीं लग पाई है। हमालों की कमी के कारण धान का तौल, बोरियां में भराव सिलाई सहित अन्य कार्य नहीं हो पाए हैं। मंडी प्रबंधन को समस्याएं बताने पर भी सुनाई नहीं हो रही है। अगर यहां पर्याप्त मात्रा में हमाल होते तो एक दिन में ही काम हो जाता। लेकिन मंडी वालों के पास हमाल ही नहीं है। जिसका खामियाजा धान बिक्री के लिए पहुंचने वाले किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

पांच दिनों से कर रहे जगवाली- उमा शंकर

गोंगलई निवासी किसान उमाशंकर पटले ने बताया कि वह चार दिन पहले अपनी करीब 70 से 80 कट्टी धान लेकर पहुंचे है। लेकिन अब तक उसकी उपज का विक्रय नहीं हो पाया है। परिणाम स्वरूप हमे काम धंधे छोडकर अपने उपज की रखवाली करने मंडी में भी रहना पड़ रहा है।उन्होंने आगे बताया कि मंडी में ना तो सस्ते भोजन की व्यवस्था की गई है। ना ही किसानों को रात्रि में विश्राम करने की व्यवस्था है। दिन में भी किसान बिना कूलर, पंखे के मंडी परिसर में गर्म हवाओं के धपेड़ों के बीच बैठकर अपनी उपज का तौल का इंतजार करते हैं। ऊपर से पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष काफी कम दाम में धान खरीदी जा रही है जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कई गांवो में किए संपर्क, पर नहीं मिल रहे मजदूर- सोनवाने

कृषि उपज मंडी गोंगलई लिपिक प्रकाश सोनवाने ने बताया कि मजदूर नहीं मिलने के कारण किसानों को समस्या हो रही है। पहले हम्माल को 8 रुपए क्विंटल के हिसाब से भुगतान दिया जाता था। जिसे बढ़ाकर 26 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है। लेकिन 12 माह काम नहीं मिलने के कारण हम्माल यहां काम करने नहीं आते हैं। रबी सीजन में सिर्फ एक माह तक ही खरीदी कार्य हो पाता है। फिर हम्माल बेरोजगार हो जाते हैं। कारण यहीं है कि हम्माल नहीं मिल रहे हैं। हालाकि किसी तरह से काम चलाया जा रहा है। हमने मजदूरों के लिए कई गांव में संपर्क किया है लेकिन मजदूर एक माह के लिए मंडी का कार्य करने नहीं आ रहे हैं। इसलिए हमारे पास जो 7-8 मजदूर हैं उन्हीं से काम चलाना पड़ रहा है। जबकि हमें रोजाना 50 मजदूरों की आवश्यकता है।

नगर के ड्रीम होंडा शोरूम के कैशियर एवं मैनेजर ने 2 लाख 94 हजार रुपए गबन कर की धोखाधड़ी

कैशियर शाहरुख कुरेशी और मैनेजर रवि टेम्भरे के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गोंदिया रोड स्थित ड्रीम होंडा के शोरूम के कैशियर और मैनेजर के द्वारा ड्रीम होंडा शोरूम के हिसाब में गड़बड़ी कर 2 लाख 94 हजार रुपये गबन कर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। कोतवाली पुलिस ने ड्रीम होंडा शोरूम के संचालक कमलजीत सिंह छाबड़ा 50 वर्ष सरस्वती नगर बालाघाट निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर ड्रीम होंडा के कैशियर शाहरुख कुरेशी और मैनेजर रवि टेम्भरे के विरुद्ध रुपये गबन कर धोखाधड़ी करने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है । रिपोर्ट दर्ज होने के बाद ड्रीम होंडा शोरूम के ऐ दोनों कर्मचारी फरार बताए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के गोंदिया रोड स्थित ड्रीम होंडा शोरूम में होंडा कंपनी के वाहनों का विक्रय एवं सर्विसिंग का व्यापार किया जाता है। इस होंडा शोरूम में शाहरुख कुरैशी कैशियर और रवि टेम्भरे मैनेजर के पद पर कार्यत थे। बालाघाट स्थित ड्रीम होंडा शोरूम एवं बालाघाट जिले के समस्त आउटलेट के समस्त विक्रेता वाहनों की विक्रय राशि का समस्त हिसाब कैशियर शाहरुख कुरेशी द्वारा किया जाता था। मैनेजर रवि टेम्भरे के द्वारा प्रतिष्ठान का संपूर्ण कार्य संचालित किया जाता था। हेड कैशियर की अनुपस्थिति में एवं आवश्यकता पड़ने पर मैनेजर रवि टेम्भरे के द्वारा आय और व्यय का हिसाब रखा जाता था। इस व्यवसायिक संस्थान के संचालक कमलजीत सिंह छाबड़ा के द्वारा अपने प्रतिष्ठान का हिसाब एवं आर्डिट किए जाने पर हिसाब में भारी अनियमितता मिली। कैशियर शाहरुख कुरेशी और मैनेजर रवि टेम्भरे से पूछताछ करने पर उनके द्वारा हिसाब दिए जाने में टालमटोल किया जाने लगा और उन्होंने हिसाब नहीं दिए। शक होने पर जब दस्तावेजों की जांच की गई तो प्रारंभिक जांच में कैशियर शाहरुख कुरेशी द्वारा 218705 रुपए का गबन करना पाया गया। इसी प्रकार मैनेजर रवि टेम्भरे के द्वारा जांच में 75416 रुपए का गबन करना पाया गया। इस प्रकार ड्रीम होंडा शोरूम के कैशियर शाहरुख कुरेशी और मैनेजर रवि टेम्भरे के द्वारा ड्रीम होंडा शोरूम के हिसाब में गड़बड़ी कर 2 लाख 94 हजार रुपये गबन कर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। शोरूम के संचालक कमलजीत सिंह छाबड़ा ने इस धोखाधड़ी की लिखित शिकायत कोतवाली में की थी। कोतवाली पुलिस ने शिकायत जांच पर इस मामले में होंडा शोरूम के कैशियर शाहरुख कुरेशी और मैनेजर रवि टेम्भरे के विरुद्ध गबन और धोखाधड़ी के इस मामले में धारा 316(4) 318(4) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। गबन एवं धोखाधड़ी के इस मामले में अन्य लोग भी शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट